THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 184 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद शु.6 2080 गुरुवार, 21 सितंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी

कनाडा में सिक्योरिटी के हालात ठीक नहीं, स्टूडेंट्स ज्यादा सतर्क रहें

ओटावा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। कनाडा ने मंगलवार को अपने नागरिकों को भारत के कुछ खास हिस्सों में न जाने के लिए एडवाइजरी जारी की। बुधवार को भारत ने भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी कर दी। कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप वहां के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर लगाते हुए हमारे एक डिप्लोमैट को निकाल दिया। जवाब में भारत ने भी कनाडा के एक डिप्लोमैट को एक्सपेल कर दिया।

भारत ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की

मंगलवार को कनाडा की तरफ से जारी एडवाइजरी के बाद भारत के विदेश मंत्रालय ने भी कनाडा में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की। कहा-कनाडा में जारी भारत विरोधी एक्टिविटीज के मद्देनजर वहां रहने वाले या वहां की यात्रा पर जाने वाले नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वो बहुत सतर्कता बरतें। हालिया वक्त में देखा गया है कि कनाडा में मौजूद इंडियन डिप्लोमैट्स और इंडियन कम्युनिटी के एक खास तबके को धमकियां दी जा रही हैं। ये वो लोग हैं जो भारत विरोधी एजेंडे का विरोध करते हैं। एडवाइजरी के मुताबिक-इन हालात को देखते हुए हम अपने नागरिकों को सलाह देते हैं कि वो उन इलाकों में जाने से बचें भारत विरोधी गतिविधियां हुई हैं। हमारा हाईकमीशन और कॉन्स्युलेट्स जनरल कैनेडियन अथॉरिटीज के संपर्क में हैं ताकि इंडियन कम्युनिटी की सुरक्षा तय की जाए। कनाडा में बिगड़ते हुए सुरक्षा हालात के मद्देनजर वहां मौजूद इंडियन स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

इंडियन कम्युनिटी और स्टूडेंट्स हाईकमीशन और कॉन्स्युलेट्स की वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। मंगलवार रात को कनाडा के सबसे बड़े अखबार 'टोरंटो स्टार' ने ट्रूडो का बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि कनाडा की सरकार भारत के साथ तनाव नहीं बढ़ाना चाहती, लेकिन भारत को इन मुद्दों को गंभीरता से लेना होगा। कनाडा के साथ निज्जर की हत्या के बाद बढ़े तनाव के बीच विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम मोदी से मुलाकात की है। (संबंधित खबर पेज नं. 12 पर भी)।

महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पास

454 वोट पक्ष में पड़े विरोध में सिर्फ 2

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। संसद के विशेष सत्र का बुधवार 20 सितंबर को तीसरे दिन लोकसभा में महिला आरक्षण बिल (नारी शक्ति वंदन विधेयक) पास हो गया। पर्ची से हुई वोटिंग में बिल के समर्थन में 454 और विरोध में 2 वोट डले। अब आज (गुरुवार को) यह बिल राज्यसभा में पेश होगा। वहां से पास होने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए जाएगा। राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा। बता दें कि कुल भाजपा सांसदों में 85 ओबीसी से हैं।

कुल भाजपा विधायकों में 27 प्रतिशत ओबीसी से हैं। कुल भाजपा एमएलसी में 40 प्रतिशत एमएलसी हैं। कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि मैं राजनीति में आने से पहले आईएएस था। 1992 बैच का अफसर सेक्रेटरी बनेगा। उस समय किसकी सरकार थी। ये (राहुल गांधी) अपनी ही सरकार को कोस रहे हैं।

दो मुद्दों पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में अवैध प्रवासियों की नागरिकता पर 17 अक्टूबर और लोकसभा-विधानसभा में एससी-एसटी रिजर्वेशन पर 21 नवंबर को सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में जस्टिस एएस बोपन्ना, एमएम सुंदरेश, जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पांच जजों की संविधान बेंच इन मामलों की सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट बुधवार 20 सितंबर को इन दोनों मामलों के अलावा क्रिमिनल केसों में सांसदों को सदन में वोट या भाषण देने की छूट देने से जुड़े कुल तीन मामलों पर सुनवाई करने वाली थी।

असम समझौते से जुड़ा मामला

15 अगस्त 1985 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने असम समझौते पर साइन किए थे। जिसमें 1 जनवरी 1966 से 25 मार्च 1971 तक राज्य में आए अवैध प्रवासियों को वहां का नागरिक माना गया था। इन लोगों को धारा 18 के तहत खुद को देश के नागरिक के रूप में रजिस्टर्ड करना था। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में 17 याचिकाएं दाखिल की गई थीं, जिसमें से साल 2009 में असम पब्लिक वर्क्स की ओर से दायर याचिका भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट में संसद और राज्य की विधानसभाओं में एससी/एसटी के लिए आरक्षण की अवधि 10 साल से बढ़ाने के मामले में याचिकाएं दाखिल की गई थीं।

जिनमें आरक्षण देने वाले 79वें संविधान संशोधन अधिनियम 1999 की वैधता को चुनौती दी गई थी। 2 सितंबर 2003 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी याचिकाएं पांच जजों की संविधान बेंच को ट्रांसफर कर दी थीं। संविधान के अनुच्छेद 330 में संसद और विधानसभा में एससी/एसटी को आरक्षण देने का प्रावधान है। संविधान बेंच विचार करेगी कि क्या 79वें संवैधानिक संशोधन के तहत एससी/एसटी और एंग्लो-इंडियन के लिए आरक्षण की अवधि को 50 साल से बढ़ाकर 60 साल करना समानता के अधिकार का उल्लंघन है? >14

क्या महिलाओं की चिंता सिर्फ महिला ही कर सकती है : अमित शाह

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में स्पेशल सेशन के तीसरे दिन जब महिला आरक्षण बिल पर बहस शुरू हुई तो कई हल्की-फुल्की नोक-झोंक के मोमेंट्स देखने को मिले।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के भाषण पर विपक्षी सांसद हंगामा करने लगे तो अमित शाह ने अधीर रंजन चौधरी से पूछा कि क्या महिलाओं की चिंता सिर्फ महिलाएं ही कर सकती हैं। वहीं, विपक्ष की ओर से जब डीएमके सांसद कनिमोझी बोलने खड़ी हुईं तो बीजेपी सांसदों ने हंगामा कर दिया। विशेष सत्र के तीसरे दिन भाजपा की ओर से निर्मला सीतारमण, स्मृति ईरानी, दीया कुमारी अपनी बात रखेंगी। यह डिबेट शाम 6 बजे तक चलेगी। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाषण दे सकते हैं।

ये मेरे जीवनसाथी राजीव गांधी का सपना था : सोनिया गांधी

महिला आरक्षण विधेयक को सोनिया का समर्थन, जातीय जनगणना की मांग उठाई

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। संसद के विशेष सत्र का तीसरे दिन की कार्यवाही शुरू हुई। लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक यानी नारी शक्ति वंदन विधेयक पर बहस की शुरुआत हुई। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि ये मेरे पति राजीव गांधी का सपना था। इसके साथ ही उन्होंने जाति जनगणना की मांग भी की। सोनिया गांधी ने कहा, 'अध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने की इजाजत दी इसके लिए मैं आपकी आभारी हूं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की तरफ मैं नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के समर्थन में खड़ी हुई हूं।'

उन्होंने कहा कि धुंए से भरी हुई रसोई से लेकर रोशनी से जगमगाती हुए स्टेडियम तक भारत की स्त्री का सफर बहुत लंबा है, लेकिन आखिरकार उसने मंजिल को छू लिया है। उसने जन्म दिया, उसने परिवार चलाया, उसने पुरुषों के बीच तेज दौड़ लगाई और असीम धीरज के साथ अक्सर खुद को हारते हुए, लेकिन आखिरी बाजी में जीतते हुए देखा। उन्होंने कहा कि भारत की स्त्री के हृदय में महासागर जैसा धीरज है, उसने खुद के साथ हुई बेईमानी की शिकायत नहीं की और सिर्फ अपने फायदे के बारे में कभी नहीं सोचा। उसने नदियों की तरह सबकी भलाई के लिए काम किया है और मुश्किल वक्त में हिमालय की तरफ अडिग रही। उन्होंने कहा कि स्त्री के धैर्य का अंदाजा लगाना नामुमकिन है, वह आराम को नहीं पहचानती और थक जाना भी नहीं जानती।

सरकार चलाने वाले 90 में से सिर्फ 3 सेक्रेटरी ओबीसी : राहुल

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। शाह से पहले राहुल गांधी ने कहा कि मैं महिला आरक्षण बिल के समर्थन में हूं, लेकिन ये अधूरा है। जब सांसदों को पुरानी संसद से नई संसद में ले जाया जा रहा था तो राष्ट्रपति को मौजूद होना चाहिए था।

हमारे इंस्टीट्यूशंस में ओबीसी की भागीदारी कितनी है, मैंने इसकी रिसर्च की। सरकार चलाने वाले जो 90 सेक्रेटरी हैं, उनमें से तीन सिर्फ 3 ही ओबीसी से हैं। इसे जल्दी से जल्दी बदलिए। ये ओबीसी समाज का अपमान हैं। राहुल के बोलने के दौरान सांसदों ने हंगामा किया तो वे बोले-डरो नहीं। देश की आजादी की लड़ाई महिलाओं ने भी लड़ी थी। महिला आरक्षण बिल पर बिल्कुल भी देरी नहीं करना चाहिए और इसे आज से ही लागू कर देना चाहिए। ओम बिड़ला ने इस दौरान उन्हें टोकते हुए कहा-मैं राहुल गांधी से अपील करता हूं कि सदन में सभी सदस्य बराबर हैं।

सांसदों को बांटी गई संविधान की कॉपी पर विवाद

कांग्रेस का आरोप-प्रस्तावना से समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष शब्द हटाए

सरकार बोली-ये मूल संविधान में नहीं थे

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। संसद में जारी स्पेशल सेशन के बीच नया विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि नई संसद के उद्घाटन के दौरान सांसदों को संविधान की जो कॉपी बांटी गई है, उसमें छपी प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द हटा दिए गए हैं। इसके जवाब में सरकार ने कहा है कि संविधान की कॉपी में मूल संविधान की प्रस्तावना शामिल की गई है। जिसमें 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' शब्द नहीं थे। दरअसल, संविधान की प्रस्तावना में ये दोनों शब्द 1976 में 42वें संशोधन के जरिए शामिल किए गए थे।

संविधान में बदलाव संशोधन के बिना मुमकिन नहीं

इस विवाद का कानूनी पहलू भी है। सुप्रीम कोर्ट अपने एक फैसले में संविधान की प्रस्तावना को संविधान का हिस्सा मान चुका है। ऐसे में अगर इसमें से कोई भी शब्द हटाना या शामिल करना है तो एक अन्य संविधान संशोधन की जरूरत पड़ेगी।

कांग्रेस ने कहा-बीजेपी की मंशा पर संदेह

कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने आरोप लगाया है कि 'हम जानते हैं ये शब्द 1976 में एक संशोधन के बाद जोड़े गए थे, लेकिन अगर आज कोई हमें संविधान देता है और उसमें ये शब्द नहीं हैं, तो यह चिंता की बात है।' उन्होंने कहा कि बीजेपी की मंशा संदिग्ध है। ये बड़ी चतुराई से किया गया है। यह मेरे लिए चिंता का विषय है। मैंने इस मुद्दे को उठाने की कोशिश की, लेकिन मुझे इस मुद्दे को उठाने का मौका नहीं मिला।

कानून मंत्री बोले-ये शब्द मूल संविधान में नहीं थे

अधीर रंजन के आरोपों पर कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा, 'जब संविधान अस्तित्व में आया, तब समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्द नहीं थे। ये शब्द संविधान के 42वें संशोधन में जोड़े गए।'

क्या कांग्रेस ने आधा सच बताया

हालांकि छानबीन में सामने आया है कि जो कॉपी सांसदों को दी गई है उसमें ओरिजिनल प्रस्तावना और संशोधित प्रस्तावना दोनों शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक पहले पन्ने पर ओरिजिनल प्रस्तावना है जबकि दूसरे पन्ने पर संशोधित प्रस्तावना भी है। अधीर रंजन का दावा पुख्ता नहीं है क्योंकि उन्होंने पूरी बात नहीं बताई। हालांकि पुरानी प्रस्तावना क्यों रखी गई है ये भी स्पष्ट नहीं है। नई संसद में जाते समय सांसदों को संविधान की कॉपी दी गई

18 सितंबर से शुरू हुए संसद के विशेष सत्र में कामकाज 19 सितंबर से शुरू हुआ। उसी दिन सभी सांसदों को पुरानी बिल्डिंग से नई बिल्डिंग ले जाया गया थी। तभी, सांसदों को संविधान की यह कॉपी दी गई थी। लोकसभा की 543 सीटों में से 181 महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। ये रिजर्वेशन 15 साल तक रहेगा। इसके बाद संसद चाहे तो इसकी अवधि बढ़ा सकती है।

1984 सिख दंगा मामले में कांग्रेस नेता सज्जन कुमार बरी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। 1984 सिख दंगों से जुड़े दिल्ली के सुल्तानपुरी में 3 लोगों की हत्या मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बरी कर दिया है। सुल्तानपुरी इलाके में 1984 के सिख दंगों के दौरान 3 लोगों की हत्या हुई थी। सुल्तानपुरी दंगे में सीबीआई की एक अहम गवाह चाम कौर ने आरोप लगाया था कि सज्जन कुमार भीड़ को भड़का रहे थे।

जुलाई 2010 में कड़कड़डूमा कोर्ट ने सज्जन कुमार , ब्रह्मानंद, पेरु, कुशल सिंह और वेद प्रकाश के खिलाफ 3 लोगों की हत्या के मामले में आरोप तय किया था। अब करीब 13 साल बाद कोर्ट ने सज्जन कुमार सहित अन्य आरोपियों को इस मामले में बरी कर दिया है। सिख दंगों से जुड़े जनकपुरी और विकासपुरी में सिखों की हत्या के मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार के खिलाफ आरोप तय किए थे। हालांकि अदालत ने सज्जन कुमार के खिलाफ लगाई गई हत्या की धारा 302 हटा दी थी। >14

मणिपुर में 5 मैतेई युवा गिरफ्तार

इन पर सेना की वर्दी पहनने और हथियार लूटने पर यूएपीए का मामला दर्ज, रिहाई के लिए प्रदर्शन शुरू

इंफाल, 20 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर पुलिस ने शनिवार 16 सितंबर की रात को सेना की वर्दी पहनकर पुलिस शस्त्रागार से हथियार लूटने के आरोप में पांच मैतेई युवाओं को गिरफ्तार किया है। इनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत आरोप लगे हैं। उधर, इंफाल में आरोपियों की रिहाई की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मैतेई महिलाओं के एक समूह मीरा पैबिस और पांच स्थानीय क्लबों ने 19 सितंबर को दो दिन का बंद बुलाया था। जिसके चलते राज्य के लोगों को परेशानी हो रही है।

पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों को पास दो राइफलें,128 राउंड से अधिक गोला-बारूद बरामद हुआ है। इन्होंने मई और जून में पुलिस शस्त्रागार से हथियार लूटे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में से एक की पहचान मोइरंगथेम आनंद सिंह के रूप में हुई है, जो केसीपी के एक गुट में जाने से पहले प्रतिबंधित विद्रोही संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएएल) के कैडर में था। उसे पहले भी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 के तहत कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि वो राज्य में शांति बहाल के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मणिपुर में 3 मई को हिंसा भड़कने के बाद से 175 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

अनंतनाग मुठभेड़ : बिजली का ठेका लेने घर से निकला उजैर बन गया आतंक का ठेकेदार

इलेक्ट्रिकल में किया था डिप्लोमा

जम्मू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग के कोकरनाग में हुई आतंकी मुठभेड़ में मारा गया लश्कर आतंकी उजैर खान एक साल पहले इलेक्ट्रीशियन था। 25 जुलाई 2022 को उजैर घर से यह कहकर निकला कि वह सोनमर्ग में एक निर्माणाधीन इमारत के बिजली के काम का ठेका लेने जा रहा है, लेकिन बिजली के काम का ठेका लेने गया उजैर आतंक का ठेकेदार बन गया।

जानकारी के अनुसार, उजैर ने उस दिन नौगाम स्थित अपने घर से निकलते समय चाचा और दादी को बताया था कि कामकाज के सिलसिले में उसे एक रात वहीं बितानी पड़ सकती है। यह उजैर की आतंकी बनने से पहले परिवार के साथ अंतिम बातचीत थी। इसके बाद जब वह घर नहीं लौटा तो परिवार ने 26 जुलाई 2022 को स्थानीय पुलिस स्टेशन में लापता होने की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने बताया आतंकी बन गया उजैर

जानकारी के अनुसार, पुलिस ने उजैर के परिवार को बताया कि वह आतंकी बन चुका है। कई सोशल मीडिया पोस्ट से पता चलता है कि उजैर उस्मान गाजी उपनाम के तहत द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) में शामिल हो गया है। यह जानकार परिवार हैरान हो गया। उजैर की दादी अपने चार बेटों और उनकी पत्नियों और बच्चों के साथ दो मंजिला घर में रहती हैं, जबकि उसका पिता बशीर अहमद खान उजैर की सौतेली मां फरीदा जान के साथ गांव में ही अलग घर में रहते हैं।

मारे गए दूसरे आतंकी की शिनाख्त नहीं, भारी मात्रा में हथियार बरामद

गडूल के जंगलों में सात दिन से चल रही मुठभेड़ मंगलवार को खत्म हो गई। 10 लाख रुपये के इनामी उजैर का शव बरामद कर लिया है। उसके पास भारी संख्या में हथियार मिले हैं। वहीं, दूसरे आतंकी की अभी शिनाख्त नहीं हुई है। इस मुठभेड़ में कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक, डीएसपी हुमायूं भट व सेना का जवान प्रदीप बलिदान हुए हैं।

हाल के वर्षों में यह कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सबसे ज्यादा दिन चलने वाला ऑपरेशन बताया जा रहा है। एडीजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि उजैर के शव की शिनाख्त उसके परिवार वालों ने की है। मुठभेड़ स्थल के पास एक और शव पड़ा है। आतंकी गडूल के जंगलों में एक प्राकृतिक गुफा में ठिकाना बनाकर छिपे थे। 13 सितंबर को जब सुरक्षाबल ठिकाने की ओर बढ़ रहे थे तभी आतंकियों ने गोलीबारी कर दी। इसमें तीन अफसर व एक जवान बलिदान हो गए थे। इसके बाद सुरक्षाबलों ने दो आतंकी मार गिराए । गडूल में दो से तीन आतंकियों की मौजूदगी की सूचना थी। इसी के साथ ऑपरेशन पूरा हो गया जबकि तलाशी अभियान जारी रहेगा। तीसरे आतंकी का शव भी मिलने की संभावना है। विजय कुमार ने कहा, स्थानीय लोग मुठभेड़ स्थल के करीब न जाएं। अत्याधुनिक उपकरणों का इस्तेमालः सेना और पुलिस ने आतंकियों को खत्म करने के लिए हेरोन, हेक्साकॉप्टर, ड्रोन, क्वाडकॉप्टर, आरपीजी, ग्रेनेड और ड्रोन- फिट बंदूकों सहित नवीनतम गैजेट्स पर जोर दिया था।

इलेक्टिशियन के तौर पर मांग थी

12वीं कक्षा छोड़ने वाले उजैर ने एक स्थानीय पॉलिटेक्निक कॉलेज से इलेक्ट्रिकल वर्क्स में डिप्लोमा हासिल किया था। वह नौगाम और आसपास में सबसे अधिक मांग वाले बिजली मिस्त्रियों में शुमार था।

ए प्लस कैटेगरी का दहशतगर्द बन गया

उजैर अहमद खान एक साल पहले लश्कर में शामिल हुआ था। थोड़े ही समय में उसका ओहदा काफी बड़ा हो गया। पुलिस ने उसे ए प्लस कैटेगरी का आतंकी घोषित कर दिया। उसके सिर पर दस लाख रुपये का इनाम घोषित था।

'सनातन धर्म को खत्म करना होगा'

उदयनिधि स्टालिन के फिर बिगड़े बोल

चेन्नई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के युवा मामले और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने एक बार फिर सनातन धर्म पर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि छुआछूत को खत्म करने के लिए सनातन धर्म को खत्म करना होगा। दरअसल, स्टालिन तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि के बयान पर पलटवार कर रहे थे। राज्यपाल ने एक कार्यक्रम में कहा था कि दुर्भाग्य से हमारे समाज में कुछ भेदभाव हैं। एक बड़े तबके के भाई-बहनों को समानता की नजर से नहीं देखा जा रहा। ऐसा करने के लिए हिंदू धर्म में कहीं नहीं कहा गया है। यह एक सामाजिक बुराई है और निश्चित तौर पर इसका खात्मा होना चाहिए। इस बयान पर पलटवार करते हुए स्टालिन ने कहा कि जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए ही सनातन धर्म को समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि अगर सनातन नष्ट हो जाएगा, तो छुआछूत भी नष्ट हो जाएगी।

वहीं, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने ऑल इंडिया फेडरेशन फॉर सोशल जस्टिस के सम्मेलन के दौरान कहा कि हम सभी सामाजिक न्याय बनाए रखने के लिए लगातार लड़ रहे हैं, लेकिन भाजपा इसमें बहुत सारी बाधाएं पैदा करती है। भाजपा नहीं चाहती कि गरीब, पिछड़े वर्ग के लोगों की हालत सुधरे। उन्होंने कहा कि जब डीएमके ने सरकार बनाई तो हमने सामाजिक न्याय निगरानी समिति का गठन किया जो इस बात की निगरानी करेगी कि सामाजिक न्याय को ठीक से बनाए रखा जा रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि इसी तरह, सभी राज्यों को एक सामाजिक न्याय निगरानी समिति का गठन करना चाहिए।

एनसीपी के दोनों गुट बोले–पार्टी में कोई फूट नहीं

छगन भुजबल का दावा-कुछ बदलाव हुए हैं, अब अजित पवार पार्टी के अध्यक्ष

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नाम और सिंबल को लेकर विवाद के बीच शरद पवार और अजित पवार गुट ने एक बार फिर दावा किया है कि उनकी पार्टी के अंदर कोई फूट नहीं है। शरद गुट के एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने मंगलवार 19 सितंबर को कहा कि चुनाव आयोग की तरफ से हमारे केस को विवाद की तरह देखना गलत है। उन्होंने आयोग पर शरद को समय ना देने का भी आरोप लगाया। महाराष्ट्र कैबिनेट में मंत्री और अजीत गुट के सीनियर नेता छगन भुजबल ने जयंत पाटिल के बयान पर कहा- अच्छी बात है। हम भी कहते हैं कि हमारी पार्टी में कोई फूट नहीं है। छगन भुजबल ने दावा किया कि पार्टी में कुछ बदलाव हुए हैं, जैसे राष्ट्रीय अध्यक्ष का बदलाव। अब अजित पवार पार्टी के अध्यक्ष हैं और हमने चुनाव आयोग को इस

बारे में सूचित कर दिया है।

जयंत पाटिल बोले–पार्टी में शरद का कभी विरोध नहीं हुआ

जयंत पाटिल ने बताया कि शरद पवार ने अपना पक्ष स्पष्ट करने के लिए चुनाव आयोग से समय मांगा था, क्योंकि अजित की तरफ से कुछ ई-मेल भेजे गए थे। चुनाव आयोग ने शरद को समय दिए बिना सोच लिया कि पार्टी में विवाद है। शरद गुट के एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- शरद ने अपने जवाब में चुनाव आयोग को बताया था कि पार्टी में कभी उन्हें विरोध का सामना नहीं करना पड़ा। ना ही पार्टी की ओर से किसी भी सार्वजनिक मंच पर हमारी नीतियों का कोई विरोध हुआ। अजित 2 जुलाई को एनसीपी के आठ विधायकों के साथ भाजपा-शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार में शामिल हो गए थे। इसी दिन शिंदे सरकार में अजित ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली।

शरद से अलगाव के बाद अजित ने दावा किया कि एनसीपी का बहुमत उनके पास है। इसलिए पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह पर उन्हें अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने शरद पवार को एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से हटाने का ऐलान किया था।

चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए बुलाया दूसरी तरफ शरद पवार ने पार्टी छोड़कर जाने वाले 9 मंत्रियों समेत 31 विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि अजित पवार का एनसीपी का अध्यक्ष बनना और पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह घड़ी का इस्तेमाल करना गैर कानूनी है। दोनों गुटों ने पार्टी के नाम और सिंबल पर दावेदारी के पक्ष में चुनाव आयोग को कागजात सौंपे हैं। आयोग ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार और शरद पवार गुटों को 6 अक्टूबर को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए बुलाया है।

गणेश चतुर्थी : पुणे के दगड़ूशेठ गणपति पंडाल में एकत्र हुई 31000 महिलाएं

एकसाथ किया अथर्वशीर्ष' का पाठ

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में गणेश चतुर्थी के मौके पर पुणे में प्रसिद्ध दगड़ूशेथ गणपति पंडाल में 31,000 से अधिक महिलाओं ने 'अथर्वशीर्ष' का पाठ किया। श्रीमंत दगड़ूशेथ हलवाई सार्वजनिक गणपति ट्रस्ट ने बताया कि यह उनके गणेश उत्सव समारोह में अथर्वशीर्ष के वार्षिक पाठ का 36वां वर्ष है।

अथर्वशीर्ष संस्कृत में रचित एक उपनिषद है, जो भगवान ग्रेश को समर्पित है। इस पाठ के दौरान सभी महिलाएं पारंपरिक कपड़े पहनकर दगड़ूशेठ गणपति पंडाल के सामने एकत्र हुईं और 'अथर्वशीर्ष' का जाप किया। इस साल पंडाल की थीम आयोध्या के राम मंदिर पर रखी गई थी। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को गणेश चतुर्थी के पहले दिन प्रसिद्ध पंडाल में विशेष पूजा की।

पंडाल के खिलाफ नोटिस जारी

एक अन्य मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे जिले के गणेश पंडाल के खिलाफ नोटिस जारी किया है। दरअसल, पंडाल की सजावट पिछले साल शिव सेना में हुए विभाजन पर की गई। कल्याण के शिव सेना (यूबीटी) के नियंत्रण वाले विजय तरुण मंडल के एक पदाधिकारी के अनुसार, इस साल पंडाल का थीम 'लोकतंत्र खतरे में है' पर रखा गया था।

पिछले साल पुलिस ने शिवसेना के विभाजन वाले सजावटी सामग्री को जब्त कर मंडल के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हालांकि बॉम्बे हाई कोर्ट में मंडल ने पुलिस के कार्रवाई को चुनौती दी थी, जिसके बाद मामला रफा-दफा हो गया था। मंडल के खिलाफ इस कार्रवाई में जारी नोटिस में कहा गया, यदि गणेश चतुर्थी की सजावट में किसी तरह से दो गुटो के बीच विवाद उत्पन्न करने की कोशिश की जाती है तो उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई की जाएगी। कल्याण शिव सेना (यूबीटी) के प्रमुख विजय साल्वी ने कहा, इस साल हम 60वां गणेश उत्सव मना रहे हैं और इस साल का थीम 'लोकतंत्र खतरे में है' रखा गया है। सेना के नेता ने कहा कि उन्होंने दो हफ्ते पहले ही पुलिस को पंडाल की सजावत की जानकारी दे दी थी।

आयकर विभाग ने तमिलनाडु बिजली उपयोगिता ठेकेदारों के परिसरों पर मारे छापे

चेन्नई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु जेनरेशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी (टैंजेडको) के ठेकेदारों के परिसरों पर आयकर विभाग ने बुधवार छापेमारी की। आयकर विभाग ने टैंगेडको के कई आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के परिसरों पर छापेमारी की।

ताप विद्युत संयंत्रों और बंदरगाहों में परियोजनाएं चलाने वाली एक अग्रणी कंपनी की भी तलाश की जा रही है। आईटी विभाग के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि खातों की किताबों और राज्य पीएसयू, टैंगेडको के साथ कुछ अनुबंधों में गड़बड़ी. की जानकारी मिलने के बाद छापेमारी की जा रही है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

'बिल में ओबीसी-मुस्लिम महिलाओं की बात नहीं, यह बांटने वाला विधेयक' : ओवैसी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को संसद में नारी शक्ति वंदन नाम से महिला आरक्षण बिल पेश कर दिया। 2024 चुनाव से पहले मोदी सरकार का मास्टर स्ट्रोक माने जा रहे इस बिल को लेकर सियासी खींचतान शुरू हो गई है। कांग्रेस ने जहां महिलाओं के लिए लाए गए इस बिल का श्रेय नलेने की कोशिश की। वहीं, बुधवार को लोकसभा में इस पर बहस के दौरान एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन औवैसी ने भी इसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस बिल में ओबीसी और मुस्लिम महिलाओं के लिए प्रावधान नहीं किया गया है। ऐसे में मैं इस बिल के समर्थन में नहीं हूं।

उन्होंने आगे कहा कि ये बिल देश को बांटने वाला है। मोदी सरकार केवल सवर्ण महिलाओं को ही आगे बढ़ाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत में मुस्लिम महिलाओं की आबादी सात फीसद है बावजूद इसके लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व 0.7 प्रतिशत ही है। ओवैसी ने यह भी कहा कि अब तक के चुनावी इतिहास में 690 महिला सांसद चुनी गईं। लेकिन अगर आंकड़ें देखें तो इनमें महज 25 महिलाएं मुस्लिम धर्म से ताल्लुक रखती थी। यह मुस्लिम महिलाओं के साथ दोहरा बर्ताव है। ओवैसी ने लोकसभा में बोलते हुए यह भी कहा कि यह बिल बड़े लोगों को एंट्री देने के लिए लाया गया है।

अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे परिवार की कार को ट्रक ने मारी टक्कर, चार की मौत

अहमदाबाद, 20 सितंबर (एजेंसियां)। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में दसाडा को जैनाबाद से जोड़ने वाले राजकीय राजमार्ग पर बुधवार की सुबह एक कार और एक ट्रक की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मोरबी जिले के चार लोग अहमदाबाद के कुकवाव गांव में एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार पर जा रहे थे।

उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह के आठ बजे की है, जब उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार खेत में जा गिरी। इस घटना में कार में सवार चारों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार मृतकों की उम्र 22 से 35 साल के बीच थी।

जम्मू-कश्मीर के रामबन में बिजली गिरने से 40 भेड़-बकरियों की मौत

जम्मू, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बिजली गिरने से कम से कम 40 भेड़ और बकरियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार देर शाम रामबन जिले के बनिहाल के हिंजल घास के मैदान में बिजली गिरी।

सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस और भेड़ पालन विभाग के अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने कहा, अभी तक बिजली गिरने से 40 भेड़-बकरियों के मरने की पुष्टि हुई है। हालांकि, मवेशियों के मालिक ने कहा है कि इस घटना में उसने लगभग 80 भेड़ और बकरियों को खो दिया है।

केरल से बंगाल लौटे शख्स में निपाह के लक्षण

कोलकाता के अस्पताल में भर्ती, केरल में अब तक 6 मामले मिले

कोलकाता, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के एक शख्स में निपाह वायरस के लक्षण मिले हैं। जिसके बाद उसे कोलकाता के बेलियाघाटा आईडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरीज (उम्र 20 साल) केरल में मजदूरी करता था।

पिछले कुछ दिनों से उसे तेज बुखार, मतली और गले में संक्रमण जैसी परेशानियों हो रही थीं। शुरुआत में मरीज को केरल के एर्नाकुलम के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के बाद थोड़ा आराम मिलने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इसके बाद वह बंगाल लौट आया, लेकिन कुछ दिनों बाद वह फिर से बीमार पड़ गया। तब उसे नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। फिर मरीज को बेलियाघाटा आईडी अस्पताल ले जाया गया। स्वास्थ्य विभाग के एक सीनियर अधिकारी ने 20 सितंबर को ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभी मरीज का सैंपल निपाह वायरस की जांच के लिए नहीं भेजा गया है। पिछले कुछ दिनों में केरल में निपाह वायरल के 6 मामले मिले हैं। जिनमें से दो मरीजों की मौत हो चुकी है। इसीलिए मरीज को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

रोचक खबरें

ये है भविष्य का एम्बुलेंस! स्पेसशिप की तरह हवा में लेने पहुंचेगी मरीज को

8 मिनट में अस्पताल पहुंचाने का वादा

आज के समय में किसी की तबियत कब बिगड़ जाए, कहा नहीं जा सकता. लोग कई तरह की हेल्थ पॉलिसीज लेकर रखते हैं. लेकिन अचानक तबियत बिगड़ने पर सबसे बड़ी समस्या होती है समय पर अस्पताल पहुंचने में. भारत में ज्यादातर लोगों की मौत समय पर अस्पताल ना जा पाने के कारण हो जाती है. एक तो एम्बुलेंस की लेट-लतीफी, ऊपर से सड़क पर ट्रैफिक. लेकिन अगर इस खबर को सच माने, तो जल्द ही इस समस्या से छुटकारा मिल जाएगा. हम बात कर रहे हैं हवा में उड़कर मरीज को लेने पहुंचने वाले एम्बुलेंस की.

ये खबर आपको किसी साइफाई मूवी की कहानी जैसी लगेगी लेकिन है एक दम सच. जल्द ही एक ऐसा एम्बुलेंस बनने वाला है, जो हवा में उड़कर मरीजों को लेने पहुंचेगा. इसे भविष्य का एम्बुलेंस बताया जा रहा है. इसकी रफ़्तार 288 mph होगी. साथ ही ये मरीज को सिर्फ आठ मिनट के अंदर ही अस्पताल पहुंचा देगा. हालांकि, अभी सिर्फ ये आइडिया एक कांसेप्ट के तौर पर शेयर किया गया है लेकिन जल्द ही इसे धरातल पर लाने का इरादा है. इस भविष्य के एम्बुलेंस की मदद से मरीजों को रिमोट एरिया से लाया जा सकेगा. अभी इसका एक मॉडल बनाया जा रहा है. इसमें क्रू मेंबर के तौर पर दो लोग होंगे. एक पायलट और दूसरा फर्स्ट रिस्पॉन्डर. इस प्रोजेक्ट को पेश किया है कैलिफोर्निया की Jump Aero कंपनी ने. अमेरिका के एयर फ़ोर्स ने इस कंपनी ला आइडिया सुनने के आबाद ही इसके साथ 30 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिया है. साथ ही जंप ऐरो को डेनमार्क की एक एम्बुलेंस सर्विस कंपनी से भी ऑर्डर मिल चुका है.

बिल्ली को मिला बेस्ट मां का अवार्ड! बच्चे पर हमला करने आया था कुत्ता, यूं कर दिया अटैक

दुनिया की हर मां के लिए उसके बच्चे से इम्पोर्टेन्ट कुछ नहीं है. मां हर मुसीबत से अपने बच्चे को बचाने के लिए किसी से भिड़ जाती है. इसके बाद वो ये नहीं देखती कि इस भिड़ंत का नतीजा क्या होगा? चाहे इंसान हो या जानवर, अपने बच्चे से ज्यादा अहमियत एक मां किसी और चीज को नहीं देती है. इन दिनों सोशल मीडिया पर एक बिल्ली को लोग बेस्ट मदर का टाइटल देते नजर आए. इस बिल्ली को जब अहसास हुआ कि उसके बच्चे पर खतरा है तो वो बिना किसी की परवाह किये उस खतरे से टकरा गई.

जब भी एक मां को अहसास होता है कि कोई चीज उसके बच्चे के लिए खतरा बन सकता है, वो तुरंत अलर्ट हो जाती है. अपने बच्चे को उस खतरे से बचाने के लिए उसे जिस भी हद तक जाना पड़ता है, वो चली जाती है. सोशल मीडिया पर एक ऐसी ही मदर बिल्ली का वीडियो शेयर किया गया. इस वीडियो में जब बिल्ली को अहसास हुआ कि उसके बच्चे पर कुत्ते की नजर है और वो कभी भी अटैक कर सकता है तो तुरंत बिल्ली झपट पड़ी. वीडियो में बिल्ली के साथ दो बच्चे नजर आए. एक बच्चा मां के पास ही था. जबकि दूसरा थोड़ी दूर पर खड़ा था. दूसरे बच्चे के ऊपर एक डॉग घात लगाए बैठा था. वो बेहद धीरे-धीरे बिल्ली के बच्चे के नजदीक आ रहा था. अपने बच्चे के ऊपर डॉग का अटैक होने की संभावना बिल्ली भांप गई. इसके बाद क्या था? वो झट से अपनी पूरी फुर्ती से कुत्ते के ऊपर झपट गई. उसने अपने पंजे से कुत्ते को मार कर दूर भगा दिया. इस वीडियो को सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया. वीडियो के कैप्शन में इस बिल्ली को मॉम ऑफ द ईयर का टैग दिया गया.

महिला के प्यार में ऐसा पगलाया डॉलफिन, नहीं सह पाया दूरी

पानी में ही डूबकर कर ली आत्महत्या!

इंसान को इंसान से प्यार होते आपने कई बार देखा होगा. अब के जमाने में ऐसा प्यार भी होता है, जिसमें मर्द को मर्द से और महिला को महिला से प्यार हो जाता है. इसे भी कई लोग एक्सेप्ट कर चुके हैं. लेकिन आज हम जिस लव स्टोरी के बारे में बताने जा रहे हैं, वो बेहद यूनिक है. इस लवस्टोरी में एक महिला और डॉलफिन को एक-दूसरे से प्यार हो गया था. लेकिन इस प्यार का अंजाम एक की मौत में बदल गया. आखिर कैसी थी ये लवस्टोरी? ये तो सब जानते हैं कि जब दो लोग साथ रहते हैं तो एक-दूसरे के करीब आ जाते हैं. इसके बाद दोनों में प्यार हो जाता है. लेकिन इंसानों की ये थ्योरी जानवरों के साथ भी अप्लाई होती है. 1960 में मार्गरेट हॉवे लावट नाम की महिला और पीटर नाम के डॉलफिन की लव स्टोरी ने लोगों का ध्यान खींचा था. दोनों नासा के एक प्रोग्राम के तहत साथ रह रहे थे. इस दौरान दोनों एक-दूसरे के प्रति आकर्षित हो गए. दोनों एक एक्सपेरिमेंट के कारण अंडरवाटर हाउस में रह रहे थे.

10 हफ्ते का था साथ

नासा के इस एक्सपेरिमेंट की वजह से मार्गरेट पीटर के साथ दस हफ्ते तक अंडरवाटर हाउस में रही थी. इस एक्सपेरिमेंट में इंसानों की भाषा डॉलफिन को सिखाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी. इसके जरिये ये भी पता किया जा रहा था कि क्या आगे इंसान एलियंस से बातचीत कर पाएंगे? उस समय 23 साल की रही मार्गरेट कैरिबियाई आइलैंड पर पीटर के साथ रह रही थी. दोनों दस हफ्ते तक एक साथ रहे थे. इस दौरान दोनों एक-दूसरे के काफी करीब आ गए. मार्गरेट ,पीटर उसकी शारीरिक रचना में काफी इंट्रेस्ट था.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 21 सितंबर, 2023

सुविचार: एक पुस्तकालय महान व्यायामशाला है जहाँ हम अपने मन को मजबूत बनाने के लिए जाते हैं।

विधायी निकायों में महिलाओं के लिए अविलंब आरक्षण लागू करें : कविता

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी के कविता ने बुधवार को सभी विधायी निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण तत्काल लागू करने की मांग की। इसके कार्यान्वयन में किसी भी देरी के खिलाफ चेतावनी देते हुए उन्होंने कहा कि इसे तत्काल प्रभाव में लाने में विफलता इसे महज एक राजनीतिक कदम बनकर रह जाएगी।

उन्होंने याद दिलाया कि तेलंगाना के गठन के 12वें दिन ही मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार ने महिला आरक्षण के समर्थन में विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया था। लेकिन केंद्र राज्य के प्रस्ताव के लगभग 10 साल बाद विधेयक लाया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विधेयक को महिला आरक्षण के कार्यान्वयन में सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। केंद्र सरकार को एससी और एसटी महिलाओं को आरक्षण देने के प्रस्ताव की तर्ज पर ओबीसी महिलाओं को भी आरक्षण देने के बारे में सोचना चाहिए। सभी समुदायों की महिलाओं को विधेयक का लाभ मिलना चाहिए। महिला आरक्षण विधेयक के लिए कड़ी मेहनत करने वाली कविता के लिए बड़े पैमाने पर बधाई संदेश आए। इस मौके पर मंत्री सत्यवती राठौड़ और हैदराबाद की मेयर गडवाल विजयलक्ष्मी समेत कई अन्य नेताओं ने उन्हें बधाई दी. शहर के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने भी कविता से मुलाकात की और उन्हें धन्यवाद दिया।

करीमनगर में 100 फीसदी वोटिंग चाहते हैं : कलेक्टर

करीमनगर, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कलेक्टर डॉ. बी. गोपी ने लोगों से लोकतंत्र की रक्षा के लिए चुनाव में अपने मत का प्रयोग करने का आह्वान किया। मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत बुधवार को यहां 'वी विल वोट फॉर श्योर' नारे के साथ साइकिल रैली निकाली गई। अंबेडकर स्टेडियम से केबल ब्रिज तक निकाली गई रैली में कलेक्टर, पुलिस आयुक्त एल सुब्बारायडू और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, गोपी ने कहा कि साइकिल रैली लोगों को मतदान के महत्व के बारे में शिक्षित करने और जिले में अगले विधानसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान हासिल करने के लिए थी। उन्होंने लोगों से संविधान में प्रदत्त मतदान के अधिकार के बारे में दूसरों को शिक्षित कर शत-प्रतिशत मतदान करने में प्रशासन का सहयोग करने को कहा। अतिरिक्त कलेक्टर प्रफुल्ल देशाई, स्वीप नोडल अधिकारी बी रविंदर, करीमनगर आरडीओ के महेश, जिला विपणन अधिकारी पद्मावती, डीवाईएसओ राजावीरु डीआरडीओ श्रीलता और अन्य ने रैली में भाग लिया।

मंत्री सबिता ने कक्षा दो के दो छात्रों को कार में बिठाया

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षा मंत्री पी. सबिता इंद्रा रेड्डी ने एक मर्मस्पर्शी कदम उठाते हुए दूसरी कक्षा के दो छात्रों को कार में बिठाया, जो अपने घर वापस जा रहे थे। बुधवार को यहां महेश्वरम मंडल के गोलुरु से पेड्डा गोलकोंडा ओआरआर की ओर अपने काफिले में यात्रा करते समय, सबिता इंद्रा रेड्डी ने दो छात्राओं को अपने स्कूल के बाद घर वापस जाते हुए देखा।

मंत्री ने अपना काफिला रोककर बच्चों से बात की और उन्हें घर तक लिफ्ट देने की पेशकश की।

उन्होंने बच्चियों को चॉकलेट देकर उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा और अच्छे से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया. उन्हें घर छोड़ने पर उन्होंने लड़कियों के माता-पिता से भी बात की। पिछले दिनों मंत्री ने ममिदिपल्ली में चिलचिलाती गर्मी में कुछ छात्रों को नंगे पैर चलते देखा, तो उन्होंने तुरंत चॉकलेट और पानी की बोतलें देने के अलावा उनके लिए जूते की व्यवस्था की।

जीएचएमसी ऑयुक्त ने कई कॉलोनियों का दौरा किया

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ ने बुधवार को कुक्कपल्ली जोन मुसापेट सर्कल में कई कॉलोनियों का दौरा किया। इस अवसर पर डेन दयाल कॉलोनी में नाला, सफदर कॉलोनी नाला, अमृता टांडा, मुसापेट सर्कल में फतेह नगर नाला का निरीक्षण किया गया। जोनल कमिश्नर को चूना तालाब नहर में अवैध निर्माण हटाने का आदेश दिया गया। नाला के कारण लोगों को परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाने का आदेश दिया गया। जहां भी आवश्यक हो, रिटेनिंग दीवारों का निर्माण किया जाना चाहिए और संपत्ति और जीवन के नुकसान को रोकने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। जेएनएनयूआरएम कॉलोनी में बनाई गई 2बीएचके डिग्निटी कॉलोनियों का निरीक्षण किया। कमिश्नर ने मंडलायुक्त से पूछा कि क्या लाभार्थियों को आवास वितरित किये गये। उन्होंने कहा कि सुन्नम तालाब से मैसम्मा तालाब तक रिटेनिंग वॉल को चौड़ा करने का कार्य किया जाए।

आकाश तिवारी अभा कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा, आंप्र व तेलंगाना के युवा अध्यक्ष नियुक्त

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा (रजि.) तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश संभाग के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष के रूप में कर्मठ गौ सेवक अभियंता पं. आकाश तिवारी की नियुक्ति हुई। आकाश तिवारी ने समाज सेवा में अग्रसर पीएम नरेंद्र दामोदरदास मोदी के आह्वान पर स्वच्छ भारत अभियान एवं करोना काल में अपनी निस्वार्थ सेवाएं प्रदान की है। यह घोषणा महासभा के केंद्रीय अध्यक्ष पं. शिव सहाय मिश्र (कानपुर), राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. अजय शुक्ला (मुंबई) एवं राष्ट्रीय महामंत्री पं. महेश मिश्रा (कानपुर) ने की है। नियुक्ति उपरांत संगठन के शीर्ष गण ने आकाश तिवारी को बधाई दी है। नियुक्ति उपरांत गौ भक्त अभियंता पं. आकाश तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि सनातन धर्म राष्ट्र उन्नति के लिए महत्वपूर्ण था, है और रहेगा। और भारत राष्ट्र की युवा शक्ति को इस क्षण आगे आना ही होगा।

एससीसीएल कर्मचारियों को वेज बोर्ड का बकाया भुगतान करने की व्यवस्था की गई

कोथागुडेम, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एससीसीएल कर्मचारियों को 11वें वेतन बोर्ड के तहत लागू बढ़े हुए वेतन के 23 महीने के बकाया का भुगतान करने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। एससीसीएल के सभी कर्मचारियों को 1 जुलाई, 2021 से 31 मई, 2023 की अवधि के लिए बकाया का भुगतान 21 सितंबर को किया जाएगा। बकाया कर्मचारियों के संबंध में सीएमपीएफ-12 प्रतिशत, पेंशन 7 प्रतिशत, आय जैसे वैधानिक कटौती के अधीन है। कर (कर्मचारियों के व्यक्तिगत आयकर ब्रैकेट के आधार पर 5 से 30 प्रतिशत) और सीपीआरएमएस सदस्यता सदस्यता (बकाया वाले लोगों के लिए)।

पूर्व में एक सर्कुलर जारी किया जा चुका है कि यदि कोई अन्य व्यक्तिगत वसूली हो तो उन सभी को छोड़कर वेज बोर्ड का बकाया भुगतान किया जाएगा। कर्मचारियों से यह ध्यान देने का अनुरोध किया गया था कि आयकर की गणना उस राशि पर की जाती है जिसमें कर्मचारियों के वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बकाया के माध्यम से अर्जित आय शामिल है।

निदेशक (कार्मिक एवं वित्त) एन बलराम ने कर्मचारियों को विभिन्न राष्ट्रीय सरकारी बचत योजनाओं में एनसीडब्ल्यूए-11 वेतन बोर्ड का बकाया जमा करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों और ट्रेड यूनियन नेताओं को उत्पादन लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए।

वाहन चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य अंदर

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्यारह मामलों में कथित रूप से शामिल वाहन चोर गिरोह के दो सदस्यों को मैलारदेवपल्ली पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 11 बाइकें बरामद कीं। गिरफ्तार आरोपियों में किंग कॉलोनी, शास्त्रीपुरम के मोहम्मद अकील खान उर्फ आमेर (24) और तीगलकुंटा, फलकनुमा के मोहम्मद मुजम्मिल उर्फ मुज्जू (19) शामिल है। तीन अन्य आरोपी शास्त्रीपुरम के रिजवान कॉलोनी के मीर सोहैब अली (20), किंग्स कॉलोनी के सोहेल और जहांनुमा के मोइज फरार हैं।

दुकान में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्पेशल जोनल क्राइम टीम, साउथ जोन, सीसीएस, हैदराबाद ने राजन दास उर्फ ब्लूटूथ को चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम को उसके पास से चोरी के 6 मोबाइल, पॉवर बैंक, स्मार्ट वॉच बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी टच मोबाइल शॉप, यादगिरी थिएटर के पास, आईएस सदन, हैदराबाद में एग्जॉस्ट होल को तोड़कर घुसा और सेल फोन व अन्य सामान की चोरी की। आरोपी व्यक्ति को बरामद संपत्ति के साथ आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए आईएस सदन पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया। इस मामले में दो रिसीवर राजू उर्फ राजू गिद्दा, हनुमंथु उर्फ जुगाडु फरार है।

दो अंतर्राष्ट्रीय ड्रग आपूर्तिकर्ता और स्थानीय तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसएनएबी के अधिकारियों ने पहाड़ीशरीफ पुलिस राचकोंडा कमिश्नरेट के साथ मिलकर पहाड़ीशरीफ पीएस की सीमा में चरस और गांजा के साथ तीन लोगों को पकड़ा और सभी चरस और गांजा जब्त कर लिया। उनके पास से 7 लाख रुपये की संपत्ति बरामद हुई है। आरोपियों की पहचान घनसावंगी, जालना, महाराष्ट्र के हैदर हैदर एकबाल सिद्दी मकवा, मुस्ताक शाह उर्फ मुस्ताक और पहाड़ीशरीफ के सैयद जावेद शामिल हैं। पुलिस ने 1030 ग्राम चरस, दो किलोग्राम गांजा और तीन सेल फोन जब्त किए। बीते मंगलवार को विश्वसनीय सूचना पर आरोपी अपने परिचित तस्कर सैयद जावेद को चरस और गांजा की आपूर्ति करने के लिए पहाड़ीशरीफ आए, तो पहाड़ीशरीफ पीएस कर्मचारियों के साथ टीएस एनएबी के अधिकारियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनके कब्जे से 1030 ग्राम चरस, दो किलो गांजा जब्त किया। पुलिस ने कहा कि हाल के दिनों में, कई युवा, छात्र ड्रग्स व गांजा के आदी हो रहे हैं और अपराध कर रहे हैं और अन्य असामाजिक गतिविधियों में शामिल हो रहे हैं। हैदराबाद सिटी पुलिस ने युवाओं व छात्रों से अनुरोध किया है कि वे ड्रग्स व गांजा का शिकार न हों और माता-पिता से अनुरोध करें कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर नजर रखें और इस पर अंकुश लगाने के लिए बेझिझक पुलिस से संपर्क करें या फोन नंबर 8712671111 पर पुलिस को जानकारी दें। आरोपियों की गिरफ्तारियां गुम्मी चक्रवर्ती, एसपी, टीएसएनएबी की देखरेख में श्रीधर, डीएसपी, टीएसएनएबी, पी. रमेश रेड्डी, इंस्पेक्टर, टीएसएनएबी और पहाड़ीशरीफ पुलिस की टीम ने की।

महबूबब कॉलेज ग्राउण्ड में श्री सेवारामजी महाराज के सान्निध्य में श्री बाबा रामदेवजी महाराज का जन्मोत्सव एव 63वां विशाल जागरण संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, श्री प्रभुदासजी महाराज, श्री राहुलदासजी महारा तथा अध्यक्ष गज्जू भाई कोलरिया, उपाध्यक्ष जवाहरमल जैन, शरद सिंह ठाकुर, मंत्री घिरेनकुमार जैन, प्रधांत गोलेच्छा, उप मंत्री निलेश जैन, संजय कटारिया, कोषाध्यक्ष, अजय वर्मा, कमल जैन, सहयोग मंत्री विक्रम लोहार प्रभु सिंह राठोड़ आदि सदस्यगण उपस्थित थे। इस अवसर पर भजन गायकों ने भजन की गंगा बहाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

केबीआर पार्क में जारी गणेशजी की पूजा के दूसरे दिन पूजा में विशेष यजमान में सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बल्देवा, राज रेड्डी, उमेश, माया, विश्वनाथ यादव, नरेंद्र बल्देवा, पुरुषोत्तम, अत्तासी कल्याणी, के. बलराज, ए. विजय कुमार, मुरारी मोदी, विजय कुमार अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, नारायण काकानी, रोहित अग्रवाल, ओम प्रकाश असावा, राकेश जैन आदि ने भाग लिया।

'इनको मारो जूते 4' से 'फारसी में हिंदू का मतलब चोर' तक

ठाकुर-बाभन-बनिया से होकर सुई अब सनातन पर अटकी, धर्म पर बयानबाजी नेताओं की 40 साल पुरानी हैबिट

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। देश की राजनीति में बीते 20 दिनों से 'सनातन' और 'हिंदू' शब्द गूंज रहे हैं। यूपी से लेकर तमिलनाडु तक नेता रैलियों में धर्म से जुड़े बयान देते नहीं थक रहे हैं। बीते 40 दिनों में 'हिंदू' शब्द को लेकर सबसे ज्यादा बयानबाजी करने वाले नेताओं में शीर्ष पर सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का नाम रहा।

18 सितंबर को मौर्य हरदोई में संविधान और आरक्षण संरक्षण सेना के कार्यक्रम में पहुंचे थे। लोगों की खचाखच भीड़ के बीच मौर्य बोलना शुरू करते हैं। भाषण के शुरुआती हिस्से में वह संविधान,आरक्षण, रोजगार, अडाणी, अंबानी के बारे में बोलते हैं। फिर, अचानक से उनकी सुई एक बार फिर 'हिंदू' शब्द पर आकर अटक जाती है।

स्वामी बोलते हैं- रहिंदू फारसी शब्द है। फारसी में इसका मतलब चोर, नीच, अधम है। हम इसे धर्म कैसे मान सकते हैं? हम जिसको हिंदू धर्म मानते हैं, वह हिंदू धर्म है ही नहीं। अगर हिंदू धर्म होता, तो सबको बराबर का दर्जा दिया जाता। हिंदू राष्ट्र की मांग पूरी तरह संविधान विरोधी है। ऐसी मांग करने वाले देशद्रोही हैं।

बीते 1 महीने में 'हिंदू धर्म' को लेकर स्वामी का यह पांचवां विवादित बयान था। वैसे...यूपी की पॉलिटिक्स में धर्म और देवी-देवताओं से जुड़ी बयानबाजी का ये ट्रेंड नया नहीं है। 1984 के चुनावों से लेकर 2023 तक राजनीतिक दल और नेता धर्म को लेकर अपने बयानों के लिए हमेशा सुर्खियां बटोरते रहे हैं। चलिए 'धर्म' को टारगेट कर यूपी में होने वाली पॉलिटिक्स की हिस्ट्री को समझते हैं...

संविधान और आरक्षण संरक्षण सेना के कार्यक्रम में स्वामी।

बयान के पीछे की कहानीः कांशीराम 10 साल से दबे-कुचले लोगों के लिए आंदोलन कर रहे थे। हासिल कुछ नहीं था। साल 1984 में उन्होंने ठाना कि लड़ाई अब राजनीति से होगी। 14 अप्रैल, 1984 को उन्होंने बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा बनाई। कांशीराम कई बार तल्ख और तीखे नारों के जरिए अपने कार्यकर्ताओं को एकजुट करते। दलितों को लामबंद करने के लिए उनके कई बयानों पर विवाद भी हुआ। उनके बयान- 'तिलक, तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार' से तो सियासी गलियारे में सनसनी फैल गई थी।

कांशीराम का दूसरा नारा 'ठाकुर, बाभन, बनिया चोर, बाकी सब हैं डीएस-फोर' ऐसा पॉपुलर हुआ कि कांशीराम एक के बाद एक नारे देने लगे। उन्होंने 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी', 'वोट हमारा, राज तुम्हारा, नहीं चलेगा, नहीं चलेगा' जैसे नारे दिए।

रिजल्टः जिस बसपा ने 1991 में सिर्फ 12 सीटें जीती थीं, वह 1993 में 67 सीटों पर पहुंच गई। वैसे, बाद में ये नारा बसपा के गले की हड्डी बन गया था। उसकी कहानी आगे आएगी।

बयान के पीछे की कहानीः साल 1986, राजीव गांधी की सरकार थी। उन्होंने पहल की और 37 साल से अटके अयोध्या की किताब के पन्ने खुल गए। साल 1989, यूपी में चुनाव भी होने वाले थे। मुद्दा बस राम मंदिर का ही था। कारसेवकों ने बाबरी मस्जिद तोड़ने के लिए इकट्ठा होने का ऐलान कर दिया।

तब मुलायम सिंह की सरकार थी। मुलायम ने कहा, 'मेरे रहते बाबरी मस्जिद पर कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता।' साल 1990, कारसेवक मस्जिद की ओर बढ़े। पुलिस को उन्हें रोकने के लिए फायरिंग करनी पड़ी। हर तरफ गोलियां चलनी शुरू हुईं। 5 कारसेवक नहीं रहे। ठीक इसी समय भाजपा ने कल्याण सिंह को चुनाव में आगे किया। कल्याण ने राम मंदिर मुद्दे को हवा दी और यूपी भर में रैलियां कर 'रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे' का नारा लगाया।

बयान के पीछे की कहानीः साल 1992, बाबरी मस्जिद का ढांचा तोड़ दिया गया था। कल्याण सिंह मुख्यमंत्री थे। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी ली और सीएम का पद छोड़ दिया। यूपी में राष्ट्रपति शासन लगा। साल 1993 में फिर चुनाव होने वाले थे। एक बार फिर से राम मंदिर यूपी की राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बन गया। तब भाजपा ने इस मुद्दे को अपनी मुट्ठी में कैद रखा था। लग रहा रहा था, इस बार भाजपा की एकतरफा जीत होगी। तभी मायावती का एक इंटरव्यू हुआ। उसमें उन्होंने कहा कि अगर मुलायम सिंह उनके साथ मिल जाएं, तो यूपी में भाजपा और कांग्रेस सहित सभी पार्टियों का सूपड़ा साफ हो जाएगा। माया के इस बयान को मुलायम सिंह यादव ने सीरियसली ले लिया। सपा-बसपा कार्यकर्ताओं ने 'मिले मुलायम कांशीराम, हवा में उड़ गए जय श्रीराम' का नारा लगा दिया।

रिजल्टः सपा को 109 सीटें मिलीं। बसपा को 67 सीटें मिली थीं। भाजपा की सीटें 221 से घटकर 177 ही रह गईं। बसपा और कुछ अन्य दलों के साथ मिलकर मुलायम ने सरकार बना ली। हालांकि, 1995 में गेस्ट हाउस कांड हुआ। सपा विधायकों ने गेस्ट हाउस में मायावती पर हमला कर दिया था। इस कांड का असर राजनीति पर तो पड़ा ही, आने वाले चुनावी नारों पर भी पड़ा।

बयान के पीछे की कहानीः साल 2007, विधानसभा चुनाव होने वाले थे। मायावती 1995 में हुए गेस्ट हाउस कांड का करारा जवाब देने के मोड में थी। लेकिन चुनाव प्रचार के बीच 'तिलक तराजू और तलवार, इनको मारो जूते चार' बयान उनके गले की हड्डी बना हुआ था। माया जानती थी कि कांशीराम का यह बयान बसपा को हिंदू वोटरों से दूर कर देगा।

तभी बिना समय जाया किए मायावती ने पूरा नारा ही बदल डाला। उन्होंने 'तिलक तराजू और तलवार' वाले नारे को बदलकर नारा दिया- 'हाथी नहीं गणेश है, ब्रह्मा-विष्णु-महेश है'।

मुख्यमंत्री गड्ढे गंदगी देखकर नाराज

सुपरवाइजर सस्पेंड, जोनल अधिकारी हटे; देर रात सड़क की मरम्मत हुई, देवा रोड पर आरएसएस के कार्यक्रम में जा रहे थे योगी

लखनऊ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यक्रम में मंगलवार को शामिल होने देवा रोड गए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को मटियारी चौराहे के पास जगह-जगह गड्ढे मिले तो सड़क किनारे जलभराव भी था। पूर्व जानकारी के बाद भी सफाई नहीं हुई थी और आसपास कूड़े के ढेर मिले। यह मामला उच्च स्तर पर गंभीरता से लिए जाने के बाद अधिकारी हरकत में आ गए।

नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह के अलावा लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) के अधिशासी अभियंता मनीष वर्मा भी मौके पर पहुंच गए। नगर आयुक्त ने लापरवाही करने पर नगर निगम जोन सात में तैनात अवर अभियंता अरुण मेहता और सफाई निरीक्षक देवेंद्र वर्मा खिलाफ विभागीय कार्यवाही की संस्तुति की है तो सुपरवाइजर अवधेश को निलंबित कर दिया, जबकि देर रात जोनल अधिकारी मनोज यादव को हटाकर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि अभी कुछ अधिकारियों पर बुधवार को कार्रवाई होगी।

जानकारी है कि इस मामले में नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को भी फटकार लगी है। नगर आयुक्त ने बताया कि वीआईपी मूवमेंट की जानकारी पूर्व में दी जा चुकी थी। लेकिन अवर अभियंता, सफाई निरीक्षक और सुपरवाइजर ने लापरवाही की। जिसके लिए अवर अभियंता व सफाई निरीक्षक के विभागीय कार्यवाही की संस्तुति और सुपरवाइजर को निलंबित कर दिया गया है।

सड़कों पर गड्ढा होने पर लोक निर्माण विभाग ने सफाई दी है और कहा कि सड़क लोक निर्माण विभाग की है। लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता मध्य जोन जीएम वर्मा का कहना है कि जिस सड़क से मुख्यमंत्री का काफिला निकला था, वह एनएचएआई की है।

नगर आयुक्त ने बताया कि वीआईपी मूवमेंट की जानकारी पहले दी जा चुकी थी। लेकिन अवर अभियंता, सफाई निरीक्षक और सुपरवाइजर ने लापरवाही की। जिसके लिए अवर अभियंता व सफाई निरीक्षक के विभागीय कार्यवाही की संस्तुति और सुपरवाइजर को निलंबित कर दिया गया है।

देवा रोड पर कूड़ा मिलने पर उच्च स्तरीय नाराजगी के बाद जोनल अधिकारी सात मनोज यादव खुद की कूड़ा उठाने लगे तो हर अधिकारी जलभराव को दूर करने में जुट गया। चंदन अस्पताल के सामने नाला चोक होने से लंबे समय तक पानी भरा रहता है। इसी तरह नगर निगम ने डूडा शहरी आजीविका मिशन को सफाई का काम दे रखा है, जिस पर कई बार सवाल उठ चुके हैं।

देवा रोड पर मिशन के पास 15 कर्मचारी हैं, लेकिन मिशन की तरफ से कोई कर्मचारी नहीं लगाया जाता है। सफाई निरीक्षक ने शहरी आजीविका मिशन के संचालक के खिलाफ रिपोर्ट भी थी और जुर्माना भी लगाया था, लेकिन अधिकारियों की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की। उधर, मुख्यमंत्री समेत कई विशिष्ट अतिथियों को कार्यक्रम में जाना था, लेकिन नगर निगम ने तैयारियां नहीं की थीं।

रामा यूनिवर्सिटी के ओपीडी में लगी आग

लपटें और धुआं देख मरीज को लेकर सड़क पर भागे, फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां पहुंचीं

कानपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर के रामा मेडिकल कॉलेज मंधना में बुधवार दोपहर को शॉर्ट सर्किट से ओपीडी में आग लग गई। ओपीडी से लेकर वार्ड में धुआं भर गया। आग की लपटें और धुआं देखकर मरीज और तीमारदार अस्पताल से बाहर भागकर खुद को सुरक्षित किया। सूचना पर फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू किया।

रामा मेडिकल कॉलेज में बुधवार दोपहर शॉर्ट सर्किट के बाद अचानक से ओपीडी में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें फैलने लगी और अस्पताल में धुएं का गुबार भर गया। आग और धुआं देख तीमारदार अपने-अपने मरीजों को स्ट्रेचर व पैदल लेकर बाहर की ओर भागे। पल भर में अस्पताल में मौजूद सैकड़ों मरीज और तीमारदार बाहर आ गया। अस्पताल प्रबंधन और स्टूडेंट भी बिल्डिंग छोड़कर बाहर निकल आए।

सूचना पर फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया। वहां मौजूद मरीज, तीमारदारों की भीड़ को अनाउंसमेंट करके बताया गया कि किसी भी तरह का खतरा नहीं है। आग पर काबू पा लिया गया है। शॉर्ट सर्किट से फॉल सीलिंग में आग लगी थी। इससे पूरी बिल्डिंग में धुआं भर गया था। पुलिस कमिश्नर डॉ. आरके स्वर्णकार ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। किसी भी तरह की जन हानि नहीं हुई है। बिठूर थाने की पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर है।

आजमगढ़ में बाप-बेटे का मर्डर

बदमाशों ने दौड़ा कर सिर और सीने में मारी गोली; ग्राहक बुलाने को लेकर हुआ था विवाद

आजमगढ़, 20 सितंबर (एजेंसियां)। आजमगढ़ में बुधवार सुबह बाइक सवार 3 बदमाशों ने बाप-बेटे की हत्या का दी। सुबह करीब 8 बजे बाप-बेटे दुकान खोलकर सफाई कर रहे थे। इसी बीच बाइक से पहुंचे बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दी। बदमाशों की गोलियों से बचने के लिए बाप-बेटे एक निर्माणाधीन मकान की तरफ भागे। इसके बाद हमलावरों ने दौड़ाकर बाप-बेटे को सिर और सीने में गोली मार दी। हमले में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना महराजगंज थाना क्षेत्र के सरदहां बाजार की है।सूचना पर 4 थाने की फोर्स के साथ एसपी अनुराग आर्य, आईजी अखिलेश कुमार मौके पर पहुंचे। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटना के पीछे पुराना विवाद बता रही है। महाराजगंज थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव के रहने वाले रसीद अहमद (54) सरदहां बाजार में अपने मकान में रेडीमेड कपड़े का व्यापार करते थे। बुधवार को रसीद अहमद अपने छोटे बेटे शोएब (22) के साथ दुकान खोलकर साफ-सफाई कर रहे थे। तभी बाइक सवार बदमाशों ने हमला कर दिया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मृतक की दुकान के सामने एक और कपड़े की दुकान है। दोनों दुकानदारों के बीच लगभग चार साल पहले ग्राहकों को अपनी तरफ बुलाने का लेकर विवाद हुआ था। इसके साथ ही कुछ महीने पहले मारपीट भी हुई थी। मारपीट के मुकदमे में मृतक पक्ष से लोग जेल भी जा चुके हैं। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद होता रहता था।

अंबेडकरनगर में डबल मर्डर: प्रेमिका के बाबा की हत्या कर दी

फिर गुस्साए घरवालों ने प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला; प्रेमिका की हालत नाजुक

अम्बेडकरनगर,20 सितंबर (एजेंसियां)। अंबेडकरनगर से बड़ी खबर है। यहां प्रेमी ने प्रेमिका के बाबा की हत्या कर दी। फिर गुस्साए लड़की के घरवालों ने प्रेमी को पीट-पीटकर मार डाला। घटना उस वक्त हुई, जब प्रेमी मंगलवार देर रात प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। घटना में प्रेमिका सहित तीन लोग घायल हो गए। इनमें से 2 की हालत नाजुक है। सूचना पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई है। एसपी भी मौके पर मौजूद हैं। घटना हंसवर थाना इलाके के झांझवा गांव की है मृतक प्रेमी का नाम आजिम (25) है। वह हंसवर थाना के नोनारा का रहने वाला था। आजिम मंगलवार रात 3 बजे झांझवा गांव में स्थित प्रेमिका के घर उससे मिलने गया था। जैसे ही वह घर में घुसा, तो प्रेमिका के घरवाले जग गए। खुद को घर में घिरता देख आजिम ने लड़की के घरवालों पर चाकू से हमला कर दिया। इसमें प्रेमिका के बाबा की मौत हो गई। जबकि प्रेमिका सहित घर के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से गुस्साए परिजनों ने प्रेमी को लाठी-डंडों से पीट-पीट कर मार डाला। घटना के समय प्रेमिका का भाई व दादी दूसरे कमरे में सो रहे है। वारदात के समय न पहुंचने से वह सुरक्षित बच गए है। एसपी ने दोनों का बयान लिया है। पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। जहां से हालत गंभीर होने पर दो लोगों को लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

मौके पर भारी पुलिस फोर्स मौजूद दोहरे हत्याकांड को लेकर पुलिस अधीक्षक अजीत कुमार सिन्हा सहित अन्य अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र किया है। वारदात में प्रयुक्त चाकू भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। घटना स्थल पर पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या परिक्षेत्र डॉ. प्रवीण कुमार के पहुंचने की भी सूचना है।

भोजपुर में महिला को देखने को लेकर खूनी संघर्ष

बारिश के बाद रेलिंग पर झाड़ू लगा रही थी, पड़ोसी के युवक से देखने को लेकर हुआ विवाद; मां–बेटी की हालत बिगड़ी

आरा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भोजपुर में महिला को देखने के विवाद में मंगलवार देर शाम एक परिवार के पांच लोगों की बेहरमी से पिटाई कर दी गई ।मारपीट के दौरान के एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के घर में जमकर रोड़ेबाजी की गई। जिसके बाद मामला शांत होने के बाद सभी जख्मियों को इलाज के लिए जगदीशपुर रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद सभी को आरा रेफर कर दिया गया । मामला जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर वार्ड–1 का है। जख्मियों में जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर वार्ड एक निवासी मोहन सिंह के 40 वर्षीय पत्नी सुनीता देवी,21 वर्षीय पुत्री कंचन कुमारी,18 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार और बक्सर जिले नवानगर थाना क्षेत्र के सलसला गांव निवासी कुश कुमार की 35 वर्षीय पत्नी राज कुमारी देवी समेत पांच लोग शामिल है । जख्मी महिला सुनीता देवी के सगी बहन है ।

इधर,जख्मी युवक कृष्ण कुमार ने बताया की उनकी मां बारिश होने के बाद छत के रेलिंग पर खड़े होकर साफ कर रही थी।

इसी बीच पड़ोसी के एक वहां खड़ा होकर मां को देख रहा था,तभी मां ने उस लड़के को टोका तो ।उसी के गुस्से में आकर अपना पूरा परिवार और अन्य साथियों को बुलाकर गाली–गलौज करना शुरू कर दी ।जब हम लोगों ने इसका विरोध किया तो ।उक्त लोगों के द्वारा घर पर ईंट बाजी करना शुरू कर दिया । ईंट लगने के मेरी बहन कंचन कुमारी के आंख में गंभीर चोटे आई है । जबकि पड़ोसियों के द्वारा घर में जबरन घुसकर लाठी–डंडे से मां,मौसी और मुझे पिटाई कर दी है। इस घटना में मां–बेटी को काफी गंभीर चोटे है है । आरा सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉक्टरों की देखरेख में इलाज कराया जा रहा है ।मारपीट की इस वारदात के बाद पीड़ित परिवारों ने इसकी सूचना स्थानीय थाना पुलिस को दी है ।

मुजफ्फरपुर में डेंगू केस में इजाफा

मरीजों की संख्या 57 पहुंची, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

मुजफ्फरपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मंगलवार को भी डेंगू के दो मरीज मिले है। इसके साथ ही जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है। बता दें कि शहरी क्षेत्रों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी डेंगू के मरीज मिल रहे है। इनके कुछ दूसरे प्रदेश से भी आए हुए है। साथ ही कुछ बच्चे कोटा से भी आए हुए है। जिले के मुशहरी प्रखंड में सबसे ज्यादा डेंगू के मरीज मिले है। स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम के द्वारा जगह जगह फॉगिंग भी करवाई जा रही है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है। 500 जांच किट राज्य मुख्यालय से आई है। सभी पीएचसी अस्तर पर भी जांच की सुविधा उपलब्ध है। डेंगू की जांच के लिए स्टैंडर्ड दर 950 रुपया रखा गया है। जो की पिछले साल 800 रुपया था। इस बार केमिकल की कीमत में उछाल के कारण कीट का दाम बढ़ा है।

सिविल सर्जन डॉ उमेश चंद्र शर्मा ने बताया कि डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है। जांच बढ़ा दिया गया है। जो भी फीवर का मामला अस्पताल में आ रहा है, उनको इंस्ट्रक्शन दिया जा रहा है कि उनका रैपिड जांच करना है। अगर रैपिड जांच पॉजिटिव आता है तो उनको भर्ती कर लेना है। हर एक जगह दवा का उपाय कर दिया गया है। सभी प्रखंड के अस्पतालों और जिला अस्पताल में सभी दवाई उपलब्ध है।

सभी पीएचसी में डेंगू के लिए बेड डेडिकेट करवा दिया गया है। साथ भी मच्छरदानी भी उपलब्ध करवाया गया है। मेडिकल कॉलेज में भी 20 बेड उपलब्ध करवाया गया है। जो लोग गंभीर रूप से बीमार पर रहे है, वैसे ही लोग अस्पताल में भर्ती हो रहे है। जिनको सिर्फ बुखार लग रहा है, वैसे लोग घर पर ही उपचार करवा रहे है।

यूपी की राजनीति में महिलाएं सिर्फ पोस्टर में

बीजेपी के 75 जिला अध्यक्षों में केवल 4 महिला चेहरा, आजतक कोई महिला प्रदेश अध्यक्ष भी नहीं बनी

लखनऊ,20 सितंबर (एजेंसियां)। 26 साल से पेंडिंग महिला आरक्षण बिल लोकसभा में पेश हो गया है। महिला आरक्षण कानून से देश के सबसे बड़े सियासी सूबे उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी बड़ा बदलाव होगा। लेकिन अभी यूपी की राजनीति में महिलाएं सिर्फ सिंबोलिक दखल रखती हैं। महिलाएं सिर्फ पोस्टर तक ही सीमित हैं। बिल लाने वाली भाजपा में महिलाएं आखिरी पायदान पर हैं। पार्टी में न उनके पास पद है, न ही कोई बड़ा कद है। यूपी भाजपा में अब तक 14 प्रदेश अध्यक्ष बने हैं, लेकिन इनमें से एक भी महिला नहीं रही है। यही नहीं, 75 जिला अध्यक्षों में भी सिर्फ 4 महिला चेहरे हैं। योगी कैबिनेट में 52 मंत्री हैं, लेकिन इनमें सिर्फ 5 महिला हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मंत्रीमंडल में भी यूपी सिर्फ एक महिला मंत्री स्मृति ईरानी हैं। संसद और विधानसभा में यूपी से महिलाओं की हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम है। बसपा और कांग्रेस में टॉप चेहरे यानी मायावती और सोनिया गांधी को छोड़ दिया जाए तो सेकंड लाइन में यूपी में एक भी महिला लीडर नजर नहीं आती है।

नालंदा में क्लीनिक संचालक को गोली मारने का मामला

पत्नी ने नर्स और उसके परिवार को बनाया आरोपी, 5 लाख के लिए हत्या का लगाया आरोप

नालंदा,20 सितंबर (एजेंसियां)। नालंदा के हिलसा थाना क्षेत्र अंतर्गत पैंदापुर गांव में सोमवार की रात निजी क्लीनिक के संचालक (आरएमपी डॉक्टर) की गोलीमार हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान बेन थाना क्षेत्र के कौआकोल निवासी मिथिलेश प्रसाद का (30) वर्षीय पुत्र निरंजन पाल के रूप में किया गया है। निरंजन पाल बेन बाजार में जीवन ज्योति नामक क्लिनिक चलाता था। इस मामले में मृतका की पत्नी मुस्कान कुमारी के द्वारा दिये गए फर्द बयान के आधार पर हिलसा थाना में क्लीनिक में कार्यरत नर्स हिलसा के पैंदापुर निवासी वर्षा कुमारी और उसके परिवार वालों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार क्लीनिक के संचालक निरंजन पाल ने नर्स को 5 लाख रुपए दिए थे। इसी विवाद में निरंजन पाल को घर बुलाकर नर्स एवं उसके परिवार वालों ने गोलीमार हत्या कर दी।

चर्चा है कि प्रेम प्रसंग में निरंजन पाल की गोलीमार हत्या कर दी गई है। 6 महीने से दोनों के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिसका अक्सर निरंजन की पत्नी विरोध करती थी। हालांकि क्लीनिक के संचालक को गोली मारने की खबर नर्स के पिता ने ही पुलिस को दिया था। जिसमें उसने बताया कि कोई बाहरी व्यक्ति आकर गोली मार हत्या कर दिया, और शव को खलिहान के पास फेंक कर फरार हो गया।

आईपीएस अनुसूइया रणसिंह के खिलाफ गृह विभाग में 6 मामले

पटना, 20 सितंबर (एजेंसियां)। गृह विभाग ने आईपीएस व बिहार होमगार्ड सह फायर सविर्सेज की डीआईजी अनुसूइया रणसिंह साहू के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इनके खिलाफ डिपार्टमेंट प्रोसिडिंग शुरू होगी। सूत्रों के अनुसार गृह विभाग की तरफ से इसके लिए कदम बढ़ा दिए गए हैं। इस महिला आईपीएस अधिकारी के खिलाफ गृह विभाग को कार्रवाई के लिए उनके ही डिपार्टमेंट बिहार होमगार्ड सह फायर सर्विसेज की डीजी शोभा ओहटकर की तरफ से 6 बार अनुशंसा की गई है।

सूत्रों के अनुसार डीजी की अनुशंसा के आधार पर ही गृह विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने डीआईजी ने स्पष्टीकरण मांगा। पर सूत्रों का दावा है कि एक बार भी डीआईजी ने अपनी तरफ से स्पष्टीकरण का जवाब नहीं दिया। इसके बाद ही सोमवार को गृह विभाग ने अनुसूइया रणसिंह साहू के खिलाफ कार्रवाई के लिए अपने कदम आगे बढ़ा दिए।

स्पष्टीकरण का जवाब नहीं देने पर कार्रवाई की तैयारी, तभी डीजी पर आरोप वाला लेटर हुआ वायरल

दरअसल, मंगलवार को पटना के गलियारे में बगैर पत्रांक, बगैर तारीख और बगैर सिग्नेचर के 13 पन्नों का एक त्राहिमाम नाम का लेटर बहुत तेजी से वायरल हुआ। पढ़ने पर ऐसा लगा कि इस वायरल लेटर को बिहार होमगार्ड व फायर सर्विसेज की ही डीआईजी अनुसूइया रणसिंह साहू ने लिखा है। लेकिन, लेटर के आखिरी पन्ने पर न तो उनका सिग्नेचर था और न ही तारीख थी। इस वायरल लेटर में बिहार होमगार्ड व फायर सर्विसेज की डीजी शोभा ओहटकर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए। जब इस मामले की पड़ताल की गई तो कहानी कुछ और ही सामने आई। सूत्र ने दावा किया कि जब गृह विभाग ने डीआईजी के खिलाफ कार्रवाई की बात कह दी तो उसके बाद ही डीजी पर लगाए गए गंभीर आरोप वाले त्राहिमाम लेटर को वायरल कर दिया गया।

डीजी शोभा ओहटकर की तरफ से 6 बार की गई है अनुशंसा

बात इसी साल की है। 21 मार्च को डीजी शोभा ओहटकर छुट्टी पर जाने वाली थीं। वायरल लेटर के अनुसार रिव्यू करने के लिए 15 फाइल डीजी ने डीआईजी को सौंपा था। इनमें से 3 फाइल में गड़बड़ी की बात अनुसूइया रणसिंह साहू ने अपने रिव्यू के दौरान पकड़ा। एक फाइल सर्विसेज के लिए 138 गाड़ियों की खीरद का था। वायरल लेटर में दावा किया गया है कि रिव्यू कर अनुसूइया ने राज्य सरकार का 6.5 करोड़ रुपए का भारी नुकसान होने से बचा लिया है। क्योंकि, गाड़ियों के दाम में भारी गड़बड़ी थी। दावा यह भी किया गया है कि जब इस बात की जानकारी कॉल कर डीजी को दी गई तो उन्होंने करीब डेढ़ घंटे तक गुस्से में अनुसूइया रणसिंह साहू को काफी कुछ कहा। यहां तक की गाली-गलौज करने का भी आरोप लगाया गया है। दावा ये भी किया गया है कि डीआईजी की तरफ से गड़बड़ी पकडे. जाने के कारण ही गाड़ियों के खरीदने के कांट्रैक्ट को कैंसिल कर दिया गया।

डीजी ने आरोप को बताया गलत

इस पूरे प्रकरण में डीजी शोभा ओहटकर से बात की गई। डीआईजी अनुसूइया रणसिंह साहू की तरफ से लगाए गए आरोपों को उन्होंने पूरी गलत बताया है। कहा कि पूरा मामला राज्य सरकार की जानकारी में है। गृह विभाग के पास सारे डिटेल्स उपलब्ध हैं। 6 बार उनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई के लिए गृह विभाग को लिखा है। आगे कदम गृह विभाग को ही उठाना है। इससे ज्यादा कुछ भी नहीं कहना है। लेटर क्यों वायरल किया गया? इसके बारे में लोग खुद सोंच सकते हैं।

सैलरी पर लगी रोक तब आईं थी ऑफिस

दूसरी तरफ डिपार्टमेंट से जुड़े सूत्र बताते हैं कि इसी साल मार्च महीने में आईपीएस अनुसूइया रणसिंह साहू की पोस्टिंग राज्य सरकार ने बिहार होमगार्ड सह फायर सर्विसेज में की थी। उन्होंने ज्वाइन किया भी। मगर, डीजी से छुट्टी लिए बगैर लगातार तीन महीने तक वो ऑफिस नहीं आईं। ड्यूटी से गायब रहीं।

‘महिलाओं को वंदन की नहीं, सम्मान और समानता की जरूरत’

डीएमके ने विधेयक के नाम को लेकर भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। द्रविड मुनेत्र कषगम (डीएमके) ने बुधवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर महिला आरक्षण विधेयक को राजनीतिक रंग देने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उसने कहा कि महिलाओं को पूजा और वंदन की जरूरत नहीं है, उसे समानता और सम्मान की जरूरत है।

प्रतीकों की राजनीति बंद हो

लोकसभा में ‘संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023’ पर चर्चा में भाग लेते हुए डीएमके की सदस्य कनिमोझी ने इसका समर्थन किया। साथ ही कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने इसे भी राजनीतिक रंग देने की कोशिश की। वर्ष 2024 के चुनावों को ध्यान में रखकर यह विधेयक लाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतीकों की राजनीति (टोकनिज्म) बंद होनी चाहिए।

संसद में महिलाओं का अधिकार पुरुषों के बराबर

कनिमोझी ने कहा कि सरकार ने इस प्रस्तावित कानून को ‘नारी शक्ति वंदन अधिनियम’ कहा है, लेकिन महिलाओं को वंदन, पूजा की जरूरत नहीं है, उन्हें सम्मान और समानता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस देश और इस संसद में महिलाओं का अधिकार उतना ही है, जितना पुरुषों का है। डीएमके सदस्य ने कहा कि सबसे पहली बार महिला आरक्षण विधेयक 1996 में तत्कालीन संयुक्त मोर्चा सरकार द्वारा उनकी पार्टी के सहयोग से लाया गया था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार भी विधेयक लाई थी, लेकिन इस विधेयक को राज्यसभा में कांग्रेस-नीत संप्रग ने पारित कराया। उन्होंने कहा कि उन्हें 2010 में राज्यसभा में इस विधेयक पर चर्चा में भाग लेने का मौका मिला था और आज 13 वर्ष बाद वह लोकसभा में इसी विधेयक पर अपने विचार रख रही हैं। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि ने 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने की मांग की थी। वहीं, 2017 में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और डीएमके नेता स्टालिन ने भी मोदी को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया था। कनिमोझी ने कहा कि वह स्वयं भी इस विषय को कई बार संसद में उठा चुकी हैं।

सरकार ने कौन सी सहमति बनाई?

उन्होंने कहा कि संसद में पूछे गए उनके प्रश्नों के उत्तर में सरकार की ओर से लगभग यही जवाब मिला कि इस पर विभिन्न हितधारकों से विचार किया जा रहा है और आम-सहमति बनाकर इसे लाया जाएगा। कनिमोझी ने कहा, ‘सरकार ने कौन सी सहमति बनाई, बल्कि यह विधेयक तो गोपनीयता के साथ लाया गया। सर्वदलीय बैठक में भी इसके बारे में विपक्षी दलों को कुछ नहीं बताया गया और अचानक से सदस्यों के सामने कम्प्यूटर स्क्रीन पर विधेयक आया।’

करोड़ों बहनें कर रहीं इंतजार

उन्होंने कहा कि करोड़ों बहनें इस विधेयक के वास्तविक रूप लेने का इंतजार कर रही हैं, लेकिन पता नहीं यह कब लागू होगा। डीएमके नेता ने कहा कि जब तक विधेयक में से ‘परिसीमन के बाद’ शब्द नहीं हटाया जाएगा, तब तक इसे लटकाया जाता रहेगा और इंतजार 10, 20 और 30 साल तक भी चल सकता है।

जयललिता भी मजबूत नेता थीं

कनिमोझी ने देश में विभिन्न महिला नेताओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती आदि के नाम लिए और जब सत्तापक्ष के किसी सदस्य ने तमिलनाडु में डीएमके की प्रतिद्वंद्वी अन्नाद्रमुक की नेता दिवंगत जयललिता का नाम लिया तो कनिमोझी ने कहा कि जयललिता भी मजबूत नेता थीं और उन्हें उनका नाम लेने में कोई दिक्कत नहीं है।

महिला आरक्षण विधेयक को आप ने बताया 'महिला बेवकूफ बनाओ' विधेयक

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए महिला आरक्षण विधेयक को आम आदमी पार्टी (आप) ने 'जुमला' करार देते हुये 'महिला बेवकूफ बनाओ' विधेयक की संज्ञा दी है। संसद के विशेष सत्र के तीसरे दिन मीडिया से बात करते हुए आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा, ‘यह निश्चित रूप से महिला आरक्षण विधेयक नहीं है, यह 'महिला बेवकूफ बनाओ' विधेयक है।’ उन्होंने कहा, 'हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सत्ता में आये हैं तब से उन्होंने जो भी वादे किये थे उनमें से कोई भी पूरा नहीं हुआ है। सिंह ने कहा, यह उनके द्वारा लाया गया एक और 'जुमला' है। यदि आप विधेयक को लागू करना चाहते हैं, तो आप पूरी तरह से साथ खड़ी है, लेकिन इसे 2024 में लागू करें। क्या आपको लगता है कि देश की महिलाएं मूर्ख हैं? आप नेता ने कहा, महिला विरोधी भाजपा अब विधेयक के नाम पर एक और 'जुमला' लेकर आई है। देश की महिलाएं, राजनीतिक दल इन चुनावी हथकंडों को समझते हैं। इसलिए, हम कहते हैं कि अगर उनकी मंशा साफ है, तो 2024 में इसे लागू करें। उनकी यह टिप्पणी संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023 को लोकसभा में कार्य की अनुपूरक सूची में पेश किए जाने के एक दिन बाद आई। महिला आरक्षण विधेयक में प्रस्तावित किया गया है कि आरक्षण 15 साल की अवधि तक जारी रहेगा और महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों के भीतर एससी और एसटी के लिए कोटा होगा। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि इस कानून के 2024 के लोकसभा चुनाव में लागू होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि इसे परिसीमन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद ही लागू किया जाएगा, संभवतः 2029 में इसे लागू किया जा सकता है। परिसीमन प्रक्रिया शुरू होने के बाद आरक्षण लागू होगा और 15 वर्षों तक जारी रहेगा। विधेयक के अनुसार, महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों को प्रत्येक परिसीमन के बाद बदला जाएगा। सरकार ने कहा कि महिलाएं पंचायतों और नगर निकायों में महत्वपूर्ण रूप से भाग लेती हैं, लेकिन विधानसभाओं और संसद में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित है।

भारतीय वायुसेना : हथियार प्रणाली शाखा को सरकार से मिली मंजूरी

33 कैडेट्स का पहला बैच अकादमी में होगा शामिल

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने बुधवार को कहा कि देश की आजादी के बाद पहली बार हथियार प्रणाली शाखा (वेपन सिस्टम ब्रांच) की स्थापना के लिए सरकार की ओर से मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि इस ब्रांच में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए एएफसीएटी परीक्षा कुछ सप्ताह पहले आयोजित की गई थी। करीब 33 अधिकारी कैडेट्स का पहला बैच अगले साल की शुरुआत में अकादमी में शामिल होगा। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि अगले साल के अंत में वेपन सिस्टम ब्रांच के अधिकारियों के रूप में कमीशन प्राप्त होगा। चौधरी ने कहा, 155 महिला अग्निवीर वर्तमान में बेलगाम में भारतीय वायु सेना के प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण ले रही हैं। फाइटर ब्रांच में 17 महिला अधिकारी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ दिन पहले स्पेन में शामिल किया गया सी-295 परिवहन विमान आज किसी भी समय वडोदरा वायुसेना स्टेशन पर उतरेगा।

क्या है वेपन सिस्टम ब्रांच?

वायुसेना में अभी तक तीन ब्रांच का परिचालन होता है। ये तीन ब्रांच हैं- फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच और ग्राउंड ड्यूटीज ब्रांच। आजादी के बाद यह पहली बार है कि वायुसेना में चौथी व एक नई परिचालन शाखा का गठन किया जा रहा है। यह ब्रांच विमानों में हथियार प्रणाली का संचालन करेगी। इस ब्रांच की चार सब स्ट्रीम बनाई गई हैं, जो फ्लाइंग, रिमोट, इंटेलीजेंस व सरफेस हैं।

इन सब स्ट्रीम में क्या होगा?

वेपन सिस्टम ब्रांच की फ्लाइंग स्ट्रीम ट्विन-सीट या मल्टी-क्रू एयरक्राफ्ट में सिस्टम ऑपरेटर शामिल होंगे। वहीं रिमोट स्ट्रीम पायलट रहित विमानों व ड्रोन के लिए होगा। इंटेलिजेंस सब-स्ट्रीम में इमेज खुफिया जानकारियों का विश्लेषण, इंफॉर्मेशन वारफेयर स्पेशलिस्ट और रिमोट-पायलट एयरक्राफ्ट और स्पेस-बेस्ड सिस्टम के लिए सिग्नल इंटेलिजेंस ऑपरेटर शामिल होंगे।

‘यह महज गलतफहमी’ : दलित मंत्री के साथ मंदिर में हुए भेदभाव पर पुजारियों के संगठन ने दी सफाई

तिरुवनन्तपुरम, 20 सितंबर (एजेंसियां)। राज्य के देवस्वओम मंत्री के. राधाकृष्णन के साथ कथित तौर पर मंदिर में हुए भेदभाव पर अब पुजारियों के संगठन ने सफाई दी है। उसका कहना है कि देवस्वओम के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया था। यह केवल एक गलतफहमी है और मदिरों में किसी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं किया जाता है। अखिल केरल थंथरी समाजम की राज्य समिति ने कहा कि मंदिर में एक रिवाज है, जो पुजारी 'देव पूजा' करते हैं वे किसी को नहीं छूते हैं। उन्होंने कहा कि इससे जाति का कोई लेना देना नहीं है। चाहे कोई ब्राह्मण हो या गैर-ब्राह्मण देव पूजा जब तक नहीं हो जाती पुजारी किसी को भी नहीं छूते हैं।

संगठन ने कहा कि यह मामला आठ महीने पहले ही खत्म हो चुका है। इसे एक बार फिर से उठाने के पीछे कोई साजिश लगती है। कोई बेमतलब विवाद खड़ा करना चाहता है। समाजम ने बताया कि पूजा कर रहे मेलशांति यानी मुख्य पुजारी को अंतिम समय में आकर दीपक जलाने के लिए कहा गया था क्योंकि मंदिर थंथरी (पुजारी) अनुपस्थित थे। पुजारियों के संगठन ने कहा कि दीप जलाने के बाद वह पूजा पूरी करने के लिए वापस गए थे, लेकिन इस पूरी घटना को मंत्री ने छुआछूत समझ लिया था और उन्होंने मौके पर ही अपनी नाराजगी जाहिर की थी। संगठन ने सवाल किया कि आठ महीने पहले खत्म हुई घटना को अब विवाद में बदलने के पीछे क्या कोई गलत इरादा है?

यह है मामला : बता दें, केरल के देवस्वओम मंत्री के. राधाकृष्णन ने आरोप लगाया था कि पुजारियों ने मंदिर में मुख्य दीप प्रज्ज्वलित करने से रोक दिया था, क्योंकि वे एक दलित समुदाय से आते हैं। इस घटना पर अनुसूचित जाति समुदाय से संबंध रखने वाले राधाकृष्णन ने कहा था कि मंदिर के दो पुजारियों ने उन्हें वह ‘लौ’ सौंपने से इन्कार कर दिया, जो वे उद्घाटन के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर मुख्य दीप प्रज्ज्वलित करने के लिए लाए थे। मंत्री ने आरोप लगाया था कि इसके बजाय पुजारियों ने खुद मुख्य दीप प्रज्ज्वलित किया और उसके बाद ‘लौ’ को जमीन पर रख दिया, ताकि वह उठाकर दीप जला दें। सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केंद्रीय समिति के सदस्य राधाकृष्णन ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने सोचा कि यह एक परंपरा का हिस्सा है और इससे छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। हालांकि मंत्री ने मंदिर के नाम का खुलासा नहीं किया था।

पीयूष गोयल ने कहा : चंद्रयान के बाद गगनयान की बारी, जयराम का जवाब

आजादी के बाद से ही हो रही है तैयारी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पीयूष गोयल ने बुधवार को राज्यसभा में भारत के गगनयान मिशन की चर्चा की। उन्होंने कहा कि चंद्रयान मिशन के बाद अब भारत गगनयान मिशन की तैयारी कर रहा है। पीयूष गोयल ने बताया कि गगनयान मिशन आने वाले वर्ष 2024 के लिए प्लान किया गया है। पीयूष गोयल ने इस दौरान राज्यसभा में चंद्रयान-3, आदित्य एल 1 मिशन, स्पेस मिशन में इस्तेमाल हो रही स्वदेशी तकनीक और इसरो के वैज्ञानिकों एवं कार्यकलापों का जिक्र किया।

इस पर जवाब कांग्रेस की ओर से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने दिया। जयराम ने सर्वप्रथम इसरो के वैज्ञानिकों को चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग के लिए बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ऐसा प्रचारित किया जा रहा है कि मानो यह उपलब्धियां केवल 2014 के बाद शुरू हुई है और इसके सूत्रधार केवल प्रधानमंत्री मोदी हैं। जयराम ने पंडित जवाहरलाल नेहरू व इंदिरा गांधी के विक्रम साराभाई के साथ सहयोग की बात कही। देश की आजादी के बाद किए गए स्पेस रिसर्च कार्यक्रमों का जिक्र किया। उन्होंने 1963 में किए गए पहले परीक्षण का भी उल्लेख किया। जयराम ने बताया कि पूर्व की सरकारें पूरी तरह इसरो और वैज्ञानिकों के साथ खड़ी रही हैं। इससे पहले नेता सदन पीयूष गोयल ने राज्यसभा में बोलते हुए कहा कि यह नया उत्साहित भारत है। गोयल ने कहा कि चंद्रयान-3 के बाद अब गगनयान मिशन उसको भी हम सफल बनाएंगे। उसके लिए भी हम सबको इसरो को शुभकामनाएं देनी चाहिए। हम सब मिलकर एक संदेश दें कि आगे आने वाले गगनयान के लिए भी इसरो सफल हो। पूरी तरह से इसरो सफल हो, हमारे वैज्ञानिक, जो पूरी लगन के साथ इसमें लगे हुए हैं, उन्हें हम यहां से शुभ संदेश दें। पीयूष गोयल ने कहा कि स्पेस से जुड़ी रिसर्च भारत को काफी आगे लेकर जाएगी। स्पेस से जो आप सीखेंगे, चंद्रयान-3 की जो उपलब्धियां होगी, उससे आगे चलकर भारत का डाटा स्ट्रक्चर डेवलप होगा। पीयूष गोयल ने इस दौरान भारत के आदित्य मिशन की भी चर्चा की। आदित्य मिशन एल 1, जो सूरज और भारत के बीच लगभग 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर जाकर स्टेशन होगा, वहां से सूरज और सूर्य की किरणों की ताकत को स्टडी करेगा। गौरतलब है कि इसरो ने बताया है कि आदित्य एल-1 ने डेटा को एकत्र करने का काम शुरू कर दिया है। आदित्य मिशन जिन डेटा को एकत्र करेगा, उससे वैज्ञानिकों को पृथ्वी के आसपास के कणों के व्यवहार का विश्लेषण करने में मदद मिलेगी।

'महिला आरक्षण विधेयक पीएम मोदी का है, उन्हीं को पूरा श्रेय'

संसद में सोनिया गांधी के दावे पर निशिकांत दुबे ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि आधी आबादी को अधिकार देने का विधेयक लाने का श्रेय केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी पार्टी को जाता है. निचले सदन में महिला आरक्षण से संबंधित ‘संविधान (128वां संशेधान) विधेयक, 2023’ पर चर्चा में भाग लेते हुए झारखंड के गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी दल इतने वर्षों तक इस विधेयक को लेकर नहीं आए और प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा ने इसे लाने का नैतिक साहस दिखाया.

उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विधेयक का श्रेय लेना चाहती है, लेकिन विपक्ष गलत विधेयक लेकर आया था. दुबे ने कहा, ‘आपने इसमें भी राजनीति की. जो जीता वही सिकंदर होता है. गोल मारने वाले को ही श्रेय दिया जाता है और आज यह गोल प्रधानमंत्री ने मारा है. यह प्रधानमंत्री और भाजपा का विधेयक है, आपको मानना पड़ेगा.’ उन्होंने कांग्रेस पर यह आरोप भी लगाया कि वह कभी राज्यसभा और विधान परिषद में महिलाओं को आरक्षण देने की मांग करके तो कभी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण और कोटा में कोटा की बात करके इस विधेयक पर भी राजनीति कर रही है.

‘महिला आरक्षण 2024 से पहले लागू करने की मांग विपक्ष की राजनीति का हिस्सा’

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान सभा के समय से लेकर आज तक उच्च सदन और विधान परिषद में आरक्षण की बात नहीं की, लेकिन अब ‘गलत तरह का माहौल पैदा’ कर रही है. निशिकांत दुबे ने कहा, ‘आप (कांग्रेस) राजनीति के माध्यम से इस विषय को लॉलीपॉप बनाते रहे. आप चाहते हैं कि यह सरकार भी यही करे.’ उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव से पहले विधेयक को कानून बनाकर लागू करने की मांग भी राजनीति का हिस्सा है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 82 में स्पष्ट है कि पहले जनगणना, फिर परिसीमन करने के बाद ही इस विधेयक को लागू किया जा सकेगा. विपक्षी सांसदों ने कहा कि फिर सरकार ने अब तक जनगणना क्यों नहीं करवाई?

मालवाहक वाहन से टकराने के बाद खाई में गिरी एसयूवी

सात लोगों की मौके पर ही मौत

कोहिमा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। नागालैंड के सेमिंयू जिले में एक एसयूवी एक मालवाहक वाहन से टकराने के बाद खाई में गिर गई। इस घटना में आठ लोगों की मौत हो गई। यह घटना राजधानी कोहिमा से 65 किलोमीटर दूर 'के स्टेशन' के पास घटी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक भी सड़क पर फिसल कर खाई में एसयूवी के ऊपर जा गिरी। एसयूवी कोहिमा से मोकोकचंग की तरफ जा रही थी। इस घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि घटना के कारणों की जांच जारी है। मरने वालों में तीन महिलाएं भी थी, जिन्होंने हाल ही में नागालैंड कर्मचारी चयन बोर्ड परीक्षा पास की थी। उन्हें ग्रेड-3 कर्मी के तौर पर सरकारी सेवा में शामिल होने के लिए नियुक्ति पत्र भी मिल चुका था।

'आपने अंतरिक्ष विभाग को गोपनीयता पर्दे के पीछे रखा', जितेंद्र सिंह का जयराम रमेश को जवाब

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। विपक्ष काफी दिनों से केंद्र की मोदी सरकार पर अंतरिक्ष क्षेत्र की उपलब्धियों का श्रेय लेने का आरोप लगा रहा है। इसे सिरे से खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बुधवार को राज्यसभा में दावा किया कि इस क्षेत्र को आम आदमी और उद्योगों के लिए बंद करके रखा गया था। कांग्रेस ने इसे गोपनीयता के पर्दे के पीछे रखा था। इससे इसकी प्रगति इतने वर्षों तक बाधित रही और आज देश में अंतरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में 150 स्टार्ट अप काम कर रहे हैं।

भारत और नेपाल में बढ़ रही एक सींग वाले गैंडे की संख्या

चार हजार से अधिक पहुंची आबादी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में एक सींग वाले गैंडे की आबादी बढ़ रही है, जिसे कमजोर प्रजातियों के संरक्षण प्रयासों में एक ऊंचा स्थान कहा जा सकता है। पड़ोसी देश नेपाल में भी इनकी आबादी बढ़ने की खबर है। भारत और नेपाल में, एक सींग वाले गैंडे की आबादी, जो 1900 के दशक की शुरुआत में 100 से भी कम थी, अब बढ़कर 4,014 से अधिक हो गई है। इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन (आईआरएफ) ने विश्व राइनो दिवस से दो दिन पहले जारी 2023 की अपनी वार्षिक 'स्टेट ऑफ द राइनो' रिपोर्ट में बताया कि मजबूत सुरक्षा, वन्यजीव अपराध कानून प्रवर्तन और आवास विस्तार की वजह से इन गैंडों की आबादी में वृद्धि हो रही है।

गौरतलब है कि 2011 से, 22 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व गैंडा दिवस मनाया जाता है। एक सींग वाले गैंडा अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की सूची में असुरक्षित श्रेणी में आता है। भारत में गैंडे असम, पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में पाए जाते हैं।

इसलिए सुरक्षित हैं गैंडे

असम में गैंडों का अवैध शिकार, जो भारत में एक सींग वाले गैंडों की बहुसंख्यक आबादी का घर है, पुराने वक्त में बड़े पैमाने पर होता था, लेकिन अधिकारियों द्वारा की जा रही कड़ी निगरानी और अन्य उन्नत सुरक्षा व्यवस्था से इस मुद्दे का समाधान होता दिख रहा है। इस आवास विस्तार के साथ, ओरंग राष्ट्रीय उद्यान अब बुरहाचपोरी वन्यजीव अभयारण्य से जुड़ गया है, जिससे असम के सभी संरक्षित क्षेत्रों के बीच एक जुड़े गलियारे का निर्माण पूरा हो गया है, जहां गैंडे हैं (या रखने की योजना है) - मानस राष्ट्रीय उद्यान, पोबितोरा वन्यजीव अभयारण्य , ओरंग राष्ट्रीय उद्यान, लाओखोवा और बुरहाचपोरी वन्यजीव अभयारण्य और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान। आईआरएफ ने कहा कि 2022 में असम में गैंडे के अवैध शिकार की कोई घटना दर्ज नहीं की गई, जबकि 2013 और 2014 में 27-27 मामले सामने आए हैं।

सींगों को जला रही असम सरकार

शिकारियों को यह स्पष्ट संदेश देने के लिए कि गैंडे के सींगों का कोई औषधीय या मौद्रिक मूल्य नहीं है, असम सरकार सितंबर 2022 से सार्वजनिक रूप से हजारों की संख्या में सींगों के भंडार को जला रही है। नेपाल ने भी 2022 में एक भी गैंडे के अवैध शिकार की सूचना नहीं दी। इंटरनेशनल राइनो फाउंडेशन की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुर्भाग्य से, जनवरी 2023 में चितवन क्षेत्र में दो गैंडे शिकारियों का शिकार बन गए। लगातार अवैध शिकार के दबाव के बावजूद एक सींग वाले गैंडे के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर काले गैंडों की आबादी बढ़ रही है।

यहां सफेद गैंडों की आबादी पर खतरा

दक्षिण अफ्रिका एक ऐसा देश है जहां अवैध शिकार ने उनकी सफ़ेद गैंडों की आबादी को तबाह करना जारी रखा है, क्योंकि शिकारियों ने क्वाज़ुलु-नटाल प्रांत के भीतर ह्लुहलुवे इम्फ़ोलोज़ी गेम रिज़र्व और अन्य रिजर्व को निशाना बनाया है। इंडोनेशिया के पर्यावरण और वानिकी मंत्रालय ने हाल ही में खोजी गई अप्राकृतिक जावन गैंडे की मौत की सूचना दी है जिसकी फिलहाल जांच चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने यह भी बताया कि जावन के 12 गैंडे लापता थे। अन्य बुरी ख़बरों में, नामीबिया, जो दुनिया में सबसे अधिक संख्या में काले गैंडों का घर है, में 2021 से 2022 तक गैंडों के अवैध शिकार में 93 प्रतिशत की विनाशकारी वृद्धि देखी गई। आईआरएफ ने कहा कि जैसे-जैसे महाद्वीप के चारों ओर अवैध शिकार का दबाव बढ़ता है।

क्यों होते हैं शिकार

पांच प्रजातियों में से सबसे अधिक आबादी वाले सफेद गैंडों की संख्या में गिरावट जारी है। गैंडे के सींग औषधीय या मौद्रिक मूल्य रखने के निराधार लालच के चलते दुनियाभर में अवैध शिकार गतिविधियों को बढ़ावा देता है। इस विश्व गैंडा दिवस, 22 सितंबर को दुनिया की पांच गैंडा प्रजातियों के बारे में खबरें मिली-जुली हैं। दो प्रजातियां, काले गैंडे और बड़े एक सींग वाले गैंडे, की संख्या में वृद्धि जारी है, जबकि दो प्रजातियां, सफेद गैंडे और सुमात्रा गैंडे, संख्या में गिरावट का अनुभव कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक शेष प्रजाति, जावन गैंडे की जनसंख्या प्रवृत्ति की स्थिति अज्ञात है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 21 सितंबर- 2023

महिला आरक्षण

राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग वर्षों पुरानी है। अबतक अपेक्षा की जाती थी कि राजनीतिज्ञ खुद महिलाओं को अपने दल के सहारे राजनीति में आगे बढ़ाएं। लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो कुछ महिलाओं ने अपने दम पर राजनीति में अपना मुकाम हासिल किया। इसके बाद भी जब अपेक्षित परिणाम नहीं आया तो तो सिफारिश की गई कि लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई सीटें आरक्षित कर दी जाएं। इसके बाद ही मसौदा तैयार कर संसद में उसे कानूनी दर्जा दिलाने की भी कोशिशें की जाने लगी। शुरूआत से ही कुछ राजनीतिक दलों ने इसका जमकर विरोध किय तो उसे अमली जामा नहीं पहनाया जा सका। बीते सत्ताईस सालों से यह विधेयक लटका पडा था। अब सरकार ने इस विधेयक को सदन में पेश कर इस पर स्वस्थ बहस शुरू करा दी है। जाहिर है यदि यह विधेयक पास हो गया तो लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या बढ़ कर एक सौ इक्यासी हो जाएगी। फिलहाल उनकी संख्या मात्र बयासी है। इसी तरह विधानसभाओं में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ जाएगी। सबसे बडी बात तो यह है कि इस विधेयक को केवल पंद्रह सालों तक लागू रखने का प्रस्ताव है। इसके बाद नए सिरे से इसे सदन में पारित कराना पड़ेगा। ऐसा इसलिए कि राजनीति में अगर महिलाओं की भगीदारी सशक्त होती है, तो शायद इस कानून की जरूरत ही न पड़े। बता दें कि लोकसभा में सरकार इतनी मजबूत स्थिति में है कि इस विधेयक के पारित होने में कोई आशंका नहीं है। राज्यसभा में यह पहले ही पारित हो चुका है। फिर, इसकी मांग विपक्षी दल भी लंबे समय से करते आ रहे है। संसद का विशेष सत्र शुरू हुआ तब भी सभी दलों की ओर से इस विधेयक को सदन में पेश करने की मांग उठी थी। वोट बैंक खिसक न जाए इसलिए कोई भी दल महिला आरक्षण के विरोध में कभी नहीं रहा है, बस मतभेद इसके मसौदे के बिंदुओं को लेकर रहे हैं। समाजवादी और वामपंथी दल इसका इसलिए विरोध करते रहे हैं कि हाशिये पर जीवन यापन कर रहे तबकों की महिलाओं के लिए इसमें कोई स्पष्ट रूपरेखा तय नहीं की गई थी। नए विधेयक में महिलाओं के लिए तय तैंतीस फीसद आरक्षण के भीतर अलग-अलग वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षण तय करने के बजाय लोकसभा और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की खातिर आरक्षित सीटों में से ही तैंतीस फीसद महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा अगर आरक्षित सीटों से बाहर भी महिलाएं चुनाव लड़ना चाहें तो लड़ सकती हैं। हालांकि अन्य पिछड़ी जातियों के लिए किसी प्रकार के आरक्षण की व्यवस्था नहीं की गई है, इसलिए इस तबके का स्वर मुखर होना स्वाभाविक है। महिला आरक्षण का मकसद विधायिका में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है, इसलिए कुछ लोगों का विचार यह भी रहा है कि महिलाओं को आरक्षण के जरिए ही क्यों आगे आने का अवसर दिया जाए, वे अपने दम पर आगे आएं। इसलिए एक विचार यह भी आया कि राजनीतिक दल खुद अपने सांगठनिक ढांचे में एक तिहाई आरक्षण की व्यवस्था लागू करें। हैरानी की बात है कि राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के सैद्धांतिक विचार का समर्थन तो सभी दल करते हैं, चुनावी सभाओं में इसकी मांग भी दोहराते हैं, लेकिन संगठन के स्तर पर इसे आगे बढ़ाने में किसी की दिलचस्पी नहीं है। महिला आरक्षण विधेयक अगर संसद में पारित हो जाता है तो यह निस्संदेह एक ऐतिहासिक कदम होगा, लेकिन उसके साथ यह भी देखना जरूरी होगा कि राजनीतिक दल महिलाओं को अपने संगठन में कितनी अहमियत देते हैं।

महिला आरक्षण : लागू भले ना हो, लेकिन गूंज रहेगी

सुरेश गांधी

संसद में लोकसभा की कार्यवाही के पहले ही दिन सरकार ने उस बिल को पेश कर दिया जो पिछले 27 साल से संसद के दोनों सदनों से पास होकर कानून नहीं बन सका था. ये महिला आरक्षण बिल है, जिसे लोकसभा में पेश करते हुए आज प्रधानमंत्री ने बिल का नाम नारी शक्ति वंदन अधिनियम बताया. इस बिल की खासियत यह है कि इसके समर्थन में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दल हैं. लेकिन क्षेत्रीय पार्टिया पहले की तरह अब भी विरोध कर रही है। फिरहाल, विधेयक पारित होने के बावजूद इसका लाभ लेने के लिए महिलाओं को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। पहली जनगणना के बाद लोकसभा और विधानसभा सीटों का परिसीमन होगा। इसके बाद आरक्षण लागू होगा। या यूं कहे महिला आरक्षण विधेयक के व्यावहारिक रूप में लागू होने में अभी तीन-चार साल और लगने के आसार हैं। लेकिन बड़ा सवाल तो यही है महिलाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने की दुहाई देने वालों नेताओं को आखिर महिला आरक्षण विधेयक संसद में लाने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या बिना आरक्षण के राजनीतिक दल महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पर्याप्त टिकट नहीं दे सकते?पिछले लोकसभा चुनाव में कुल 82 महिला सांसद चुनकर आई थी। मतलब साफ है जिस देश में आधी आबादी महिलाओं की हो वहां सिर्फ 15 फीसदी महिलाएं ही लोकसभा पहुंचे तो आश्चर्य होना स्वभाविक है। जबकि 2019 से पहले हुए चुनाव में जीतने वाली महिला सांसदों की संख्या 82 से कम रहती आई है। विधानसभाओं के हाल भी कमोबेश लोकसभा जैसे ही हैं। आजादी के बाद हुए पहले सात आठ चुनाव की बात छोड़ दी जाएं तो बीते 30 सालों में महिलाएं राजनीति में अधिक नजर आने लगी है। ऐसे में महिला आरक्षण भले ही तीन-चार साल बाद लागू हो, लेकिन राजनीतिक दल यदि चाहे तो कम से कम 25 फिसदी महिलाओं को टिकट दे ही सकते हैं। वैसे भी महिलाओं के सांसद और विधायक बनने से देश को लाभ तो मिलेगा ही, उनके खिलाफ होने वाले अत्याचार के मामले भी कम होंगे। बता दें, महिला आरक्षण 2029 लोकसभा चुनाव से पहलें संभव नहीं है. दरअसल आरक्षण को अमलीजामा पहनाने के लिए लंबी संवैधानिक प्रक्रिया है. इस बिल को 50 प्रतिशत राज्य विधानसभाओं की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है. गृह मंत्रालय के मुताबिक जल्द ही इ बिल के सापेक्ष रूल्स नोटिफाई करेगी. इसके बाद देश में जनगणना का काम शुरू होगा. फिर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा. परिसीमन आयोग लोकसभा और विधानसभा परिसीमन के साथ-साथ महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटों का चयन भी करेगा जो रोटेशन में बदलती रहेंगीं. यानी यह तो साफ है कि महिला आरक्षण कानून जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लागू होगा. परिसीमन आयोग लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के आरक्षित 33 प्रतिशत सीटों का चयन काम पूरा कर अपनी रिपोर्ट सौंप जल्दी सौप देता है, तो उसके बाद जो भी विधानसभा चुनाव होंगे उनमें महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा. यहां जिक्र करना जरुरी है कि लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पेश होने का देश की राजनीति पर बड़ा असर पड़ेगा। इससे तमाम राजनीतिक दलों पर महिलाओं को अधिक टिकट देने का दबाव होगा। महिला संगठनें महिलाओं को अधिक टिकट देने की मांग करेंगे। महिला आरक्षण विधेयक मे 'कोटे के भीतर कोटा' को स्वीकार करना भी एक रिग्रेसिव स्टेप है और इसे राजनीतिक निहित साधने के रूप में देखा जा सकता है. 'कोटा के भीतर कोटा' में अन्य पिछड़े वर्गों को बाहर करने से विधेयक का एक नया विरोध शुरू होने वाला है, जो अंततः पार्टी और वैचारिक जुड़ाव से परे होगा.

यूपी में महिला सदस्यों की संख्या दोगुनी हो जाएगी

देखा जाएं तो महिला आरक्षण बिल के लागू होने के बाद लोकसभा में अभी के मुकाबले महिला सदस्यों की संख्या दोगुनी हो जाएगी। वहीं, यूपी विधानसभा में महिला सदस्य करीब पौने तीन गुना बढ़ जाएंगी। यूपी में इस समय कुल 80 लोकसभा सीटें हैं। इसमें 12 महिला सांसद हैं। 33 फीसदी आरक्षण लागू हुआ तो 26 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व होंगी। इसमें भी एक-तिहाई सीटें एससी-एसटी के खाते में जाएंगी। यानी इस वर्ग से नौ महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य होगा। राज्यसभा की बात करें तो यूपी के कोटे में 31 सीटें हैं। अभी इनमें से छह पर महिला सदस्य हैं। पांच महिलाएं भाजपा के और एक सपा के सिंबल पर उच्च सदन में पहुंची हैं। इनकी भी संख्या बढ़कर 10 हो जाएगी। बता दें, यूपी में विधानसभा की 403 सीटें हैं। इस समय विधानसभा में कुल 48 महिला विधायक हैं, जो कुल सदस्य संख्या के 12 फीसदी से भी कम हैं। एक-तिहाई आरक्षण के बाद सदन में न्यूनतम 126 महिलाएं जरूर पहुंचेंगी। इनमें 42 महिलाएं एससी-एसटी की होंगी।

विधान परिषद की 100 पर महज 6 महिला सदस्य

विधान परिषद की 100 सीटों पर महज छह महिला सदस्य हैं। संविधान संशोधन के बाद इनके लिए 33 सीटें आरक्षित करनी होंगी। ऐसे में मौजूदा भागीदारी साढ़े गुना बढ़ जाएगी। आरक्षित सीटों में 11 एससी-एसटी के लिए होंगी। महिलाओं के लिए सियासी आरक्षण लागू होने का सीधा असर सत्ता और सियासी दलों की संगठनात्मक तस्वीर पर भी दिखेगा। बड़े सियासी दलों में लोकसभा या विधानसभा चुनावों में 10 से 15 फीसदी टिकट ही महिलाओं के हाथ आता है। 2022 में यूपी में कांग्रेस ने एक प्रयोग जरूर किया था और 40 फीसदी टिकट महिलाओं को दिया था। हालांकि, उसकी जमीन इतनी कमजोर थी कि प्रदेश में उसके कुल दो विधायक बने, इसमें एक महिला है। भाजपा ने 45 टिकट, सपा ने 42 और बसपा ने 37 टिकट महिलाओं को दिए थे। कुल 560 महिला उम्मीदवार विधानसभा चुनाव में उतरी थीं, जिनमें 47 को जीत मिली। प्रत्याशियों और जीते उम्मीदवारों के हिसाब से भी आजादी के बाद यह संख्या सर्वाधिक है। मई में हुए उपचुनाव में भी महिला के विधायक चुने जाने के बाद यह संख्या 48 हो गई है। हालांकि, आबादी के अनुपात में भागीदारी काफी कम है। खास बात यह है कि 'जिताऊपन' को जमीन बनाकर टिकट न दिए जाने का तर्क भी अब कमजोर होने लगा है। 2022 में पुरुष उम्मीदवारों की जीत का प्रतिशत 10 तो महिलाओं का भी 7 फीसदी से अधिक था, जो पहले के मुकाबले काफी बेहतर है। लोकसभा के पहले आम चुनाव में यूपी से छह महिलाएं सदन में पहुंची थीं, जबकि मौजूदा लोकसभा में यह संख्या दोगुनी यानी 12 है। हालांकि, 2014 के मुकाबले यह संख्या एक कम है। आरक्षण लागू होने के बाद सियासी दलों के लिए निकायों और पंचायतों की तरह यहां भी भागीदारी देना मजबूरी हो जाएगी।

सत्ता में भी धमक बढ़ेगी

महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था होने के बाद सदन ही नहीं सत्ता में भी उनकी धमक बढ़नी तय है। आधी आबादी के दावों के बाद भी सरकार में उनकी हिस्सेदारी 10 फीसदी तक पहुंचनी भी मुश्किल हो जाती है। जिस यूपी ने देश को पहली महिला प्रधानमंत्री और महिला मुख्यमंत्री देने का तमगा अपने नाम किया, उस प्रदेश की पहली सरकार के मंत्रिमंडल में कोई महिला सदस्य ही नहीं थीं।

और अब सनातन पर राजनीति

डॉ.दीपकुमार शुक्ल

बीते सप्ताह इन्दौर के एक मन्दिर की सीढ़ी पर एक हिन्दू संगठन द्वारा तमिलनाडु के मन्त्री उदयनिधि स्टालिन की फोटो लगा दी गयी। मन्दिर में आने-जाने वाले श्रद्धालु इस फोटो पर पैर रखकर उदयनिधि के उस बयान का विरोध जता रहे थे, जिसमें उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना से करते हुए इसे मिटाने की बात कही थी। 6 सितम्बर को अपने मन्त्रियों के साथ बैठक करते हुए प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने भी उदयनिधि स्टालिन के उक्त बयान का सही तथ्यों के साथ विरोध करने का आह्वाहन किया था। उसके बाद 14 सितम्बर को उन्होंने स्वयं मध्य प्रदेश के बीना में एक सभा को सम्बोधित करते हुए सनातन धर्म की आलोचना करने वालों पर सार्वजनिक रूप से हल्ला बोला। बीजेपी के अलावा अनेक धर्मगुरु भी उदयनिधि के साथ-साथ विपक्षी पार्टियों के गठबन्धन इण्डिया को घेरने में लगे हुए हैं। क्योंकि उदयनिधि की पार्टी डीएमके इण्डिया गठबन्धन में शामिल है। इसके बाद से राजनीतिक विश्लेषक यह मानने लगे हैं कि 2024 के चुनाव का यह एक अहम मुद्दा बन सकता है। हालाकि कांग्रेस सहित गठबन्धन के अन्य सभी दल इसे उदयनिधि का व्यक्तिगत विचार बताते हुए स्वयं को इस मुद्दे से अलग करने की पुरजोर कोशिश कर रहे हैं। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का आक्रामक रुख देखते हुए द्रमुक के अन्य नेताओं ने भी उदयनिधि के सुर में सुर मिलाकर और भी ज्यादा खतरनाक बयान दिये। किसी ने सनातन धर्म की तुलना एड्स से तो किसी ने खूंख्वार जानवरों से की। परन्तु बाद में द्रमुक के सर्वेसर्वा तमिलनाडु के मुख्यमन्त्री एमके स्टालिन ने अपने नेताओं को इस मुद्दे पर बोलने से रोक दिया। क्योंकि उन्हें समझ में आने लगा था कि भाजपा इसका पूरा-पूरा फायदा ले रही है। लेकिन भाजपा और उसके सहयोगी दल चुनाव तक हर हाल में द्रमुक नेताओं के सनातन विरोधी बयान को ताजा और महत्वपूर्ण बनाये रखना चाहते हैं। गौरतलब है कि डीएमके मुखिया एवं तमिलनाडु के मुख्य मन्त्री एमके स्टालिन के पुत्र तथा प्रदेश सरकार के मन्त्री उदयनिधि स्टालिन ने अपने एक वक्तव्य में कहा था कि 'सनातन का बस विरोध नहीं किया जाना चाहिए, इसे समाप्त ही कर देना चाहिए। यह धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। हम डेंगू, मलेरिया या कोरोना का विरोध नहीं कर सकते, हमें इसे मिटाना है। इसी तरह हमें सनातन को भी मिटाना है।' इसके बाद प्रधानमन्त्री सहित बीजेपी नेताओं और धर्म गुरुओं ने द्रमुक तथा विपक्षी गठ्बन्धन इण्डिया पर चौतरफा हमला बोल दिया। तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन को शुरू में यह लगा कि वह अपने बेटे को सनातन विरोधी साबित करके तमिल राजनीति में मजबूती से स्थापित कर लेंगे। अतः उनकी सह पर द्रमुक के अन्य सभी नेता भी बाबले हो गये और सनातन धर्म पर अनाप-शनाप बयानबाजी करने लगे। लेकिन जल्द ही द्रमुक मुखिया को अपना कदम उल्टा पड़ता नजर आया और अब वह इस विषय से दूर होते नजर आ रहे हैं। इण्डिया गठबन्धन के कई घटक दलों ने भी उदयनिधि के बयान की निन्दा की है। आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा ने कहा कि 'मैं सनातन धर्म से हूँ, मैं ऐसे बयानों की निन्दा और विरोध करता हूँ। किसी को भी इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। इस तरह की धर्म विरोधी टिप्पणी से हर किसी को बचना चाहिए।' शिवसेना ने भी इसकी कड़ी निन्दा की। कांग्रेस के अन्दर इस बयान को लेकर दो तरह के विचार चल रहे हैं। आम आदमी पार्टी और शिव सेना के सख्त रूख के बाद से इण्डिया गठबन्धन में सनातन विरोधी मुद्दा अब कमजोर भले ही पड़ रहा हो लेकिन बीजेपी लगातार विपक्षी गठबन्धन पर हमलावर बनी हुई है। प्रधानमन्त्री मोदी ने कहा है कि 'देश के कोने कोने में हर सनातनी को, इस देश को प्यार करने वाले को, इस देश की मिटटी को प्यार करने वाले को, इस देश के कोटि-कोटि जनों को प्यार करने वालों को, हर किसी को सतर्क रहने की जरुरत है। सनातन को मिटाकर ये देश को फिर एक हजार साल की गुलामी में धकेलना चाहते हैं।' मध्य प्रदेश के मुख्यमन्त्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'इण्डिया गठबन्धन सनातन को खत्म करने की कोशिश कर रहा है।' वहीँ गृहमन्त्री अमित शाह का कथन है कि 'वोटबैंक और तुष्टीकरण की राजनीति करने के लिए सनातन धर्म को समाप्त करने की बात की जा रही है।' योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि 'जो सनातन को गाली दे रहे हैं उन सबका 2024 में मोक्ष होने वाला है।' कांग्रेसी नेता कमलनाथ ने अपना पक्ष रखते हुए स्पष्ट किया कि 'हमारा देश सनातन धर्म का है, कोई कुछ भी कहे, डीएमके वाला कुछ कहे मैं उस चक्कर में नहीं हूँ।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमन्त्री ममता बनर्जी ने इण्डिया गठबन्धन को नसीहत देते हुए कहा कि 'मेरी सभी लोगों से प्रार्थना है कि ऐसा कुछ भी न कहें जिससे किसी की आस्था को चोट पहुँचे।' आप नेता संजय सिंह ने कहा कि 'उद्ययनिधि ने सनातन धर्म को लेकर जो बयान दिया है उससे हम लोग सहमत नहीं हैं।' समाजवादी पार्टी के सांसद जावेद अली खान ने भाजपा पर आरोप जड़ते हुए कहा कि 'भारतीय जनता पार्टी को साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण के अलावा कोई काम नहीं आता है, उसमें वह माहिर हैं। लेकिन उनके कारनामों को देश की जनता पहचान चुकी है।' सनातन के नाम पर अचानक मचे इस बवाल से देश के आम जन का चौकना स्वाभाविक है। क्योंकि नई पीढ़ी के लिए यह एक नया शब्द है, जिसे सम्प्रदाय या पन्थ के रूप में प्रतिष्ठित करके साम्प्रदायिक राजनीति को हवा देने की पुरजोर कोशिश हो रही है। अतः सनातन के अर्थ को समझना अति आवश्यक है। वस्तुतः सनातन का मूल अर्थ हैः शाश्वत, सत्य, नित्य, प्राचीन, कभी नष्ट न होने वाला, जिसके प्रारम्भ का ज्ञान न हो तथा सदा रहने वाला। मनुस्मृतिः के प्रथम अध्याय के श्लोक संख्या 7 में सनातन शब्द का उपयोग नित्य अर्थात सदैव के अर्थ में किया गया है। 'योसावतीन्द्रियग्राह्यः सूक्ष्मोव्यक्तः सनातनः। सर्वभूतमेयोचिन्त्यः स एव स्वयमुद्बभौ।। अर्थात जो यह परमात्मा इन्द्रियों से ग्रहण नहीं किया जा सकता, शरीर रहित, सूक्ष्म रूप, नित्य, सब प्राणियों की आत्मा और चिन्तन करने के योग्य नहीं है, वह अपने आप प्रकट हुआ है।' इसी अध्याय के श्लोक संख्या 23 में वेदों के लिए सनातन शब्द का प्रयोग हुआ हैः 'अग्निवायुरविभ्यस्तु त्रयं ब्रह्म सनातनम। दुदोह यज्ञसिद्धयर्थमृग्यजुःसामलक्षणम।

अर्थात ब्रह्मा ने यज्ञ की सिद्धि के लिए ऋग्व, यजु और साम इन सनातन वेदों को अग्नि, पवन और सूर्य से क्रमशः प्रकट किया।' श्रीमद्भगवतगीता के श्लोक संख्या 20 में शाश्वत को सनातन के अर्थ में तथा 23 में सनातन को शाश्वत के अर्थ में प्रस्तुत किया गया हैः 'न जायते म्रियते वा कदाचित्रायं भूत्वा भविता वा न भूयः। अजो नित्यः शाश्वतोयं पुराणोन हन्यते हन्यमाने शरीरे।। अर्थात यह आत्मा किसी काल में भी न तो जन्मता है और न मरता ही है तथा न यह उत्पन्न होकर फिर होने वाला ही है; क्योंकि यह अजन्मा, नित्य, सनातन और पुरातन है; शरीर के मारे जाने पर भी यह नहीं मारा जाता।

कनाडा व भारत के बीच संबंध जल्द सुधारने की जरुरत है

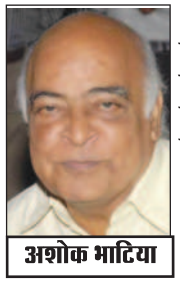

अशोक भाटिया

टी वी व समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त समाचारों के अनुसार भारत और कनाडा के बीच रिश्ते लगातार खराब हो रहे है. स्थिति इतनी खराब है कि हाल ही में कनाडा ने भारतीय दूतावास से एक अधिकारी को निष्कासित कर दिया . वहीं इसकी जवाबी कार्यवाही में भारत ने भी कनाडा दूतावास के एक अधिकारी को निष्कासित कर दिया लेकिन इन बिगड़ते रिश्तों को जल्द से जल्द कैसे सुधारा जाय, यह प्रश्न आज हार एक की जबान पर है । गौरतलब है कि जब दो देशों की सरकारों में खटास आ जाती हैं, खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। भारत और कनाडा के बीच रिश्ते इतने कटु हो गए हैं कि वहां बसे भारतीय घबराए हुए हैं। वे भारतीय पासपोर्ट धारक हैं परंतु नौकरी या व्यापार कनाडा में कर रहे हैं। हालांकि भारत और कनाडा के बीच बड़े पैमाने पर व्यापार होता है। काफी संख्या में भारतीय वहां रहकर व्यापार या नौकरियां करते हैं। बहुत से भारतीय छात्र वहां पढ़ने के लिए जाते हैं , बताया जाता है कि उनकी संख्या लाखों में है । ये भी कहा जाता है कि कनाडा ऐसा देश भी है जहां भारतीय खासकर पंजाबी सिख समुदाय बड़ी सियासी ताकत भी बनकर उभरा है।अब कनाडा में बार-बार उन्हें सफाई देनी होगी कि वे कनाडा के प्रति वफादार हैं। पुलिस और अन्य सरकारी महकमे उन्हें तंग करेंगे। हालांकि भारत में शायद ही कोई नागरिक बसा हो लेकिन कनाडा में साढ़े चार लाख से ऊपर भारतीय पीआर लेकर बसे हुए हैं। इनमें से पौने दो लाख लोग कनाडा की नागरिकता ले चुके हैं। अब उनके सामने एक संकट आ खड़ा है कि वे कनाडा सरकार के भेदभाव और उपेक्षा का सामना कैसे करेंगे ?दोनों देशों के बीच व्यापर की बात करें तो भारत और कनाडा के बीच अब तक के व्यापारिक संबंध अच्छे रहे हैं। भारत कनाडा का 10वां ट्रेडिंग पार्टनर रहा है। दोनों देशों के बीच आयात-निर्यात लगभग बराबर के हैं।वित्त वर्ष 2023 में भारत ने कनाडा को 4.11 अरब डॉलर यानी करीब 34 हजार करोड़ रुपये का सामान निर्यात किया। वहीं भारत का कनाडा से इंपोर्ट 4.17 अरब डॉलर यानी 35 हजार करोड़ से कुछ कम रहा है। दोनों देशों के बीच वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 7 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 में 8.16 अरब डॉलर का व्यापार हुआ हालांकि ट्रेड को लेकर कनाडा की निर्भरता भारत पर अधिक है।भारत कनाडा को हीरे-जवाहरात, बहूमूल्य रत्न , दवाईयां, रेडीमेड कपड़े, अनस्टिच कपड़े, ऑर्गनिक रसायन, हल्का इंजीनियरिंग समान, लोहा और स्टील निर्यात करता है। भारत और कनाडा के बीच व्यापार आसान होने की वजह से भारत ने वहां बड़ा निवेश किया है। भारत में 600 से कनाडाई कंपनियां काम कर रही है। कनाडा के साथ संबंध बिगड़ने पर वहां नौकरी-धंधे पर भी असर होगा। भारत कनाडा से कृषि और बागबानी से जुड़े उत्पाद खरीदता है। कनाडा में इस बिजनेस में अधिकांश भारतीय मूल के पंजाबियों का वर्चस्व है। अगर दोनों देशों के बीच ट्रेड प्रभावित होता है कि इसकी सीधी मार कनाडा में कृषि और बागबानी के व्यवसाय से जुड़े लोगों पर होगा। साल 2017 में ऐसा देखा जा चुका है जब भारत ने पीली मटर की दाल आयात पर अंकुश लगाने के लिए टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया था। भारत कनाडा से दाल, न्यूजप्रिंट, कोयला, फर्टीलाइजर, दालें, वुड पल्प और एल्युमीनियम जैसे सामान इंपोर्ट करता है। अगर विवाद बढ़ता है तो भारत किसी दूसरे मित्र देश से इन सामनों को इंपोर्ट कर सकता है। भारत कनाडा से दाल की सबसे ज्यादा खरीदारी करता है। अगर खपत और उत्पादन की बात करें तो भारत में 230 लाख टन दाल की खपत है जबकि पैदावार कम है। ऐसे में भारत कनाडा से ये खरीदता है हालांकि इसके लिए भारत के पास अन्य मित्र देशों का विकल्प खुला है। भारत इन सामानों के लिए कनाडा पर निर्भर नहीं है। अगर विवाद बढ़ा तो असर दोनों पर होगा।बताया जाता है कि हाल ही में भारत में आयोजित हुए जी-20 सम्मेलन में जो बाइडेन सहित सभी वर्ल्ड लीडर्स के साथ पीएम मोदी की जबरदस्त बॉन्डिंग देखने को मिली थी हालांकि इस वैश्विक आयोजन में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो अलग-थलग दिखाई दिए थे। पीएम मोदी के साथ जब जस्टिन ट्रूडो की मुलाकात हुई थी तो पीएम मोदी ने कनाडा में चल रहीं भारत विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया था। खालिस्तानी एक्टिविटी पर जोर डालते हुए पीएम मोदी ने इस पर गहरी चिंता जाहिर की थी। जी-20 सम्मेलन में ऐसा पहली बार नहीं हुआ था जब भारत ने कनाडा के सामने भारत के खिलाफ चल रहे षड़यंत्र के मुद्दे को उठाया था।

वाहनों पर जातिगत-धार्मिक स्टिकर अशांति के स्पीकर-तनाव के ट्रीगर

डॉ सत्यवान सौरभ

जातिगत पहचानें लगातार नए अवतार लेती रहती हैं और हमारे सामाजिक जीवन में फिर से प्रकट होती हैं। वे वायरस की तरह उत्परिवर्तित होते हैं और विकास और वृद्धि के लिए आवश्यक सामाजिक जुड़ाव को नुकसान पहुंचाते हैं। मोटर वाहन अधिनियम के तहत, कार या दोपहिया वाहन पर पंजीकरण प्लेट सहित कहीं भी चिपकाए गए स्टिकर या संदेश या कुछ भी नहीं लिखा जा सकता है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 179 (1) वाहनों पर जाति और धर्म-विशिष्ट स्टिकर और लेखन के उपयोग पर रोक लगाती है। उत्तरप्रदेश पुलिस द्वारा वाहनों पर 'जाति और धार्मिक स्टिकर' प्रदर्शित करने के लिए चालान जारी करने की हालिया कार्रवाई ने ऐसे स्टिकर की वैधता के बारे में बहस छेड़ दी है। यह कदम, एक विशेष अभियान का हिस्सा, वाहन नियमों, सामाजिक मानदंडों और कानूनी प्रतिबंधों के अंतर्संबंध पर सवाल उठाता है। इस कदम ने राज्य और अन्य स्थानों पर सार्वजनिक बहस छेड़ दी कि क्या इससे हमारे समाज में जातिगत मान्यता कमजोर होगी। क्या यह भारत में जाति व्यवस्था को कमजोर करने में योगदान देगा? जाति और धार्मिक स्टिकरस्टिकर की वैधता का आकलन मोटर वाहन अधिनियम और मोटर वाहन नियमों के आधार पर किया जाता है। उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्य सरकारों ने वाहनों पर, यहां तक कि वाहन की बॉडी पर भी जाति और धर्म को सूचित करने वाले स्टिकर चिपकाने के खिलाफ आदेश जारी किए हैं। पंजीकरण नंबर प्लेट मोटर वाहन नियम पंजीकरण नंबर प्लेट पर स्टिकर लगाने से सख्ती से मना करते हैं। चुनौतीपूर्ण स्टिकर और कानून प्रवर्तन वाहनों पर ऐसे स्टिकर लगाने पर जुर्माना 1,000 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि पंजीकरण नंबर प्लेट पर स्टिकर लगाने पर यह बढ़कर 5,000 रुपये हो जाता है। हमने देखा है कि हमारे समाज में पश्चिम के सभी आधुनिक प्रभावों, बढ़ते शहरीकरण, गहरे होते लोकतंत्र और बढ़ते वैश्वीकरण के बावजूद, भारत में जाति व्यवस्था की नींव पर्याप्त रूप से कमजोर नहीं हुई है। चुनावी लोकतांत्रिक राजनीति ने एक ऐसा माहौल तैयार किया जिसमें जाति व्यवस्था को लगातार ऑक्सीजन मिलती रही और हर चुनाव में एक नया जीवन मिलता रहा। मुझे लगता है कि यह सरकार का सराहनीय फैसला है, क्या इससे भारत में गहरी जड़ें जमा चुकी जाति व्यवस्था को कमजोर करने में कोई खास योगदान मिलने वाला है। यह निश्चित रूप से सार्वजनिक स्थान पर जातिगत पहचान के आक्रामक दावे पर रोक लगाने जा रहा है। वास्तव में, यह प्रवृत्ति पहली बार पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे क्षेत्रों में देखी गई थी, जहां नव-अमीर, स्थानीय रूप से प्रभावशाली समूहों ने दावे के रूप में वाहनों की विंडस्क्रीन और नंबर प्लेटों पर अपनी जाति के नाम दिखाना शुरू कर दिया था। प्रतिक्रिया स्वरूप, इन क्षेत्रों में दलितों के नव-धनाढ्य वर्गों ने भी वाहनों पर अपनी जाति के नाम प्रदर्शित करना शुरू कर दिया। इससे इन क्षेत्रों में सीमित अर्थों में सामाजिक तनाव पैदा हो गया। सामाजिक रूप से कहें तो, यह अपनी जातिगत पहचान के साथ संपन्नता या नव अर्जित धन का प्रदर्शन है। अगर कोई इस तरह के कृत्यों का गहराई से अध्ययन करता है तो पता चलता है कि यह एक तरह से नव-अमीर सामाजिक वर्गों द्वारा अपनी सफलता का जश्न मनाने और इन सफलताओं के लिए अपनी जातियों को श्रेय देने का प्रयास है।

आतंकवाद से जूझ रहे भारत को कड़े निर्णय लेने की आवश्यकता

डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

आतंकवादी हमारे देश में फिर से घुसपैठ करने की कोशिश करने लगे हैं । अभी हाल में आतंकवादियों के हाथों सेना के कई जांबाज़ अफसर मारे गए । ये अब आये दिन की बात हो गई है। एक तरफ हम कुछ आतंकवादियों को मारते हैं लेकिन दूसरी तरफ फिर से नए आतंकवादी सर उठाने लगते हैं। ये अब अंतहीन सिलसिला हो गया है । पाकिस्तान आर्मी और वहाँ की आई एस आई निरंतर इन्हीं कामों में लगी हुई है क्योंकि उस देश के पास करने को अब कुछ नही बचा है। पाकिस्तान की जनता महंगाई और भुखमरी से त्रस्त है लेकिन वहाँ के सियासत में बैठे लोग सिर्फ भारत में आतंकवादियों को भेजकर खुश हैं। वैसे भारतीय सेना लगातार उन आतंकवादियों को उनके सही ठिकाने पर पहुँचाने का काम निरन्तर कर रही है और आगे भी करती रहेगी लेकिन एक बार पाकिस्तान को कड़ी सबक सिखाने का वक्त आ गया है ।आज गिलगिट और बिलोचिस्तान के भारत में मिलने की आवाज बुलंद होने लगी है और यही सही वक्त है कि भारत बांग्लादेश की तरह पी ओ के को भी पाकिस्तान के चंगुल से आजाद करवा दे। वैसे ऐसी स्थिति में पाकिस्तान से लंबी जंग लड़ने की जरूरत पड़ सकती है और दूसरा पाकिस्तान के पास अब परमाणु बम भी है । 1971 वाली स्थिति अब नही है इसलिए बहुत सोच समझकर कदम उठाना होगा लेकिन अब केवल सर्जिकल स्ट्राइक से काम नही चलने वाला है ।वैसे सेना के शहादत पर सरकार की खामोशी से ये जरूर महसूस हो रहा है कि भारतीय सेना की तरफ से कुछ बड़ा होने वाला है। शायद इसकी तैयारी गुपचुप तरीके से शुरू हो गई है । केवल समय निर्धारित करना है ।संभवतः एक या दो महीने में ऐसी सर्जिकल स्ट्राईक की संभावना जरूर है लेकिन इस बार कुछ ऐसा करना होगा जिसमें पाकिस्तान को दिये जाने वाले चोट उसे वर्षों तक याद रहे। फ्रांस से मिले रॉफेल लड़ाकू विमानों की सही टेस्टिंग अभी बाकी है। इसको आजमाना चाहिये ।हथियार केवल रखरखाव के लिए नहीं होना चाहिए बल्कि उसे समय समय पर उसकी उपयोगिता को साबित भी करना होगा ।वैसे पाकिस्तान के साथ युद्ध की स्थिति में हमें चीन के साथ परोक्ष रूप से लड़ना होगा क्योंकि आज चीन का हाथ पाकिस्तान के सर के ऊपर है ।आज पाकिस्तान चीन के सरपरस्ती के कारण उछलकूद मचाने में सक्षम है। चीन भी पाकिस्तान को अपने कर्ज के जाल में धीरे धीरे फँसाता जा रहा है ।आने वाले समय में पाकिस्तान का भी हाल श्रीलंका जैसा होने वाला है ।वैसे ये अलग बात है कि पाकिस्तान को इस्लाम के नाम पर मुस्लिम देशों से मदद मिलता रहेगा। पाकिस्तान आज अरब देशों के दिये गए भीख के बदौलत ही चल रहा है।

गणेश भक्तों के लिए संपूर्ण तीर्थ हैं ये मंदिर

श्री वरदविनायक- यह मंदिर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के कोल्हापुर क्षेत्र में स्थित है। इस मंदिर में नंददीप नाम का एक दीपक कई सालों से जल रहा है। मान्यता है कि यहां वरदविनायक का नाम लेने से ही सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई मंदिर- यह मंदिर पुणे में है। इसे 1893 में दगडूशेठ नाम के हलवाई ने अपने गुरू श्री माधवनाथ के कहने पर बनवाया था। यहां लाखों की तादाद में भक्तों की भीड़ उमड़ती है।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर- यह मंदिर जयपुर के मोतीडूंगरी में है। बताया जाता है कि यहां थापित मूर्ति जयपुर नरेश माधोसिंह प्रथम की पटरानी के मायके गुजरात के मावली से 1761 ई। में लाई गई थी।

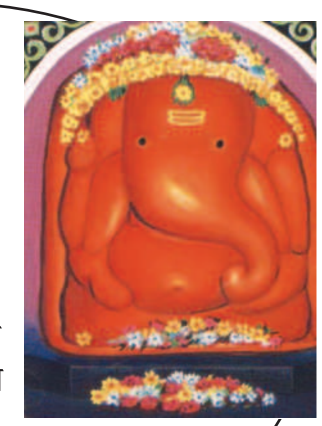

विघ्नेश्वर गणपति- यह मंदिर पुणे के ओझर जिले के जूनर में है। इस मंदिर की से जुड़ी पौराणिक कथा में बताया जाता है कि विघनासुर नाम का एक राक्षस था जो ऋषियों को कष्ट पहुंचाता था। भगवान गणेश ने इसी जगह उसको मारकर सभी को उस दानव के आतंक से मुक्त किया था। तभी से यह मंदिर विघ्नेश्वर, विघ्नहर्ता और विघ्नहार के नाम से जाना जाता है।

रणथंभौर गणेश जी- राजस्थान के रणथंभौर किले के महल पर बहुत पुराना मंदिर है। मान्यता है कि कृष्ण-रुकमणी के विवाह का पहला निमंत्रण इन्हें ही भेजा गया था। तब से लोग शादी का निमंत्रण सबसे पहले गणेश जी को भेजते हैं। यहां आज भी भक्त अपनी परेशानियां दूर करने के लिए गणेश जी को चिट्ठी भेजते हैं। पोस्टमैन एक दिन में सैकड़ों चिठ्ठियां लेकर आते हैं और पुजारी भगवान को पढ़कर सुनाते हैं।

चिंतामणि गणपति- यह मंदिर पुणे जिले के हवेली क्षेत्र में स्थित है। मंदिर के पास ही भीम, मुला और मुथा नाम की तीन नदियों संगम है। कहा जाता है कि भगवान ब्रम्हा ने अपने विचलित मन को वश में करने के लिए इसी जगह तपस्या की थी।

श्री बल्लालेश्वर मंदिर- यह मंदिर मुंबई-पुणे हाइवे पर और गोवा रूट पर नागोथाने से पहले 11 किलोमीटर दूर है। कहा जाता है कि प्राचीन समय में बल्लाल नाम लड़का गणेश जी का परमभक्त था। एक दिन उसने पाली गांव में विशेष पूजा का आयोजन किया। पूजन कई दिनों तक चल रहा था। इसमें शामिल कई बच्चे घर लौटकर नहीं गए और वहीं बैठे रहे। इस कारण उन बच्चों के माता-पिता ने बल्लाल को पीटा और गणेशजी की प्रतिमा के साथ उसे भी जंगल में फेंक दिया। गंभीर हालत में बल्लाल गणेशजी के मंत्रों का जप कर रहा था। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान ने उसे दर्शन दिए।

सिद्धिविनायक मंदिर- सिद्धिविनायक गणेश जी का सबसे अहम रूप है। जिन प्रतिमाओं की श्री गणपति की सूंड़ दाईं तरह मुड़ी होती है, वे सिद्धपीठ से जुड़ी होती हैं और उनके मंदिर सिद्धिविनायक कहलाते हैं। मुंबई के सिद्धिविनायक गणेश जी के दर्शन करने हिंदू ही नहीं, बल्कि हर धर्म के लोग आते हैं और पूजा-अर्चना करते हैं।

मनाकुला विनायगर मंदिर- भगवान गणेश का यह मंदिर पर्यटकों के बीच भी आकर्षण का केंद्र है। प्राचीन होने की वजह से इस मंदिर की बहुत मान्यता है। कहते हैं कि यह मंदिर पोंडिचेरी में फ्रांस के कब्जे से पहले का है। यहां भक्त दूर-दूर से दर्शन करने आते हैं।

मधुर महागणपति मंदिर- यह मंदिर केरल में है। यह भगवान गणेश के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है।

श्री गिरजात्मज गणपति मंदिर- यह मंदिर पुणे-नासिक हाईवे पर करीब 90 किलोमीटर दूर है। गिरजात्मज का मतलब है गिरिजा यानी माता पार्वती के पुत्र गणेश। यह मंदिर एक पहाड़ पर बौद्ध गुफाओं में बनाया गया है। यहां लेनयादरी पहाड़ पर 18 बौद्ध गुफाएं हैं और इनमें से 8वीं गुफा में गिरजात्मज विनायक मंदिर है। इन गुफाओं को गणेश गुफा भी कहा जाता है। मंदिर तक पहुंचने के लिए करीब 300 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं।

श्री मयूरेश्वर मंदिर- यह मंदिर पुणे से 80 किलोमीटर दूर है। यहां चार दरवाजे हैं। ये चारों दरवाजे चारों युग, सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के प्रतीक हैं। मान्यता है कि मयूरेश्वर मंदिर में भगवान गणेश ने सिंधुरासुर नाम के एक राक्षस का वध किया था। उन्होंने मोर पर सवार होकर राक्षस से युद्ध किया था। इसलिए यहां विराजे गणपति को मयूरेश्वर नाम से जाना जाता है।

खजराना गणेश मंदिर- इंदौर के खजराना में बना यह गणेश मंदिर काफी प्रचलित धार्मिक स्थल है। यहां दूर-दूर लोग दर्शन करने आते हैं और मन्नतें मांगते हैं। मां अहिल्याबाई के शासनकाल में बना यह मंदिर भक्तों की आस्था का प्रमुख केंद्र है।

गणेश टोंक मंदिर- गणेश टोक मंदिर सिक्किम में गंगटोक-नाथुला रोड से करीब 7 किलोमीटर की दूर है। यह मंदिर करीब 6,500 फीट ऊंची पहाड़ी पर बना है। यहां से शहर का नजारा ले सकते हैं।

अपनी 'ग्लैमरस' छवि से बहुत खुश हूं : उर्वशी रौतेला

खुश हूं अब तक के करियर से उसकी छवि ग्लैमरस है। जब उससे पूछा गया कि वह अपनी ग्लैमरस यात्रा को अब तक के करियर में किस तरह देखती है, उसका कहना था, मैं अपनी ग्लैमरस यात्रा से बहुत ज्यादा खुश हूं। इतना ही नहीं, मैंने अब तक सिनेमा में ग्लैमरस किरदार के अलावा भी तमाम चैलेंजिग किरदार निभाए हैं, जो दर्शकों को काफी हद तक पसंद आए हैं। मैं शुक्रगुजार हूं अपने करोड़ों दर्शकों की जिनका मुझे भरपूर प्यार हमेशा मिलता रहा और आगे भी मिलता रहेगा।

मॉडलिंग मेरे पहले प्यार जैसी एक्टिंग के साथ ही मॉडलिंग पसंद करने वाली उर्वशी ने कहा, मॉडलिंग मेरे लिए पहले प्यार की तरह है। कई फिल्मों के बावजूद आज भी मैं मॉडलिंग शोज में जाती हूं। मैं कान्स में हिस्सा लेने से लेकर उससे पहले पैरिस फैशन वीक में शामिल हुई थी। मैं इसराईल के शो में भी जा चुकी हूं, जो ऐतिहासिक रहा था। इसमें मैं 27 वर्ष की उम्र में यंगैस्ट जूरी बनी थी और भारत को वापस मिस यूनिवर्स का क्राऊन मिला था। तब इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मेरे पूरे परिवार को आमंत्रित किया था। उस दौरान मैंने उन्हें भगवद्‌गीता गिफ्ट की थी।

अपनी एक्टिंग से अधिक ब्यूटी तथा सोशल मीडिया पर ग्लैमरस फोटो-वीडियो के लिए चर्चा बटोरने वाली उर्वशी रौतेला हर समय अपनी पर्सनल और प्रोफैशनल लाइफ को लेकर सुर्खियां बटोरती रहती है। फिर चाहे निजी जिदगी में उसके रोमांस की बात हो या फिल्मों में आईटम सॉन्ग में डांस करने की, हर एक मिनट के लिए करोड़ों की फीस लिए जाने की बात हो, हर वक्त वह लाइमलाइट लूटती रहती है।

इन दिनों वह एक ताजा म्यूजिक वीडियो' हम तो दीवाने' में अपने काम को लेकर चर्चा में है। इसमें वह रियलिटी शो 'बिग बॉस ओ. टी.टी. 2' के विजेता एल्विश यादव के साथ रोमांस करती नजर आ रही है।

इस गाने में एल्विश के साथ काम करने के बाद से ही उर्वशी ने उसकी तारीफों के पुल बांधने शुरू कर रखे हैं। एल्विश के साथ काम करने को लेकर उर्वशी काफी खुश है और उसने तो यहां तक कह डाला है कि बॉलीवुड को उसके जैसे और हीरो की जरूरत है। उसने आगे कहा, ₹पूरी शूटिंग के दौरान, मेरा ध्यान केवल उन्हीं पर था, क्योंकि मेरा मानना है कि जब हीरो बैस्ट परफॉर्म करता है, तो ऑनस्क्रीन जोड़ी के रूप में हम बैस्ट दिखते हैं। दर्शक हमें अपना प्यार और आशीर्वाद प्रदान करें।

बता दें कि उनका यह गाना रिलीज होते ही इंटरनैट पर छा गया और महज 3 घंटे में ही इसे यू-ट्यूब पर 25 लाख से अधिक व्यूज मिल चुके थे। यह एक रोमांटिक सॉन्ग है, जिसमें दोनों की जोड़ी कमाल लग रही है।

'अंग्रेजी' कम आती है इसलिए लोग मजाक उड़ाते हैं : अर्चना गौतम

अर्चना गौतम इन दिनों रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी'13 के सीजन छोटा पर्दा में एक प्रतियोगी के रूप में नजर आ रही है। उसने बताया कि अंग्रेजी में अच्छी न होने के कारण कैसे लोग उसका मजाक उड़ाते हैं, लेकिन वह इससे हतोत्साहित नहीं होती। 'हिंदी दिवस' जो हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित करता है। उसी के बारे में बात करते हुए अर्चना ने कहा, इस बार के हिंदी दिवस पर, आइए उस भाषा का जश्न मनाने के लिए एक साथ आएं, जिसका इस्तेमाल अक्सर हम अपने दैनिक जीवन में महत्व को पूरी तरह से समझे बिना करते हैं।

उसने आगे कहा, कुछ लोग अक्सर मेरा मजाक उड़ाते हैं क्योंकि मेरी अंग्रेजी अच्छी नहीं है, लेकिन, मैं हतोत्साहित नहीं होती। ऐसा इसलिए, क्योंकि मैं अपनी मातृभाषा हिंदी को शुद्धता के साथ बोल सकती हूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि आज की वैश्वीकृत दुनिया में, हमें अपनी संस्कृति और विरासत को महत्व देने की आवश्यकता है। उसने यह भी उम्मीद जताई कि युवा पीढ़ी हिंदी का जश्न मनाने का महत्व सीखेगी। गौरतलब है कि रोहित शैट्टी द्वारा होस्ट किया जाने वाला स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी' मानवीय क्षमता और बहादुरी को दर्शाता है। अर्चना के अलावा शो में ऐश्वर्या शर्मा, अरिजीत तनेजा, डीनो जेम्स, नायरा बनर्जी, रश्मीत कौर, साऊंडस मौफकीर आदि प्रतियोगी हैं।

करिश्मा तन्ना को मिलेगा 'इंटरनैशनल अवार्ड!'

छोटे पर्दे से आगे बढ़ते हुए बड़े पर्दे पर अपनी अदायगी का जादू चलाने वाली करिश्मा तन्ना खबसूरती के मामले में बॉलीवुड की कई सुंदरियों को कड़ी टक्कर देती है।

गत दिनों वैब सीरीज 'स्कूप' में उसने अपनी एक्टिंग से सभी को खूब प्रभावित किया था। इसके अलावा जूही चावला और सोहा अली खान की लोकप्रिय वैब सीरीज' हुश हुश' में भी करिश्मा अहम भूमिका में नजर आचुकी है। उसे अपनी मेहनत का फल भी मिला है क्योंकि वैब सीरीज 'स्कूप' के साथ ही उसे एशिया कंटेंट अवाईस और ग्लोबल ओ.टी.टी. अवाईस 2023 के लिए नामित किया गया है। 'स्कूप' ने सर्वश्रेष्ठ एशियाई टी.वी. सीरीज वर्ग में अपनी जगह बनाई है, जबकि करिश्मा सर्वश्रेष्ठ मुख्य अभिनेत्री की ट्रॉफी के लिए मुकाबला कर रही है।

'स्कूप' सीरीज का निर्माण हंसल मेहता और मूणमयी लागू वाइकुल ने किया है, जिसे जून में प्रसारित किया गया था। सर्वश्रेष्ठ एशियाई टी. वी. सीरीज श्रेणी में 'स्कूप' का मुकाबला कजाखस्तान की 'द ब्लैक यार्ड', दक्षिण कोरिया की 'नॉट अदर्स', थाईलैंड की 'डिलीट' और ताइवान की 'ताइवान क्राइम स्टोरीज' से होगा।

पलक तिवारी इतने 'नखरे' ठीक नहीं

पलक तिवारी ने अब तक केवल एक ही फिल्म में काम किया है लेकिन लगता है उसका भाव सातवें आसमान पर पहुंच गया है। यही वजह है कि अब उसके नखरे कुछ बढ़ गए हैं। वैसे यह बात हम नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर कुछ लोग बोल रहे हैं। इन दिनों उसका एक वीडियो बहुत वायरल हो रहा है और उसी को देखकर लोग ऐसा बोल रहे हैं। दरअसल, इस वीडियो में पलक बोल्ड ड्रेस में बेहद खूबसूरत नजर आ रही है लेकिन वीडियो में जिस चीज ने सबका ध्यान खींचा, वह था उसका 'रवैया'। इसमें उसे ईशान खट्टर को नजरअंदाज करते और उसे 'नखरे दिखाते' हुए देखा जा सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने इसी वीडियो पर जम कर कमैंट किए हैं। उनमें से एक ने लिखा, ये कितना एटीच्यूड दिखा रही है। दूसरे ने कहा, यह रवैया ठीक नहीं है। तीसरे यूजर का कहना था, ₹पलक दिखावा करने वाली लगती हैं, बिना किसी मेहनत के स्टार रवैया अपनाती हैं।

कुछ लोगों का कहना है कि अभी तो पलक का करियर शुरू हुआ है और उसे एक लम्बा सफर तय करना है, अगर उसका यही रवैया रहा तो यह उसके लिए ठीक बात नहीं है।

बता दें कि पलक तिवारी और उसकी मां श्वेता तिवारी दोनों ही अपनी फिटनैस को लेकर काफी सजग रहती हैं और दोनों ही मां-बेटी अपनी लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर भी छाई रहती हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर पलक ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी मां के साथ वर्कआऊट करती नजर आई।

पलक ने वीडियो में मजाक करते हुए कहा, आज मैं आपको बताना चाहती हूं कि मैं बहुत मेहनती हूं। मैं अपनी कम मेहनती मां के साथ जिम आई, जो कसरत के बीच अपना काफी समय बर्बाद करती हैं।

सलमान खान संग पर्दे पर धमाल मचाने आ रहीं सामंथा रुथ? अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ बताया सच

सामंथा रुथ प्रभु अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। ऑटोइम्यून बीमारी मायोसिटिस को मात देने के बाद अभिनेत्री ने काम पर वापसी कर ली है। अभिनेत्री को हालिया रिलीज फिल्म 'खुशी' में देखा गया। वहीं, आने वाले दिनों में सामंथा, वरुण धवन के साथ वेब सीरीज 'सिटाडेल इंडिया' में नजर आएंगी। इतना ही नहीं बीते दिनों एक खबर आई कि सामंथा ने करण जौहर के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए हामी भर दी है, जिसमें वह सलमान खान के अपोजिट देखी जाएंगी। इन्हीं अफवाहों पर अब खुद सामंथा ने चुप्पी तोड़ते हुए बड़ा खुलासा किया है।

सलमान खान के साथ हिंदी फिल्म में डेब्यू करने की अटकलों के बीच सामंथा ने हाल ही में एक इंस्टाग्राम लाइव सेशन किया। इसमें उन्होंने बताया कि उनके अगले प्रोजेक्ट के लिए अभी कोई ठोस योजना नहीं है। अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन में सामंथा ने कहा, 'मेरा अगला प्रोजेक्ट वास्तव में एक भी नहीं है। कोई योजना नहीं है।' उन्होंने अपनी भविष्य की परियोजनाओं के बारे में अधिक समझदार होने की इच्छा व्यक्त की।

सामंथा रुथ प्रभु ने बताया कि वह अभी उन भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं, जो उन्हें चुनौती देती है। अभिनेत्री खुद को कम्फर्ट जोन से बाहर निकालना चाहती हैं। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, 'मैं उन चीजों के बारे में अधिक चयनात्मक होना चाहती हूं, जिन पर मैं काम करती हूं। जो चीजें वास्तव में मुझे मेरे कम्फर्ट जोन से बाहर धकेलती हैं, जब तक मुझे उस तरह की भूमिका नहीं मिलती, मुझे लगता है कि मैं ठीक हूं।' करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित आगामी फिल्म में सामंथा और सलमान खान के एक साथ अभिनय करने के बारे में अफवाहें फैल रही थीं, जिसमें निर्देशक विष्णुवर्धन भी थे। विष्णुवर्धन ने इंडस्ट्री को 'शेरशाह' जैसी सुपरहिट फिल्म दी है। हालांकि, सामंथा ने अपने हालिया इंस्टाग्राम लाइव सेशन में इन अफवाहों का खंडन कर दिया है। काम के मोर्चे पर बात करें तो, सामंथा को आखिरी बार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'खुशी' में देखा गया। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं, और इसने बॉक्स ऑफिस पर मध्यम सफलता हासिल की। सामंथा के अगले उद्यम में प्राइम वीडियो सीरीज 'सिटाडेल' का भारतीय रूपांतरण शामिल है, जिसमें वह वरुण धवन के साथ अभिनय करेंगी। वेब सीरीज से दर्शकों को काफी उम्मीदें हैं।

गैस्ट्रिक कैंसर का बढ़ रहा है खतरा
महिलाओं में जोखिम अधिक

कैंसर को गंभीर और जानलेवा बीमारियों में से एक माना जाता है, हर साल विभिन्न प्रकार के कैंसर के कारण लाखों लोगों की मौत हो जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, दुनियाभर में गैसट्रिक कैंसर ऐसा ही एक बढ़ता हुआ खतरा है जिसको लेकर सभी लोगों को विशेष सावधानी बरतते रहने की सलाह दी जाती है। गैसट्रिक कैंसर को 'स्टमक कैंसर' के नाम से भी जाना जाता है, हमारी लाइफस्टाइल की कुछ गड़बड़ आदतों के कारण इस रोग के बढ़ने का खतरा अधिक हो सकता है।

पेट के भीतर कोशिकाओं में असामान्य रूप से वृद्धि होने की समस्या इस रोग के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। वैसे तो पेट का कैंसर किसी को भी हो सकता है लेकिन इसका सबसे ज्यादा जोखिम 60 साल से अधिक उम्र वालों में अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा कुछ अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं के इस कैंसर से पीड़ित होने की आशंका अधिक हो सकती है।

गैस्ट्रिक कैंसर का जोखिम

गैस्ट्रिक कैंसर पेट के किसी भी हिस्से में हो सकता है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि गैस्ट्रिक कैंसर के ज्यादातर मामले, गैस्ट्रोएसोफेगल हिस्से में शुरू होते हैं, यह वो हिस्सा है जहां भोजन को ले जाने वाली लंबी नली पेट से मिलती है। भोजन को पेट तक ले जाने वाली नली को ग्रासनली कहते हैं।

डॉक्टर कहते हैं, पेट के कैंसर का इलाज आसान हो सकता है अगर कैंसर सिर्फ पेट तक ही सीमित है या फिर समय रहते इसकी पहचान कर ली जाए। इसके लक्षणों की पहचान करना बहुत आवश्यक हो जाता है।

गैस्ट्रिक कैंसर के लक्षण

गैस्ट्रिक कैंसर के लक्षण हर बार नजर आएं, ये आवश्यक नहीं है। पेट का कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैल सकता है, जिस हिस्सों में ये कैंसर फैलता है उसके आधार पर इसके लक्षण अलग हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब कैंसर लिम्फ नोड्स में फैलता है तो इसमें गांठें हो सकती हैं जिन्हें आप त्वचा के माध्यम से महसूस कर सकते हैं। लिवर तक फैलने वाले कैंसर के कारण त्वचा और आंखों का सफेद भाग पीला पड़ सकता है।

पेट के भीतर कैंसर फैलने की स्थिति में पेट में तरल पदार्थ भर सकता है जिससे पेट सूजा हुआ दिखता है।

क्यों होता है ये कैंसर?

यह स्पष्ट नहीं है कि पेट का कैंसर किस कारण से होता है? हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि ज्यादातर मामलों में ये तब शुरू होता है जब पेट की अंदरूनी परत को किसी चीज के कारण नुकसान पहुंचने लगता है। उदाहरण में पेट में संक्रमण होना, लंबे समय से एसिड रिफ्लक्स की समस्या बने रहना या बहुत अधिक नमकीन खाद्य पदार्थों का सेवन भी इस समस्या के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है।

ऐसे लोगों को हो सकता है खतरा

कुछ स्थितियां आपमें इस कैंसर के जोखिमों को बढ़ाने वाली हो सकती है। इसमें खान-पान और लाइफस्टाइल में होने वाली समस्याओं को प्रमुख माना जाता है।

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स की समस्या वाले लोगों में पेट के कैंसर के विकसित होने का जोखिम अधिक देखा जाता रहा है। इसके अलावा नमकीन और स्मोक्ड खाद्य पदार्थ, गैस्ट्राइटिस की बीमारी या अधिक धूम्रपान करने वाले लोगों में भी इसका खतरा हो सकता है। डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों के परिवार में पहले किसी को ये कैंसर की समस्या रही है उन्हें इसके खतरे को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

नींद की कमी बना सकती है आपको हृदय रोगी
इसके कारण समय से पहले मौत का भी खतरा

क्या आप रात में अच्छी नींद ले पा रहे हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, यह वैश्विक स्तर पर चर्चा में काफी बड़ा प्रश्न है, क्योंकि नींद पूरी न हो पाने की समस्या बड़ी चिंता बनकर उभरती हुई देखी जा रही है। विशेषकर कोरोना महामारी के बाद यह जोखिम और भी बढ़ गया है, लगभग हर उम्र के लोगों में इसका खतरा देखा जा रहा है।

अध्ययनकर्ता कहते हैं, सभी लोगों के लिए रात में कम से कम आठ घंटे की निर्बाध नींद बहुत जरूरी है। नींद की कमी होने से शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम हो सकता है।

अध्ययनकर्ताओं ने बताया कि जिन लोगों की नींद पूरी नहीं हो पा रही है, उनमें समय के साथ कई प्रकार की गंभीर और क्रोनिक बीमारियों के विकसित होने का खतरा हो सकता है। यह आपमें हृदय रोगों के साथ, डायबिटीज की जटिलताओं को बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करने वाली समस्या हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी रात में निर्बाध नींद लेना जरूर सुनिश्चित करें।

हृदय की गंभीर समस्याओं का जोखिम

क्या आप रात में 6 घंटे से कम सोते हैं? अगर हां तो आपको हृदय रोग होने की अधिक आशंका है। डॉक्टर निश्चित नहीं हैं कि यह कैसे काम करता है, लेकिन माना जाता है कि नींद की कमी से रक्तचाप और तनाव बढ़ जाता है जो सीधे तौर पर हृदय के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है। इसके अलावा शोधकर्ताओं ने सोने में परेशानी और हार्ट फेलियर के जोखिमों के बीच संबंधों को लेकर भी अलर्ट किया है। शोध के मुताबिक अनिद्रा की समस्या शरीर की तनाव प्रतिक्रिया को ट्रिगर करती है, जो समय के साथ आपके दिल को कमजोर कर सकती है।

हार्ट फेलियर का खतरा

जर्नल में छपी अध्ययन की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों का कहना है कि हृदय विफलता एक दीर्घकालिक समस्या है जो अनुमानित 60 लाख अमेरिकी लोगों को प्रभावित करती है। हार्ट फेलियर से पीड़ित लोगों की संख्या 2030 तक 46% (8 मिलियन से अधिक) बढ़ने का अनुमान है। इसके लगभग 75% रोगियों में निदान के दौरान नींद की गड़बड़ी (एसडी) या अनिद्रा जैसी समस्याओं का पता लगाया गया है। नींद पूरी होने की समस्या उन स्थितियों को भी बढ़ाने लगती है जिसके कारण हृदय की गंभीर बीमारियों के विकसित होने का भी जोखिम रहता है।

बढ़ सकता है आपका वजन

एक अन्य शोध में पाया गया कि यदि आप रात में 6 घंटे से कम सोते हैं, तो इसके कारण शरीर में वसा की मात्रा अधिक हो सकती है। इसे व्यवस्थित रखने के लिए आपको रोजाना कम से कम 8 घंटे सोना चाहिए। जब आप कम नींद लेते हैं तो आपका शरीर बहुत अधिक इंसुलिन बनाता है, जिससे वजन बढ़ सकता है। यह आपके भूख को प्रभावित करने वाले हार्मोन्स के लिए भी दिक्कतों को बढ़ाने वाली स्थिति हो सकती है।

डॉक्टर बढ़े हुए वजन की स्थिति को भी गंभीर हृदय रोगों के खतरे से जोड़कर देखते हैं।

समय से पहले मृत्यु का खतरा

यदि आप रात में 5 घंटे से कम सोते हैं तो यह स्थिति आपमें समय से पहले मृत्यु के खतरों को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। नींद की समस्याएं कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों के जोखिम को बढ़ाने वाली मानी जाती हैं।

जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उनमें हृदय रोगों की समस्या के साथ डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और तंत्रिकाओं की दिक्कत भी होने लगती है, जो समय से पहले मृत्यु के कारणों में से एक हैं।

कॉलर पर मौजूद जिद्दी दाग को सिर्फ 5 मिनट में साफ करता है यह 1 घरेलू नुस्खा

साफ-सुथरा कपड़ा पहनना लगभग हर किसी को पसंद होता है। इसलिए कई लोग शर्ट से लेकर अन्य कपड़े साफ और प्रेस करके पहनने का शौक रखते हैं। लेकिन यह कई बार देखा जाता है कि शर्ट के अन्य हिस्से तो चमकते हैं, पर शर्ट के कॉलर पर जिद्दी दाग मौजूद ही रहता

है। बार-बार की सफाई के बाद भी कॉलर से तेल, पाउडर आदि के दाग साफ नहीं होते हैं। इसलिए शर्ट का कॉलर सबसे अधिक और सबसे तेजी से गंदा होता है। हम आपको एक ऐसी चीज के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके इस्तेमाल से शर्ट के कॉलर पर मौजूद जिद्दी से जिद्दी दाग को चंद मिनटों में साफ करके चमका सकते हैं।

शर्ट के कॉलर को साफ करने से पहले करें ये काम

शर्ट के कॉलर पर मौजूद जिद्दी से जिद्दी दाग को साफ करना कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन सफाई करने के लिए आपको कुछ चीजों की जरूरत पड़ेगी। जैसे- सिरका, बेकिंग सोडा, नींबू का रस, अमोनिया पाउडर और स्टार्च। इसके अलावा आप ब्लीच पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

विनेगर के इस्तेमाल से कॉलर को साफ करें

सफेद शर्ट लेकर रंगीन शर्ट के कॉलर में लगे जिद्दी से जिद्दी दाग को साफ करने के लिए जिस एक चीज का जिक्र कर रहे हैं उसका नाम विनेगर (सिरका) है। सिरके के इस्तेमाल से कुछ ही देर में कॉलर को साफ करके चमका सकते हैं। इसके लिए आपको अधिक मेहनत भी करने की जरूरत नहीं है। फॉलो करें ये स्टेप्स-

सबसे पहले शर्ट को नॉर्मल पानी में डुबोकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे गंदगी नरम जाएगी।

इधर एक बाउल में 2-3 चम्मच विनेगर और 2 चम्मच नींबू के रस को डालकर मिक्स कर लें।

अब मिश्रण ले आधे हिस्से को शर्ट के कॉलर पर डालकर करीब 5 मिनट के लिए छोड़ दें।

5 मिनट बाद बचे हुए आधे मिश्रण में ब्रश को डुबोकर कॉलर को रगड़े।

इस प्रक्रिया को 5 मिनट लगातार करते रहे। दाग साफ करने के बाद शर्ट को पानी से साफ कर लें।

विनेगर और बेकिंग सोडा का मिश्रण इस्तेमाल करें

शायद आपको मालूम होगा, अगर नहीं मालूम है तो आपको बता दें कि विनेगर और बेकिंग सोडा का मिश्रण शर्ट के किसी भी हिस्से में लगे दाग को आसानी से साफ कर सकता है। इनके इस्तेमाल से सब्जी का दाग, चाट, चटनी, हल्दी आदि का दाग भी कुछ ही देर में साफ सकते हैं। फॉलो करें ये स्टेप्स-

सबसे पहले एक बाउल में 2-3 चम्मच विनेगर को डालें।

अब इसमें 1-2 चम्मच बेकिंग बेकिंग सोडा को डालकर गाढ़ा मिश्रण तैयार कर लें।

इसके बाद मिश्रण में ब्रश को डुबोकर कॉलर पर लगा दें और 5 मिनट मिनट के लिए छोड़ दें।

5 मिनट बाद क्लीनिंग ब्रश से रगड़कर कॉलर को साफ कर लें।

विनेगर और स्टार्च के इस्तेमाल से कॉलर को साफ करें

विनेगर और स्टार्च का मिश्रण भी शर्ट के कॉलर पर मौजूद तेल, साबुन, पाउडर आदि के दाग को साफ करने के लिए एक बेस्ट विकल्प हो सकता है। इसका इस्तेमाल से सफेद शर्ट की सफाई करने से लेकर रंगीन शर्ट की भी सफाई कर सकते हैं। फॉलो करें ये स्टेप्स-

सबसे पहले एक बर्तन में 2-3 चम्मच विनेगर को डालें।

इसके बाद इसमें 2 चम्मच स्टार्च और 2-3 चम्मच पानी को दलकर अच्छे से मिक्स कर लें।

अब मिश्रण को हल्का गुनगना कर लें और मिश्रण में ब्रश को डुबोकर कॉलर पर 5 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें।

5 मिनट बाद क्लीनिंग ब्रश से रगड़कर साफ कर लें।

तौलिए से नहीं आएगी फंफूद जैसी बदबू, अपनाएं ये हैक्स

तौलिए से बदबू दूर करने के लिए आपको महंगे डिटर्जेंट की जरूरत नहीं है। गर्म पानी से लेकर नींबू तक के उपयोग से आप इस समस्या से छुटकारा पा सकती हैं। नहाने के बाद हाथ-मुंह और शरीर को पहुंचने के लिए तौलिए का इस्तेमाल किया जाता है। अक्सर तौलिया गंदा होता है। गंदे तौलिए के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा रहता है। इसलिए तौलिए को अच्छे से साफ करना चाहिए और हर दूसरे या तीसरे दिन वॉश करना चाहिए।

क्या आपने यह महसूस किया है कि तौलिए को धोने के बाद इसमें से फफूंद जैसी बदबू आती है? जिसके कारण तौलिए का इस्तेमाल करने का मन भी नहीं करता है। आज इस आर्टिकल में हम आपको तौलिए से आ रही है फंफूद की बदबू से छुटकारा पाने के आसान तरीका बताएंगे। साथ ही यह भी बताएंगे कि किन कारणों से तौलिए से बदबू आती है।

तौलिए से बदबू आने के कारण

अक्सर हम सभी यह गलती करते हैं कि बाथरूम में गीला तौलिया छोड़ देते हैं। गीले तौलिए में नमी रह जाती है, जिसके कारण तौलिए से फफूंद जैसी बदबू आने लगती है। टॉयलेट बंद होने के कारण तौलिया सही तरीके से सूख भी नहीं पाता है।

अक्सर लोग तौलिए को सही तरीके से सुखाते नहीं हैं। गीले तौलिए को सुखाने के लिए पहले ड्रायर का इस्तेमाल करना चाहिए। इसके बाद धूप में सुखाना चाहिए। ऐसा करने से तो तौलिया पूरी तरह से ड्राई हो जाता है और इसमें से बदबू नहीं आती है।

2 दिन से ज्यादा एक तौलिए का इस्तेमाल करने से फफूंद जैसी बदबू आने लगती है। इसलिए हर दूसरे दिन नए और साफ तौलिए का उपयोग करें।

बेकिंग सोडा से कैसे दूर करें तौलिए की बदबू?

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल घर में कई तरीकों से किया जाता है। कपड़ों से दाग-धब्बे हटाने से लेकर बाथरूम से आने वाली बदबू से छुटकारा पाने के लिए बेकिंग सोडा फायदेमंद होता है।

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है कि तौलिया धोने के बाद भी उसमें फंफूद की बदबू आती है? जिसके कारण आप उस तौलिए का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं? ऐसे में तौलिए से बदबू दूर करने के लिए बेकिंग सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं-

पानी को अच्छे से गर्म कर लें।

अब गर्म पानी में एक कप बेकिंग सोडा डालें।

बेकिंग सोडा के इस घोल में कुछ देर तौलिए को भिगो कर रख दें।

आप चाहें, तो मशीन में भी तौलिए को धो सकती हैं। मशीन में धोने के लिए हॉट वाटर साइकिल का इस्तेमाल करें। करीब आधे घंटे बाद तौलिए को डबल रिंस करें, ताकि तौलिए में बेकिंग सोडा का कोई भी अवशेष ना रहे।

एक बार बेकिंग सोडा के घोल में तौलिए को धोने से आप आएंगे कि इसमें से बदबू नहीं आ रही है।

तौलिए को धोने के लिए कैसे करें सिरका का इस्तेमाल?

अगर आपके तौलिए से बदबू आती है, तो इसे सामान्य पानी और डिटर्जेंट से धोने के बजाय सिरके का इस्तेमाल करें। सिरका नेचुरल क्लीनर डिओडराइजर है। इसलिए सिरके से कपड़ा धोने से बदबू नहीं आती है।

सबसे पहले आपको पानी को गर्म करना होगा।

अब तौलिए को गर्म पानी में भिगो लें।

गर्म पानी में एक कप व्हाइट विनेगर डालें।

तौलिए को इस सॉल्यूशन में करीब 1 घंटे तक भिगने के लिए छोड़ दें।

करीब 1 घंटे बाद एक कप सिरका में लॉन्ड्री डिटर्जेंट डालकर तौलिए को अच्छे से धो लें।

ऐसा करने से तौलिए से बदबू नहीं आएगी। तौलिए को तुरंत सुखाना ना भूलें। तौलिए को सुखाने के लिए आप मशीन का इस्तेमाल कर सकती हैं, क्योंकि इसमें आसानी से तौलिया पूरी तरीके से सूख जाता है।

तौलिए को साफ रखने के तरीके?

तौलिए को गीली जगह पर न रखें। इसके कारण तौलिए से बदबू आने लगेगी। आप तौलिए को फोल्ड करके रख सकती हैं। इसके अलावा, हैंगर में टांगकर रखें।

तौलिए को सुखाना जरूरी है। तौलिए को स्टैंड पर डालकर सुखाएं। आप चाहें, तो तार में भी सुखा सकती हैं।

तौलिए को सही तरीके से धोना जरूरी है। अक्सर महिलाएं कपड़े धोने के लिए ज्यादा डिटर्जेंट का इस्तेमाल करती हैं। उन्हें लगता है कि ऐसा करने से कपड़ा साफ और चमक जाएगा।

ऐसा नहीं करना चाहिए। कई बार ज्यादा काम की वजह से तौलिए को धोने का समय नहीं मिलता है। ऐसे में तौलिए पर बैक्टीरिया न पैदा हो, इसके लिए आप एंटी- बैक्टीरियल लिक्विड स्प्रे का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे स्प्रे करने से बैक्टरिया मर जाते हैं और बदबू भी नहीं आती है।

इन उपायों को अपनाकर दीवार पर लगी दीमक से छुटकारा पाएं

घर में छिपकली, कॉकरोच, चूहे और छोटे-मोटे कीड़े-मकौड़े हो जाते हैं। कुछ मौसम के कारण होते हैं, लेकिन यह सभी कीड़े परेशान करते हैं। घर की दीवारों को साफ रखना बेहद मुश्किल काम होता है। कभी बच्चे तो कभी खुद हमारी गलती के कारण दीवारों पर दाग लग जाता है।

सोचिए क्या हो जब घर की दीवारों को दीमक खोखला कर दे? दीवार पर दीमक लगना बेहद समस्या है। दीमक नमी के कारण पनपते हैं। खासतौर पर मानसून के मौसम में यह परेशानी अधिक होती है। अगर आपकी दीवारों को भी दीमक ने खोखला कर दिया है, तो आज इस आर्टिकल में हम आपको पांच आसान उपाय बताएंगे, जिनकी मदद से आपकी दिवारी एकदम नहीं जैसी हो जाएंगी।

दीमक से छुटकारा कैसे पाएं?

दीवार पर लगी दीमक को हटाने के लिए आप हॉट पेपर स्प्रे का इस्तेमाल कर सकती हैं। बाजार से हॉट पेपर स्प्रे खरीदने की जरूरत नहीं है। आप इसे घर पर भी बना सकती हैं। हॉट पेपर स्प्रे बनाने के लिए इन स्टेप्स को फॉलो करें-

एक बड़े हॉट पेपर को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। अब 2 कप पानी में हॉट पेपर को भिगो लें। करीब आधे घंटे बाद छलनी की मदद से एक स्प्रे बोतल में पानी को छान लें। लीजिए बन गया दीमक से छुटकापा पाने के लिए स्प्रे। इस स्प्रे का इस्तेमाल दीमक पर करें। यही नहीं, छोटे कीड़े-मकौड़ों को मारने के लिए भी आप इस स्प्रे का छिड़काव कर सकती हैं।

दीमक मारने के लिए कैसे करें हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल?

क्या आपके घर की सुंदर दीवारों में दीमक लग गई है? इसके कारण घर गंदा भी नजर आता है। ऐसे में आपको समय रहते ही इन समस्या से छुटकारा पा लेना चाहिए। दीमक को मारने के लिए आप हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके उपयोग से दीमक से लेकर कीड़े-मकौड़े, तक मर जाते हैं।

एक स्प्रे बोतल में आधा कप हाइड्रोजन पेरॉक्साइड में आधा कप पानी मिला लें।

अब इसमें नींबू का रस निचोड़ लें। बोतल को अच्छे से हिला लें, ताकि दोनों चीजें अच्छे से निक्स हो जाए। इस स्प्रे को दीमक वाली जगह पर छिड़कें। इसके इस्तेमाल से दीमक तुरंत मर जाएंगे।

इस बात का ध्यान रखें कि हाइड्रोजन पेरॉक्साइड एक केमिकल है। ऐसे में इसका इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें। हाथों में ग्लव्स पहन लें। साथ ही, इसे बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

दीमक मारने के लिए कैसे करें डिश सोप का उपयोग?

डिश सोप का इस्तेमाल बर्तन धोने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके उपयोग से घर के अन्य काम भी निपटाए जा सकते हैं। कपड़ों पर लगे दाग-धब्बों को हटाने से लेकर टाइल्स को चमकाने तक के लिए डिश सोप असरदार घरेलू उपाय है। घर की दीवारों में दीमक लग जाती है। दीमक के कारण दीवारें अंदर से खोखली होने लगती हैं। दीमक को मारने के लिए इस तरह करें डिश सोप का उपयोग-

एक स्प्रे बोतल में डिश सोप और गर्म पानी डालें। पानी की मात्रा ज्यादा नहीं होनी चाहिए। वरना, यह कम असरदार होगा।

बस आपको दीवार पर इसे स्प्रे करना होगा और दीमक मर जाएंगे।

दीमक से निजात पाने के घरेलू उपाय

सिरका का इस्तेमाल घर के कई कामों में किया जा सकता है। इनमें कपड़े से बदबू दूर करने से लेकर जाम नाली को खोलना तक शामिल है। अगर आप दीमक से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो उसके लिए व्हाइट विनेरा का इस्तेमाल कर सकती हैं-

एक बोतल में सिरका और पानी बराबर मात्रा में डालें। अब इसमें 2 चम्मच बेकिंग सोडा और थोड़ा सा नींबू का रस निचोड़ लें। दीमक वाली जगह पर इसे छिड़क दें। आप चाहें, तो घर की अन्य दीवारों पर स्प्रे कर सकती हैं, ताकि वहां दीमक न हो।

दीमक से निजात पाने के लिए किस तेल का इस्तेमाल करें?

दीमक को मारने के लिए आप तेल का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। नीम से लेकर लहसुन का तेल दीमक से छुटकारा पाने के लिए असरदार घरेलू उपाय है। आपको बाजार में आसानी से ये तेल मिल जाएंगे। बस आपको दीमक वाली जगह पर इन्हें छिड़कना होगा।

तेल को पानी में डायल्यूट करें। इसके बाद ही इनका उपयोग करें। अगर दीमक ज्यादा हैं, तो रोजाना इन तेलों का इस्तेमाल करने से ही असर दिखेगा।

दीवार पर पानी न गिरने दें। साथ ही, सीलन को तुरंत सही करवाएं। ये दोनों चीजें दीमक का कारण बनती हैं।

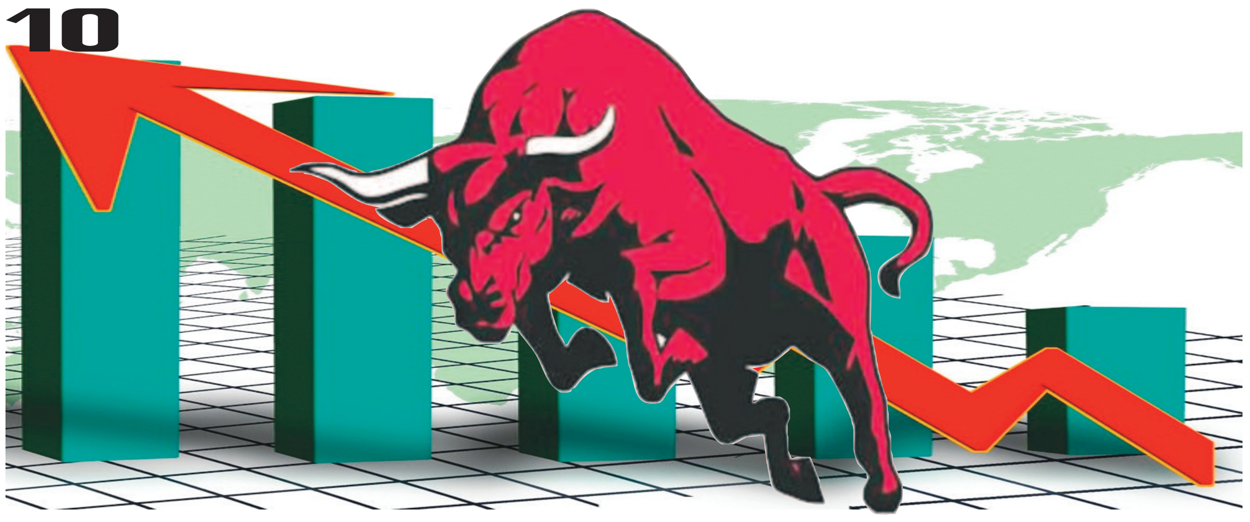

अकासा एयर: 43 पायलटों के इस्तीफे के बाद संकट में एयरलाइन

700 उड़ानें हो सकती हैं कैंसिल, बडी संख्या में यात्री फंसे

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हाल ही में शुरू हुए अकासा एयर पर भी संकट के बादल गहरा गए हैं। 43 पायलटों के इस्तीफे के बाद एयरलाइन को बंद करने की नौबत आ सकती है, एयरलाइन ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट को यह जानकारी दी है। पायलटों के अचानक इस्तीफे के कारण विमानन कंपनी को सितंबर में हर दिन 24 उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एयरलाइन के वकील ने जस्टिस मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा को बताया कि चूंकि पायलटों ने छह महीने (फर्स्ट ऑफिसर के लिए) और एक साल (पायलट के लिए) की अनिवार्य नोटिस अवधि को पूरा नहीं किया, इसलिए अकासा एयर को प्रत्येक दिन कई उड़ानें रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पायलट कथित तौर पर अकासा एयर की प्रतिद्वंद्वी एयरलाइंस में शामिल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि एक शीर्ष कार्यकारी ने एक प्रतिद्वंद्वी समूह को पत्र लिखकर पायलटों के बाहर

निकलने पर एयरलाइन की चिंता व्यक्त की और इसे अनैतिक बताया। एक दिन में 120 उड़ानों का संचालन करने वाली अकासा एयर को उम्मीद है कि अगर इस्तीफे जारी रहे तो अकेले इस महीने 600-700 उड़ानें रद्द कर दी जाएंगी। उसने अगस्त में 700 उड़ानें रद्द की थीं। एयरलाइन ने अदालत से नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को अनिवार्य नोटिस अवधि नियमों को लागू करने का अधिकार देने का अनुरोध किया है।एयरलाइन कथित तौर पर पायलटों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग कर रही है और उड़ानों के रद्द होने और ग्राउंडिंग के कारण राजस्व के नुकसान के लिए मुआवजे के रूप में लगभग 22 करोड़ रुपये की मांग कर रही है।पिछले सप्ताह एयरलाइन ने कहा था कि वह उन पायलटों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग कर रही है जो अनुबंध ति नोटिस अवधि पूरी किए बिना चले गए। अकासा एयर के एक प्रवक्ता ने कहा, 'हमने केवल उन पायलटों के एक छोटे समूह के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है, जिन्होंने अपनी ड्यूटी छोड़ दी और अपनी अनिवार्य अनुबंध नोटिस अवधि को पूरा किए बिना चले गए। यह न केवल उनके अनुबंध का बल्कि देश के नागरिक उड्डयन विनियमन का भी उल्लंघन था। यह न केवल कानून की दृष्टि से गैरकानूनी है, बल्कि एक अनैतिक और स्वार्थी कृत्य भी है, जिसने अगस्त में उड़ानों को बाधित किया, जिससे अंतिम समय में उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जिससे हजारों ग्राहक फंस गए, जिससे यात्रा करने वाले लोगों को काफी असुविधा हुई।

अमेरिका में संकट: फिर मंडरा रहा शटडाउन का खतरा

सांसदों में नहीं बनी सहमति तो बंद हो जाएगी कर्मियों की सैलरी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। संयुक्त राज्य अमेरिका संभावित सरकारी शटडाउन से दो सप्ताह से भी कम दूर है, इसकी आशंका इसलिए बढ़ गई है क्योंकि सांसद अल्पकालिक खर्च बिल पर सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वाशिंगटन में वर्तमान में कई बजट विधेयकों पर चर्चा चल रही है, लेकिन डेमोक्रेट-बहुमत सीनेट और रिपब्लिकन-नियंत्रित प्रतिनिधि सभा किसी के पास दोनों को मंजूरी देने के लिए पर्याप्त वोट नहीं हैं।उसांसदों के पास किसी समझौते पर पहुंचने के लिए 30 सितंबर की मध्यरात्रि तक का समय है, अगर ऐसा नहीं होता है तो सरकारी सेवाओं के लिए धन समाप्त हो जाएगा। सरकारी शटडाउन की आशंका ने सैकड़ों हजारों कामगारों के वित्तीय भविष्य को खतरे में डाल दिया है, जिन्हें पार्क, संग्रहालय और अन्य संघीय संपत्तियों के बंद होने के कारण बिना वेतन के रहना पड़ा सकता है। हालांकि नीति निर्माता आम तौर पर इस स्थिति से बचने की उम्मीद जता रहे हैं, लेकिन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ गठबंधन करने वाले कुछ समर्थकों ने अब तक टेबल पर हर बिल का विरोध किया है। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को एक बयान में कहा, वित्त वर्ष खत्म होने में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है और ऐसे में सदन के अतिवादी रिपब्लिकन लोगों के जीवन के साथ पक्षपातपूर्ण खेल खेल रहे हैं।

यूक्रेन की सहायता पर भी अनिश्चितता

इस गतिरोध का यूक्रेन में युद्ध पर असर पड़ सकता है, क्योंकि व्हाइट हाउस को कीव की सैन्य और मानवीय सहायता में 24 बिलियन डॉलर जोड़ने के लिए सांसदों द्वारा पारित बजट का इंतजार है।हालांकि इस तरह की योजना को सीनेट में डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ही ओर से समर्थित किया जाता है, हालांकि सदन के कुछ सदस्यों की ओर से इसका विरोध भी किया गया है। धुर दक्षिणपंथी प्रतिनिधि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने एक्स (पहले ट्विटर) पर कहा, मैं यूक्रेन में युद्ध, कोविड-19 और राजनीतिक हथियारों से लैस सरकार के लिए एक भी पैसा देने के लिए मतदान नहीं करूंगीं।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन इस सप्ताह के अंत में वाशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात करने वाले हैं। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के बहुमत के नेता चक शूमर ने कहा, ऐसे समय में जब राष्ट्रपति जेलेंस्की (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) के खिलाफ मजबूती से खड़े होने के लिए अमेरिका आ रहे हैं, प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन नेतृत्व अनिवार्य रूप से उनसे कह रहा है कि 'आप अपने दम पर लड़ें।

जून में आया था कर्ज का संकट

हाल के महीनों में यह दूसरी बार है जब दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था वित्तीय संकट का सामना कर रही है। जून में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जैसे-तैसे संभावित ऋण चूक को टाल दिया, क्योंकि अमेरिकी सीनेटरों ने हफ्तों की तनावपूर्ण बातचीत के बाद संघीय ऋण सीमा को निलंबित करने के लिए मतदान किया था।

भारतीय अर्थव्यवस्था: प्रतिकूल वैश्विक माहौल में भी प्रदर्शन अच्छा

एमपीसी सदस्य बोलीं- आर्थिक संकेतक बेहतर हुए

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय अर्थव्यवस्था प्रतिकूल वैश्विक माहौल के बीच अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति की सदस्य आशिमा गोयल ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार ने पिछले नौ साल के दौरान कई सुधार लागू किए हैं, जिससे महत्वपूर्ण वृहद आर्थिक संकेतक बेहतर हुए हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत को अभी अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए काफी लंबा रास्ता तय करना है। गोयल ने मीडिया से कहा, ''संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार को विरासत में एक मजबूत अर्थव्यवस्था मिली थी और साथ ही उस दौर की ऊंची वृद्धि से भी उसे लाभ हुआ था।'' उन्होंने कहा कि 2008 के बाद वैश्विक आर्थिक संकट के प्रभाव और भ्रष्टाचार से जुड़े

घोटालों से अर्थव्यवस्था कमजोर हुई। उनसे पूछा गया था कि वह संप्रग सरकार के 10 साल (2004-14) और मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नौ साल के कार्यकाल के प्रदर्शन की तुलना कैसे करेंगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार को दोहरा घाटा (उच्च राजकोषीय घाटा और उच्च चालू खाते का घाटा), ऊंची मुद्रास्फीति और कमजोर बैंक विरासत में मिले थे लेकिन उन्होंने इन सभी में सुधार किया है, और अन्य सुधारों को भी लागू किया है। इसी कारण एक प्रतिकूल वैश्विक वातावरण में भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कुछ अमेरिकी अर्थशास्त्रियों के इस दावे कि भारत आर्थिक वृद्धि को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है, गोयल ने कहा कि तिमाही आंकड़ों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश नहीं किया जा सकता। ये आंकड़े मौसमी और आधार प्रभाव के साथ-साथ 'माप' के मुद्दों पर आधारित होते हैं। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही की वृद्धि दर आधार प्रभाव की वजह से ऊंची रही है। 2020-21 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था में 23.2 प्रतिशत की बड़ी गिरावट आई थी। उन्होंने कहा कि 2021-22 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 21.6 प्रतिशत रही। 2022-23 की पहली तिमाही में यह 13.1 पतिशत और 2023-24 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही है।

शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट, सेंसेक्स 800 अंकों तक टूटा-निफ्टी 200 अंक फिसलकर 19,900 के करीब

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजार में चौतरफा बिकवाली देखी जा रही है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक की भारी गिरावट के चलते शेयर बाजार में कमजोरी हावी हो गई है और आज सेंसेक्स 800 अंकों से ज्यादा टूटकर 66728 तक के निचले लेवल तक नीचे चला गया था। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों करीब सवा फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। आज अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले भारतीय शेयर बाजार में कमजोर सेंटीमेंट के चलते घबराहट में बिकवाली का आलम बना हुआ है। 2 बजकर 40 मिनट पर बीएसई का सेंसेक्स 765.73 अंक यानी 1.13 फीसदी की गिरावट के साथ 66,831 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा एनएसई का निफ्टी 215.30 अंक या 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 19,918 के लेवल पर कारोबार कर रहा था। बैंक निफ्टी भी 589.20 अंक यानी 1.28 फीसदी की गिरावट के साथ 45,390 के लेवल पर देखा जा रहा था।बाजार की गिरावट के पीछे बड़ा कारण बैंक निफ्टी में गिरावट भी है। आज के कारोबार में बैंक निफ्टी 703 अंकों तक फिसला था और इस समय 45,390 तक के निचले स्तर तक आ चुका है यानी 45400 के नीचे जा चुका है।मार्केट कैप में भारी गिरावट देखी जा रही है और 18 सितंबर को भारतीय शेयर बाजार का मार्केट कैप 3,23,00,115.59 करोड़ रुपये पर था और आज ये घटकर 3,20,43,114.30 करोड़ रुपये पर आ चुका था। इसका अर्थ है कि मार्केट कैप में 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की गिरावट आज के ट्रेडिंग सेशन में अब तक देखी जा चुकी है। इस तरह निवेशकों की 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम आज के गिरते बाजार में खाक हो चुकी है।बाजार की गिरावट का आलम ये है कि सेंसेक्स के 30 में से केवल 7 शेयरों में तेजी का हरा रंग देखा जा रहा है और 23 शेयरों में गिरावट हावी है। सबसे ज्यादा 3.90 फीसदी की गिरावट एचडीएफसी बैंक में देखी जा रही है और इस बैंकिंग दिग्गज की भारी गिरावट ने स्टॉक मार्केट को भी नीचे खींचा है क्योंकि इसका वेटेज ज्यादा है। जेएसडबल्यू स्टील 2.56 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.18 फीसदी टूटकर कारोबार कर रहे हैं। अल्ट्राटेक सीमेंट 1.80 फीसदी और मारुति 1.65 फीसदी 0फिसला है। टाटा स्टील 1.46 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है।निफ्टी के 50 में से 40 शेयरों में गिरावट के साथ कारोबार देखा जा रहा है और केवल 10 शेयर ऐसे हैं जो थोड़ी-बहुत तेजी के साथ ट्रेड कर पाने में कामयाब हो रहे हैं।

एचडीएफसी बैंक की बैलेंसशीट की चिंता को लेकर 4% गिरा स्टॉक, ब्रोकरेज हाउसेज ने घटाया शेयर का टारगेट प्राइस

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। देश की सबसे बड़ी निजी बैंक और सेंसेक्स निफ्टी में सबसे ज्यादा वेटेज रखने वाली एचडीएफसी बैंक के स्टॉक में बुधवार 20 सितंबर, 2023 को भारी गिरावट देखी जा रही है। स्टॉक 4 फीसदी या 69 रुपये की गिरावट के साथ 1560.40 रुपये तक नीचे जा फिसला है। एचडीएफसी बैंक के स्टॉक को कई ब्रोकरेज हाउसेज ने डाउनग्रेड कर दिया है जिसके चलते स्टॉक में ये बड़ी गिरावट देखने को मिली है।

बैलेंसशीट पर दिख सकता है दबाव

स्टॉक में गिरावट की अन्य वजहों पर नजर डालें तो एनालिस्ट्स के साथ मीटिंग में एचडीएफसी बैंक के मैनेजमेंट ने कहा कि एचडीएफसी के साथ विलय के बाद एचडीएफसी बैंक के एसेट क्वालिटी रेशियो में गिरावट आई है। वहीं विलय के बाद नई इकाई का ग्रॉस एनपीए रेशियो 1.2 फीसदी से बढ़कर 1।4 फीसदी हो गया है वहीं नेट एनपीए 0.3 फीसदी से बढ़कर 0.4 फीसदी पर जा पहुंचा है।

विलय के बाद एचडीएफसी बैंक के नेट इंटरेस्ट मार्जिन पर 25 बेसिस प्वाइंट का असर पड़ सकता है। अकाउंटिंग बदलाव के चलते एचडीएफसी के नेटवर्थ में गिरावट आई है। इन्हीं कारणों के चलते स्टॉक भारी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है।

ब्रोकरेज हाउस का मिलाजुला रूख

नोमुरा ने एचडीएफसी बैंक के टारगेट प्राइस को घटाकर 1800 रुपये कर दिया है। कोटक ने भी 1850 रुपये शेयर का फेयर वैल्यू करार दिया है। हालांकि बर्नस्टेन ने 2300 रुपये, यूबीएस ने 1900 रुपये, जेफ्फरीज ने 2030 रुपये और मार्गन स्टैनली ने 2110 रुपये का टारगेट दिया है। यानि अलग अलग ब्रोकरेज हाउसेज की मानें तो

नाकाफी हो सकते हैं सरकार के प्रयास, महंगाई के आंसू रुलाने की तैयारी में प्याज, ट्रेडर्स ने रख दी ये डिमांड

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। देश में 3-4 महीने के त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है। गणेश चतुर्थी के साथ ही त्योहारों का ऐसा सिलसिला शुरू हुआ है, जो दिसंबर के अंत तक जारी रहने वाला है। हालांकि त्योहारी सीजन के जश्न के जोर पकड़ने से पहले ही आम लोगों के लिए एक बुरी खबर सामने आ रही है। आने वाले दिनों में लोगों के लिए रसोई के बजट को संभालना फिर से मुश्किल हो सकता है, क्योंकि हर घर की रसोई में इस्तेमाल होने वाले प्याज के भाव महंगाई के आंसू निकाल सकते हैं।ऐसा नहीं है कि प्याज की कीमतों में तेजी का ट्रेंड अचानक से सामने आया है। अमूमन हर साल इन महीनों में प्याज के भाव बढ़ने ही लगते हैं। इस साल स्थिति कुछ अलग है, क्योंकि अप्रत्याशित बारिश ने कई प्रमुख उत्पादक इलाकों में प्याज की फसल को नुकसान पहुंचाया है। यही कारण है कि इस बार प्याज की कीमतें ज्यादा डरा सकती हैं और इस बात को सरकार भी अच्छे से समझ रही है। सरकार पहले से ही इस मामले में सक्रिय है और प्याज की कीमतों को काबू में रखने का हरसंभव प्रयास कर रही है।हालांकि ताजा मामले में व्यापारियों ने कुछ ऐसा कदम उठा लिया है, जो सरकार के प्रयासों को नाकाफी साबित कर सकता है। महाराष्ट्र का नासिक जिला प्याज के उत्पादन का केंद्र है। स्वाभाविक है कि प्याज की कई थोक मंडियां जिले में हैं और वे इसकी खुदरा कीमतों पर बहुत असर रखती हैं। नासिक जिले की 15 मंडियों (एपीएमसी) से प्याज खरीदने वाले 500 से ज्यादा व्यापारियों ने बुधवार से अनिश्चितकालीन हड़ताल की शुरुआत की है। वे व्यापारी मंडियों में होने वाली प्याज की नीलामियों में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इससे देश के विभिन्न हिस्सों में प्याज की आपूर्ति पर असर पड़ सकता है।

50 साल के निचले स्तर पर आ गई लोगों की बचत, खडगे बोले – अच्छे दिनों की ऐसी लगी चपत

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भले ही केंद्र की मोदी सरकार इस बात को लेकर अपनी पीठ थपथपा रही हो कि उसके कार्यकाल के दौरान भारत दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और देश की प्रति व्यक्ति 2014-15 के मुकाबले 2022-23 में दोगुनी बढ़ोतरी के साथ 1,72,000 रुपये हो चुकी है। लेकिन आरबीआई के ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारतीयों की घरेलू बचत में लगातार गिरावट आ रही है और ये 50 सालों के निचले स्तर पर जा पहुंची है। सितंबर महीने के लिए आरबीआई ने जो मंथली बुलेटिन जारी किया है उसमें हाउसहोल्ड एसेट और लायबिलिटीज पर रिजर्व बैंक की एक ताजा रिपोर्ट सामने आई है उसके मुताबिक लोगों की घरेलू बचत 2020-21 में जीडीपी के 11.5 फीसदी से वित्त वर्ष 2022-23 में घटकर 5.1 फीसदी पर आ गया है जो चिंता सबब बन चुका है।आरबीआई के डेटा के मुताबिक साल 2022-23 के दौरान नेट फाइनेंशियल सेविंग घटकर 5.1 फीसदी रह गई है। देश के जीडीपी के लिहाज से 2022-23 में भारत की नेट सेविंग घटकर 13.77 लाख करोड़ रुपये पर आ गई है ये 50 सालों में सबसे कम है। 2021-22 में ठीक एक साल पहले नेट सेविंग जीडीपी की 7.2 फीसदी रही थी। जाहिर है लोगों की आय घट रही है तो लोग सेविंग से ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

सोना हुआ सस्ता, चांदी की चमक भी पड़ी फीकी

जानें प्रमुख शहरों में गोल्ड और सिल्वर के रेट

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बुधवार को सोना और चांदी खरीदने वालों के लिए खुशखबरी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने और चांदी दोनों के दाम में कमी देखी जा रही है। सबसे पहले सोने की बात करें तो वायदा बाजार में सोना 59,222 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला था। इसके बाद इसके कीमत में कुछ सुधार हुआ है और फिलहाल यह आखिरी कारोबारी दिन के मुकाबले 0।07 फीसदी यानी 44 रुपये की कमी के साथ 59,238 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। वहीं 18 सितंबर को सोना 59,282 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

चांदी की चमक भी पड़ी फीकी

सोने के अलावा आज चांदी भी लाल निशान पर कारोबार कर रही है। वायदा बाजार में चांदी शुरुआती दौर में 72,284 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुली थी। इसके बाद इसमें कुछ बढ़त दर्ज की गई है और फिलहाल 12.30 बजे पर यह 0.09 फीसदी या 64 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के साथ 72,505 रुपये प्रति किलोग्राम पर है। आखिरी कारोबारी दिन चांदी 72,569 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।

देश के प्रमुख 10 शहरों में क्या है सोने-चांदी के रेट-

चेन्नई- 24 कैरेट सोना 60,550 रुपये, चांदी 78,000 रुपये किलो बिक रही है। मुंबई- 24 कैरेट सोना 60,230 रुपये, चांदी 74,500 रुपये किलो बिक रही है। दिल्ली- 24 कैरेट सोना 60,370 रुपये, चांदी 74,500 रुपये किलो बिक रही है। कोलकाता- 24 कैरेट सोना 60,230 रुपये, चांदी 74,500 रुपये किलो बिक रही है। बेंगलुरु- 24 कैरेट सोना 60,220 रुपये, चांदी 73,250 रुपये किलो बिक रही है। हैदराबाद- 24 कैरेट सोना 60,230 रुपये, चांदी 78,000 रुपये किलो बिक रही है। पुणे- 24 कैरेट सोना 60,230 रुपये, चांदी 74,500 रुपये किलो बिक रही है। जयपुर- 24 कैरेट सोना 60,370 रुपये, चांदी 74,500 रुपये किलो बिक रही है। लखनऊ- 24 कैरेट सोना 60,370 रुपये, चांदी 74,500 रुपये किलो बिक रही है। पटना- 24 कैरेट सोना 60,270 रुपये, चांदी 74,500 रुपये किलो बिक रही है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल --दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी - 14 -14 तक उपरान्त सप्तमी
मास - भाद्रपद शुक्ल पक्ष , गुरूवार 21 September
नक्षत्र - अनुराधा - 15-34 -तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - प्रीति - 01 - 43 - तक उप आयुष्मान
करण- तैतिल - 14 -14 - तक उप- गर
विशेष:- श्रीबलदेवछठ सूर्यषष्ठी
व्रत -त्योहार -संतान सप्तमी,महालक्ष्मी व्रतारंभ

सूर्योदय- 06-08
सूर्य अस्त- 18-10

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या में	सिंह...	05-53 बजे
चंद्र-	वृश्चिक में	कन्या..	08-00 बजे
मंगल	कन्या में	तुला...	10-08 बजे
बुध-	सिंह पें	वृश्चिक.	12-22 बजे
गुरु-	मेष में	धनु.....	14-29 बजे
शुक्र-	कर्क में	मकर..	16-19 बजे
शनि-	कुंभ में	कुंभ...	17-57 बजे
राहु-	मेष में	मीन...	19-33 बजे
केतु-	तुला में	मेष--	21-18 बजे
		वृष--	23-18 बजे
		मिथुन..	01-31 बजे
		कर्क...	03-43 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:40 से 15:11 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:08 - 07:37	शुभ	अमृत	18:10 - 19:42	शुभ
रोग	07:37 - 09:08	अशुभ	चंचल	19:42 - 21:11	शुभ
उत्पात	09:08 - 10:38	अशुभ	रोग	21:11 - 22:40	अशुभ
चंचल	10:38 - 12:09	शुभ	काल	22:40 - 00:09	अशुभ
लाभ	12:09 - 13:40	शुभ	लाभ	00:09 - 01:38	शुभ
अमृत	13:40 - 15:11	शुभ	उत्पात	01:38 - 03:08	अशुभ
काल	15:11 - 16:42	अशुभ	शुभ	03:08 - 04:37	शुभ
शुभ	16:42 - 18:10	शुभ	अमृत	04:37 - 06:08	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें । इस दौरान धीरज से काम लेंगे तो जल्दी ही अपने शुभचिंतकों को भी पहचान जायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा । आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें ।यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अपने सब विचारों को एक साथ रखकर सोचें,इससे जो निष्कर्ष निकलेगा ,उससे आपको स्थितियों से निपटने में काफी मदद मिलेगी । अपने आप को उन चीजों में ना फंसने दें जिनमे आप विश्वास नही रखते । इन्हें छोड़कर आगे बढ़ जाएँ । इधर –उधर की हांकना आपकी आदत नही है ,लेकिन कई बार आपको ना चाहते हुए भी यह करना पड़ता है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)
काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करे ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है | ऐसे लोगों से सावधान रहें ।उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे । अपने अधूरे काम आज पूरे कर दें और चिंतामुक्त हो जाएँ ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आपको अपनी आरामदायक स्थिति से बाहर आकर कुछ गंभीर प्रयास करने हैं | सावधान रहें कि बिलकुल परम्पराओं के अनुसार चलने से आपको कुछ हासिल नही होगा ।गंभीर होकर प्रयास करने से ही आपको बहाव के साथ बहते रहने के स्थान पर जीवन जीने की सही भावना आएगी । यह इस समय आपको मुश्किल जरुर लगेगा ,लेकिन अगर एक बार आप यह कर गये तो आपका जीवन ही बदल जाएगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपके दिमाग में आज कोई अद्भुत विचार आएगा और आपको इसे हाथोहाथ केवल इसीलिए रद्द नही क्र देना चाहिए क्योंकि आपको इसका हो पाना मुश्किल लग रहा है । आज बड़ा सोचने और ऊँचाइयों को छूने का दिन है । ऐसा करने के लिए आपको बाधाओं की सूची बनाकर अच्छी योजना बनानी अहि और आप पायेंगे कि परेशानियों से खुद-ब-खुद समाधान नजर आने लगेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं । आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं । इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए । आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं । अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं तब भी कार्य में औरों का सहयोग लेने की कोशिश करें ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

महिला आरक्षण के लिए क्या राज्यों की सहमति जरूरी

2026 से पहले क्यों लागू नहीं होगा, विधेयक से जुड़े जरूरी जानकारी

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। मोदी सरकार ने नए संसद भवन की पहली कार्यवाही में मंगलवार को 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' पेश किया। महिला आरक्षण पारित कराने के लिए पिछले 27 साल में मौजूदा सरकार समेत 4 सरकारों की ये 11वीं कोशिश है। ये बिल कैसे पारित होगा, कब से लागू होगा, कितने दिनों के लिए है, किन सीटों पर होगा; जैसे जरूरी सवालों के जवाब तलाशती रिपोर्ट। महिला आरक्षण के लिए पेश विधेयक का नाम '128वां संविधान संशोधन विधेयक 2023' है, जिसे मोदी सरकार ने 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' नाम दिया है। इस विधेयक में कहा गया है कि लोकसभा, सभी राज्यों की विधानसभा और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा में 'यथांसभव एक तिहाई सीटें' महिलाओं के लिए आरक्षित होगीं। यानी अगर लोकसभा में 543 सीटें हैं, तो इनमें से 181 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। इन सीटों पर सिर्फ महिला उम्मीदवार ही चुनाव लड़ सकेंगी।

सवाल है कि क्या संसद में बिल पारित होने से सभी राज्यों की विधानसभाओं में भी यह लागू हो जाएगा? तो जवाब होगा

हां, लेकिन इसके लिए एक और प्रक्रिया से गुजरना होगा।। चूंकि ये संविधान संशोधन विधेयक है, इसलिए इसे पारित करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत की जरूरत होगी। सुप्रीम कोर्ट के वकील विराग गुप्ता के मुताबिक चूंकि विधानसभा सीटों में भी बदलाव होगा, ऐसे में आधे से ज्यादा राज्यों की सहमति भी जरूरी होगी। अगर सभी राज्यों की विधानसभा प्रभावित हो रही है तो उस राज्य की विधानसभा भी सरकार से मांग कर सकती है कि हमारी सहमति भी लीजिए। विधेयक में कहा गया है कि ये सीधे जनता द्वारा चुने जाने वाले प्रतिनिधियों पर ही लागू होगा। इसका मतलब है कि ये आरक्षण राज्यसभा या सभी 6 विधान परिषदों पर लागू नहीं होगा। इस विधेयक में लोकसभा, राज्यों की विधानसभा और एनसीटी दिल्ली की विधानसभा शामिल है।

विधेयक में साफ तौर पर लिखा है कि महिलाओं के लिए एक तिहाई रिजर्वेशन डिलिमिटेशन यानी परिसीमन के

बाद ही लागू होगा। विधेयक के कानून बनने के बाद जो पहली जनगणना होगी, उसके आधार पर परिसीमन होगा। एक्सपर्ट्स के मुताबिक 2026 से पहले परिसीमन लगभग असंभव है, क्योंकि 2021 में होने वाली जनगणना कोविड-19 की वजह से अभी तक नहीं हो सकी है। विराग गुप्ता के मुताबिक अगर आगामी 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा के चुनाव समय पर हुए तो इसमें महिला आरक्षण पारित होने के बावजूद लागू नहीं हो सकेगा।

लोकसभा और विधानसभाओं में यह कानून जब लागू हो जाएगा, उसके बाद 15 साल तक अमल में रहेगा। उससे आगे रिजर्वेशन जारी रखने के लिए फिर से बिल लाना होगा और मौजूदा प्रक्रियाओं के तहत उसे पास कराना होगा। अगर 15 साल के बाद उस समय की सरकार नया बिल नहीं लाती है, तो ये कानून अपने आप खत्म हो जाएगा।

एससी-एसटी महिलाओं के लिए आरक्षण एससी-एसटी कोटे से ही मिलेगा। इसे एक उदाहरण से समझिए इस वक्त लोकसभा में एससी-एसटी के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 131 है। महिला आरक्षण लागू होने के बाद इनमें से एक तिहाई यानी 44 सीटें एससी-एसटी महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। बाकी 87 सीटों पर महिला-पुरुष कोई भी लड़ सकता है। इस विधेयक में ओबीसी महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

इसके 3 स्टेप्स होंगे पहले ये बिल पारित होगा। इसके बाद जनगणना और फिर परिसीमन होगा। परिसीमन के बाद तय होगा कि कौन सी सीट महिलाओं के लिए आरक्षित होगी। सीटों का चुनाव रैंडम हो सकता है या महिलाओं की जनसंख्या के आधार पर भी हो सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चूंकि ज्यादातर सीटों पर महिला-पुरुषों का रेश्यो लगभग बराबर होता है, इसलिए आरक्षित सीटें रैंडम चुनने की संभावना ज्यादा है। अगली बार के सीटों पर आरक्षण रोटेशन के आधार पर होगा और हर परिसीमन के बाद सीटें बदली जा सकेंगी। इसे एक उदाहरण से समझिए- अभी लोकसभा में 543 सीटें हैं। महिला आरक्षण बिल लागू होने के बाद इनमें से एक तिहाई यानी 181 सीटें महिलाओं के लिए रिजर्व हो जाएंगी। रोटेशन सिस्टम के बाद हर अगले चुनाव में 181 सीटें बदल जाएंगी।

यानी 181 महिला सांसदों का टिकट कट जाएगा या वे अपनी मौजूदा सीट से चुनाव नहीं लड़ पाएंगी। इसी तरह पिछले चुनाव की अनरिजर्व्ड 362 सीटों में से 181 सांसद चुनाव नहीं लड़ पाएंगे या उनकी सीट बदल जाएगी। इसका मतलब है कि हर चुनाव में 362 सांसदों का या तो टिकट कट जाएगा या उनकी सीटें बदल जाएंगी।

अगर कोई महिला, महिला आरक्षित सीट से चुनाव लड़ रही है तो वो दूसरी महिला आरक्षित सीट से चुनाव नहीं लड़ सकती। वो एक आरक्षित और एक अनारक्षित सीट पर चुनाव लड़ पाएगी या नहीं, इसका जिक्र विधेयक में नहीं है।

मौजूदा लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं पर इस विधेयक का कोई असर नहीं पड़ेगा। यानी अभी जितने सांसद या विधायक हैं, उनकी संख्या में बदलाव नहीं होगा। लोकसभा की 543 सीटों में से 181 पर तो महिला ही चुनाव लड़ेंगी। बाकी बची हुई सीटों पर हर वर्ग की महिलाएं चुनाव लड़ सकेंगी, वैसे ही जैसे अभी लड़ती हैं।

रायगढ़ एक्सिस बैंक डकैती कांड में 5 गिरफ्तार

ट्रक में कैश और गहने भरकर भाग रहे थे झारखंड, बलरामपुर में बॉर्डर पर पुलिस ने पकड़ा

अंबिकापुर/रायगढ़, 20 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ स्थित एक्सिस बैंक में मंगलवार सुबह हुई 5 करोड़ 62 लाख की डकैती मामले में बलरामपुर पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को छत्तीसगढ़-झारखंड बॉर्डर पर चेकिंग के दौरान पकड़ा है। आरोपियों के पास से ओडिशा नंबर की एक ट्रक और क्रेटा कार बरामद हुई है। इसी ट्रक में लूट के गहने और कैश बरामद हुआ है। बलरामपुर एसपी डा. लाल उमेद सिंह ने आरोपियों की गिरफ्तारी और कैश बरामद होने की पुष्टि की है। बताया कि देर शाम जानकारी मिली कि रायगढ़ बैंक डकैती में इस्तेमाल क्रेटा कार बलरामपुर जिले में सीसीटीवी फुटेज में देखी गई है। मानुजगंज में छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा पर चेकपोस्ट पर देर रात पुलिस ने एक ट्रक की जांच की तो उसमें कैश और सोना बरामद हो गया। ट्रक के आगे चल रही क्रेटा कार को भी रुकवाया गया। आरोपियों के पास से बैंक डकैती में प्रयोग के किए गए पिस्टल और चाकू भी बरामद किया गया है। बलरामपुर एसपी डा. लाल उमेद सिंह ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। अभी जब्त नगदी रकम एवं जेवरातों का मिलान किया जा रहा है। घटना में शामिल फरार आरोपियों के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस द्वारा जांच के बाद मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

स्कूली बच्चों की कलात्मक प्रतिभा को निखारना मकसद

छात्र-छात्राओं ने बिखेरी चटक रंगी छटा

बालोद, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बालोद जिले के विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा नवमी से लेकर कक्षा 12वीं तक के छात्र-छात्राओं के शिक्षक स्टार के साथ-साथ उनमें छिपी प्रतिभा को निखारने समग्र शिक्षा अभियान के तहत बालोद जिले के कला केंद्र में कला उत्सव का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा को पहचानना उसे पोषित करना और शिक्षा में कला को बढ़ावा देना है। कला उत्सव के इस आयोजन में जिले भर से स्कूली छात्र-छात्राएं चिन्हित होकर पहुंचे। इन्होंने संगीत नृत्य नाटक मिट्टी कला सहित लगभग 10 विधाओं में अपने कला का प्रदर्शन किया। इसमें शास्त्रीय पारंपरिक स्वर इत्यादि विधाओं में स्कूली छात्राओं की प्रतिभा देखते ही बन रही थी। इस कला उत्सव कार्यक्रम में 10 विधाओं के साथ-साथ अन्य विधाओं में स्कूली छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया जिसमें शास्त्रीय संगीत, पारंपरिक लोक संगीत, संगीत वादन, संगीत स्वर वाद्य, शास्त्रीय नृत्य लोक, नृत्य दृश्य कला, द्विआयामी दृश्य कला, स्त्री आयामी, स्थानीय खिलौने एवं खेल नाटक एकल अभिनय जैसे विधाओं में बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी। विशेष कर मिट्टी कला के लिए बच्चे अपने-अपने घरों और गांव से मिट्टी लेकर पहुंचे थे और खूबसूरत कलाकृतियां मिट्टी के माध्यम से उकेरने का प्रयास स्कूली छात्र एवं छात्राओं द्वारा किया गया।

कला उत्सव का आयोजन पूरे जिले भर के प्रत्येक विद्यालयों में पहले विद्यालय स्तर पर आयोजित किया गया जिसके बाद चयनित बच्चों को विकासखंड स्तर पर मंच प्रदान किया गया।

तीज में निर्जला उपवास रखकर ड्यूटी पर पहुंची पूजा

धनबाद, 20 सितंबर (एजेंसियां)। एक तरफ परिवार की जिम्मेदारी खासकर त्योहार का मौका तीज। इस त्योहार में निर्जला उपवास और दूसरी तरफ ड्यूटी का कर्तव्य। दोनों जिम्मेदारियां एक साथ बखूबी निभाते हुए दिखीं धनबाद की महिला थाना में पदस्थापित प्रभारी पूजा कुमारी। त्योहार के मौके पर व्रत रखते हुए भी थाना प्रभारी थाना पहुंची और अपना काम करती नजर आईं। तीज के मौके पर अपने पति की लंबी उम्र के लिए उपवास रखा। सुबह की पूजा के बाद थाना प्रभारी दफ्तर पहुंची और कामकाज भी संभाला। त्योहार के कपड़ों में ही पूजा ने अपने कर्तव्य का पालन किया और लोगों से उनकी समस्या और शिकायत सुनती रहीं। थाना परिसर के साथ- साथ पूरे इलाके में उनकी तारीफ हो रही है।

जगदलपुर में दो पक्षों में मारपीट

जगदलपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जगदलपुर के लोहंडीगुड़ा ब्लॉक के घोटिया चौकी क्षेत्र के तहत आने वाले बोड़नपाल गांव में दो समुदायों के बीच जमकर झड़प और मारपीट हुई। इस घटना में घायल हुए चार लोगों को मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में भर्ती कराया गया है। वहीं इस घटना के बाद घोटियां पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज करने के साथ ही अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल घायलों का उपचार मेकाज में चल रहा है, वही घटना के बाद से पुलिस गांव के लोगों से लगातार पूछताछ चल रही है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए लोगों ने बताया कि गांव के कुछ परिवारों ने कुछ साल पहले इसाई धर्म अपना लिया था।

आदिवासी समाज के लोग इन पर घर वापसी के लिए दबाव बना रहे थे। इस बात को लेकर सोमवार की शाम एक बैठक हुई, जिसमें विवाद हो गया और नौबत मारपीट तक आ गई। घायलों में सुखराम बघेल पिता बुधुराम 35 वर्ष, केसरूराम कश्यप पिता बेड़ेराम कश्यप 47 वर्ष, रूक्मणी कश्यप पति सुखरूराम कश्यप 50 वर्ष, शांति कश्यप पति कार्तिक कश्यप 27 वर्ष सभी ग्राम बोडनपाल चौकी घोटिया, थाना लोहण्डीगुड़ा के निवासी हैं।

पीएससी में सिलेक्शन पर एचसी का सवाल

चीफ जस्टिस बोले- अधिकारियों और नेता के रिश्तेदारों का कैसे हुआ चयन, अब 5 अक्टूबर को सुनवाई

बिलासपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। सीजीपीएससी में हालिया भर्तियों को लेकर हाईकोर्ट ने आज सुनवाई हुई। याचिकाकर्ता के एडवोकेट संजय कुमार अग्रवाल ने याचिका में संशोधन का आग्रह किया और कुछ तथ्यों में बदलाव करने की बात कही। सुनवाई के दौरान यह बात भी सामने आई कि याचिका में वर्ष 2020 में हुई नियुक्ति के भी तीन नाम को जोड़ दिया गया है, जिस पर डिवीजन बेंच ने ऐतराज जताया। मामले की सुनवाई अब 5 अक्टूबर को होगी।

केस की सुनवाई के दौरान चयनित प्रतियोगियों ने हस्तक्षेप आवेदन पेश किया। उनके एडवोकेट ने कहा कि पांच प्रतियोगियों की नियुक्ति हो चुकी है। ऐसे में नियुक्ति रोकना सही नहीं होगा। इस पर कोर्ट ने उनकी नियुक्ति को इस केस के फैसले से बाधित रखा है। साथ ही शेष लिस्ट की नियुक्ति पर रोक लगा दी है।

सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया है कि जिस नितेश सिंह को पीएससी चेयरमैन टामन सिंह का बेटा बताया जा रहा था वो सरपंच रहे राजेश का बेटा है। यह सुनकर चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता के वकील पर नाराजगी जताई। इसी तरह प्रज्ञा नायक की तरफ से भी हस्तक्षेप आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

केस में शासन की तरफ से सरकारी वकील ने समय मांगा और कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार इस मामले को देख रही है। नियुक्ति की जांच भी कराई जा रही है। अभी महाधिवक्ता बाहर हैं। उनके आने के बाद इस पूरे मामले में विस्तार से जवाब पेश किया जाएगा।

सीजीपीएससी में हालिया भर्तियों को लेकर हाईकोर्ट ने विधायक ननकीराम कंवर की याचिका स्वीकार कर ली है। कोर्ट ने सवाल उठाया है कि ऐसा क्या संयोग है कि चेयरमैन और नेताओं की बेटी और रिश्तेदारों का चयन हो गया। कोर्ट ने पूछा है कि क्या ये सारी नियुक्तियां हो चुकी हैं। डिवीजन बेंच ने उनकी नियुक्ति पर रोक लगाने के लिए कहा है।

पूर्व गृहमंत्री और भाजपा के सीनियर विधायक ननकीराम कंवर ने एडवोकेट संजय कुमार अग्रवाल के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर सवाल किया है कि सीजी-पीएससी में अधिकारी और नेताओं के बेटे-बेटियों सहित रिश्तेदारों को डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी जैसे पद दिए गए हैं।

कंवर ने भर्ती प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि कैंडिडेट्स की नियुक्ति इसलिए सवालों के घेरे में है, क्योंकि कई होनहार और प्रतिभावान स्टूडेंट्स को दरकिनार कर दिया गया है। यह भी आरोप है कि अफसरों के रिश्तेदारों को अच्छा पद बांटा गया है, जिसका असर दूसरे प्रतियोगियों पर हुआ है और उन्हें छोटे पद दिए गए हैं।

विधायक ननकीराम कंवर ने अपनी याचिका में राजभवन के सचिव अमृत खलको के बेटे और बेटी के डिप्टी कलेक्टर बनने के साथ ही पीएससी चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के कई रिश्तेदारों, कांग्रेस नेता राजेंद्र शुक्ला के रिश्तेदारों के भी सिलेक्शन पर प्रश्न खड़ा करते हुए कहा है कि पीएससी में जिम्मेदार पद पर बैठे लोगों ने सिर्फ रेवड़ियों की तरह नौकरियां नहीं बांटी बल्कि इसकी आड़ में करोड़ों का भ्रष्टाचार भी किया है।

केस की सुनवाई मंगलवार को चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की डिवीजन बेंच में हुई। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के पक्षों को सुनकर उन्होंने हैरानी जताई और पूछा कि प्रकरण में पीएससी चेयरमैन को पक्षकार क्यों नहीं बनाया गया है। तब याचिकाकर्ता के एडवोकेट संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि चेयरमैन संवैधानिक पद है, जिसके कारण उन्हें पक्षकार नहीं बनाया गया है।

झारखंड में रेल रोको आंदोलन, कई ट्रेनें प्रभावित

दो स्टेशनों पर लोग ट्रैक पर उतरे, कुड़मी समाज को एसटी में शामिल करने की मांग

रांची, 20 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में कुड़मी समाज के लोग आंदोलन कर रहे हैं। वे कुड़मी समाज को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में और कुड़माली भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं।

बंगाल में हाईकोर्ट के दखल के बाद आंदोलन वापस ले लिया गया है, लेकिन झारखंड में प्रदर्शन तेज है। मुरी और गोमो स्टेशन पर लोग ट्रैक पर उतर आए। वहीं, आंदोलन की शुरुआत से पहले रेलवे सतर्क है। अब तक तीन ट्रेनों को रद्द किया गया है। कई जिलों में इसका असर दिखने लगा है। सरायकेला-खरसावां के नीमडीह स्टेशन के पास भारी संख्या में कुड़मी समाज के लोग जुटे। पश्चिमी सिंहभूम के सोनुआ थाना के पास पुलिस से कुछ लोगों के झड़प की भी खबर है। सोनुआ से भी सैकड़ों महिला-

पुरुष छोटे बड़े वाहनों में सवार होकर घाघरा की तरफ बढ़ रहे हैं। लोगों के प्रदर्शन को लेकर प्रशासन चौकस है। आंदोलन के चलते गोमो स्टेशन पर धनबाद से होकर चलने वाली करीब 60 ट्रेनों पर असर पड़ सकता है। इनमें हावड़ा और सियालदह राजधानी के साथ कोलकाता, सियालदह, आसनसोल और अन्य स्टेशन से खुलने वाली ट्रेनें शामिल हैं। तीन राज्यों में कुड़मी समाज के लोगों का यह तीसरी बार हो रहा है। केंद्र से उनकी मांग है कि उन्हें आदिवासी का दर्जा दिया जाए। फिलहाल ये लोग ओबीसी वर्ग के दायरे में आते हैं। संगठनों की मानें तो यह समुदाय झारखंड का है, लेकिन यहीं के लोग इन्हें स्वीकार नहीं करते। बंगाल और ओडिशा में भी कुड़मी वर्ग की बड़ी आबादी है। ऐसे में उन्हें अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए। एक अनुमान के मुताबिक, झारखंड में कुड़मी समाज के लोगों की आबादी 22 प्रतिशत है।

झारखंड में 33% से अधिक वन

रांची, 20 सितंबर (एजेंसियां)। रांची किसी क्षेत्र विशेष में 33 प्रतिशत वनाच्छादन से जलवायु परिवर्तन का असर कम होता है। लेकिन, झारखंड का 33 फीसदी से अधिक भू-भाग हरा-भरा होने के बाद भी यहां जलवायु परिवर्तन का असर दिखने लगा है। उत्तरी-पश्चिमी जिलों गढ़वा, लातेहार व पलामू में औसत तापमान का बढ़ना, बारिश घटना, जंगलों में आग को इसके परिणाम के तौर पर देखा जा रहा है। प्रदेश सरकार ने जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजय श्रीवास्तव ने नई दिल्ली विज्ञान भवन में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के संयुक्त तत्वावधान में हुए अंतरराष्ट्रीय जलवायु शिखर सम्मेलन में कही।

झारखंड में डेंगू से अब तक पांच मौत

पूर्वी सिंहभूम में सबसे ज्यादा 36 मरीज, राज्य में 46 लोगों में डेंगू की पुष्टि

रांची, 20 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में डेंगू और चिकनगुनिया का कहर बदस्तूर जारी है। राज्य में पांच लोगों की मौत डेंगू से हो गई है। वहीं चिकनगुनिया के मरीज की संख्या भी बढ़ी है। डेंगू की चपेट में पूर्वी सिंहभूम जिला सबसे अधिक है। डेंगू से राज्य में अब तक पांच लोगों की मौत हुई है, ये सभी जमशेदपुर के रहने वाले ही हैं।

स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में केवल मंगलवार को डेंगू के 76 संदिग्ध मरीज मिले। इनमें से 74 लोगों ने जांच करायी है। इनमें 46 के डेंगू पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई। इसके

अलावा चिकनगुनिया के भी 96 संदिग्ध मरीज मिले हैं, इनमें 52 मरीजों ने जांच करायी, जिनमें चार मरीज पॉजिटिव मिले।

पूर्वी सिंहभूम में सबसे ज्यादा डेंगू के 36 मरीज मिले हैं। राजधानी रांची में डेंगू के 15 संदिग्ध ने जांच करायी। इनमें एक में डेंगू की पुष्टि हुई है। चतरा जिले में एक, धनबाद में डेंगू के पांच और खूंटी में डेंगू के तीन नए मरीज मिले हैं। चतरा, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी और रांची को छोड़कर किसी भी जिले में डेंगू के मरीज नहीं मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक डेंगू और चिकनगुनिया के संदिग्धों की जांच के लिए हर जिले में व्यवस्था है।

चिकित्सकों के मुताबिक राज्य में डेंगू के जितने भी मरीज मिल रहे हैं, उनमें केवल 10 फीसदी मरीज ही ऐसे हैं, जिन्हें प्लेटलेट्स की जरूरत पड़ रही है। अस्पतालों में वैसे मरीज को ही भरती किया जा रहा है, जिनमें प्लेटलेट्स की संख्या 20 हजार से कम है। जिन मरीजों में 40 हजार प्लेटलेट्स से अधिक होते हैं, उन्हें इलाज के लिए भर्ती नहीं किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की चेतावनी

रायपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में आज से मानसून सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने 3 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। जानकारी के मुताबिक ओडिशा तट पर एक निम्न दाब का क्षेत्र है और वहां चक्रवाती सिस्टम भी है। इसके असर से राज्य में आज से मानसूनी गतिविधियां शुरू होंगी। जशपुर और रायगढ़ जिले के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

बीते 4 दिनों से बारिश नहीं होने की वजह से तापमान तेजी से बढ़ा है। मंगलवार को राजधानी रायपुर का अधिकतम तापमान 34 डिग्री से अधिक था। यहां 40 फीसदी बादल थे। लेकिन सुबह से शाम तक तेज धूप थी। तापमान बढ़ने के साथ नमी घटी है और उमस बढ़ गई है। लोग रात तक उमस से बेचैन रहे।

अधिकतम तापमान रायपुर में 34.2, माना एयरपोर्ट में 33.4, बिलासपुर में 33.5, पेण्ड्रारोड में 32.8, अंबिकापुर में 31, जगदलपुर 33.8, दुर्ग 33.2 और राजनांदगांव में 33.5 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार को प्रदेश के ज्यादातर जिलों में तेज धूप रही। उत्तर छत्तीसगढ़ यानी सरगुजा संभाग के कुछ जिलों में बारिश हुई और बस्तर संभाग के कोंडागांव और दंतेवाड़ा में बौछारें पड़ीं। बाकी दूसरे जिलों में मौसम साफ रहा लेकिन उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करती रही।

पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़

दो महिला नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बुधवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारी गईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अरनपुर पुलिस थाने की सीमा के जंगल में सुबह करीब सात बजे गोलीबारी हुई, जब राज्य पुलिस की इकाई जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने बताया कि दंतेवाड़ा-सुकमा अंतरजिला सीमा पर नगरम-पोरो हिरमा जंगलों के पास प्रतिबंधित संगठन के दरभा

डिवीजन के नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाकर्मियों ने अभियान शुरू किया। जब गश्ती दल इलाके की घेराबंदी कर रहा था तो दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी बंद होने के बाद घटनास्थल से एक इंसास राइफल और एक 12 बोर राइफल के साथ दो महिला नक्सलियों के शव बरामद किए गए। इलाके में तलाशी अभियान जारी है।

पीएम ट्रूडो की गलती से हिंदुओं पर बढ़ा खतरा

आतंकी संगठन ने दी देश छोड़ने की धमकी

ओटावा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। कनाडा और भारत के बीच हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने भारतीय मूल के हिंदुओं को तुरंत कनाडा छोड़ने के लिए कहा है। उसने भारत का समर्थन करने और निज्जर की हत्या का जश्न मनाने को लेकर भारतवंशियों को धमकी दी है। बता दें, खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस को भारत में साल 2019 में प्रतिबंधित कर दिया था।

भारत में आतंकवादी घोषित गुरपतवंत पन्नुं ने एक वीडियो जारी कर धमकी दी। कहा- इंडो-हिंदू कनाडा छोड़ो, भारत जाओ। उसने कहा कि जो लोग न केवल भारत का समर्थन करते हैं, बल्कि खालिस्तान समर्थक सिखों के भाषण और अभिव्यक्ति के दमन का भी समर्थन कर रहे हैं। उन्हें तुरंत कनाडा छोड़ देना चाहिए।

यह वीडियो ऐसे समय सामने आया है, जब कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो और भारत सरकार के बीच तीखी बहस चल रही है। दरअसल, ट्रूडो ने आरोप लगाया है कि हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के पीछे भारत सरकार की साजिश हो सकती है। इसपर भारत सरकार ने भी पलटवार कर सभी बयानों को बेतुका बताया। साथ ही आरोप लगाया कि वह भड़काने की कोशिश कर रहा है। इस बयान के कुछ घंटे बाद ट्रूडो ने जोर देकर कहा कि कनाडा 'उकसाने या भड़काने' की कोशिश नहीं कर रहा है। कनाडाई हिंदूज फॉर हार्मनी के प्रवक्ता विजय जैन ने पन्नुं की धमकी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि हम शहर में हर तरफ हिंदूफोबिया देख रहे हैं। ट्रूडो की टिप्पणी से हिंसा भड़क सकती हैं। उन्होंने कहा कि हम सबको चिंता सता रही है कि कही 1985 की घटना की तरह कनाडाई हिंदुओं को निशाना न बनाया जाए।

जैन का इशारा जून 1985 की उस घटना से था, जिसमें कई लोग मारे गए थे। यह कनाडा के इतिहास का सबसे भयावह आतंकी हमला था। 25 जून 1985 को फ्लाइट मॉन्ट्रियल से लंदन के रास्ते पर थी और अटलांटिक महासागर से 31,000 फीट की ऊंचाई पर उड़ रही थी कि अचानक इसमें ब्लास्ट हो गया। इसमें सवार 307 यात्री और चालक दल के 22 सदस्य मारे गए थे। कनाडा हर साल 23 जून को बमबारी में मारे गए लोगों की याद में आतंकवाद के पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मरण दिवस मनाता है। टिप्पणीकार रूपा सुब्रमण्य ने पन्नूं की धमकी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'अगर किसी श्वेत ने धमकी दी हो कि सभी अश्वेत लोगों को कनाडा छोड़ देना चाहिए, तो कल्पना कीजिए कि कितना हंगामा होगा। फिर भी जब कोई खालिस्तानी कनाडा में एक कार्यक्रम में हिंदुओं को धमकाता है, तो हर कोई इसे नजरअंदाज कर देता है। आतंकी संगठन एसएफजे का कहना है कि वह ट्रूडो सरकार के हालिया कदमों से काफी खुश है। वहीं, कनाडा के राष्ट्रीय दैनिक 'द ग्लोब एंड मेल' में एक लेख में एंड्रयू कोयने ने निज्जर की हत्या के बाद देश में शांति बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया है।

उन्होंने कहा, 'ऐसे कई सिख कनाडाई होंगे, जो निज्जर की हत्या से दुखी होंगे। कुछ क्रोधित होंगे और उनमें से कुछ को बदला देने के लिए लालच दिया जा सकता है। इसलिए इस समय शांति पर ध्यान दें।

पीड़ित परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज

कौशाम्बी, 20 सितंबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मंझनपुर के विधायक इंद्रजीत सरोज ने बुधवार को मोहिद्दीनपुर और कांकराबाद गांव पहुंचकर तिहरे हत्याकांड के पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें हर संभव मदद का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ितों के साथ खड़ी है और जब तक न्याय नहीं मिलता इनके लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे। इस दौरान उन्होंने सपा मुखिया अखिलेश यादव की ओर से एक लाख रुपये का चेक भी शिवसरन के पिता राम बहादुर को सौंपा। पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज ने कहा कि इतनी बड़ी और जघन्य घटना के बावजूद सत्ता में बैठे लोगों की नींद नहीं खुली है। भाजपा का कोई बड़ा नेता मौके पर नहीं पहुंचा है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को आना चाहिए था, लेकिन वह नहीं आए। पासी समाज बहुत ही दबा, कुचला और गरीब समाज है। शिवसरन जिसकी हत्या हुई है वह अपने परिवार और माता पिता की देखभाल करने वाला एक मात्र कमाऊ पुत्र था। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम है।

मिस यूनिवर्स इवेंट पर बौखलाई कार्यवाहक सरकार

ब्यूटी कॉन्टेस्ट को करार दिया साजिश

करांची, 20 सितंबर (एजेंसियां)। इन दिनों पाकिस्तान की मॉडल एरिका रॉबिन को लेकर काफी बवाल मचा हुआ है। एरिका मिस यूनिवर्स पाकिस्तान का खिताब जीतने वाली पहली मॉडल है, लेकिन उनकी इस सफलता पर पाकिस्तान के कार्यवाहक सरकार और वहां के कुछ लोगों ने अपनी नाराजगी जताई है। ये नाराजगी इतनी बढ़ गई है कि वहां की सरकार ने अब एरिका के खिलाफ जांच के आदेश भी दे दिए।

एरिका के खिलाफ पाकिस्तान सरकार ने दिए जांच के आदेश

एरिका रॉबिन ने 14 सितंबर को मालदीव में आयोजित मिस यूनिवर्स पाकिस्तान का खिताब जीता था। 24 वर्षीय एरिका ईसाई धर्म से ताल्लुक रखती हैं। वह अब नवंबर में अल साल्वाडोर में होने वाले मिस यूनिवर्स 2023 में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेने वाली एरिका पहली पाकिस्तानी मॉडल होगी। इस इवेंट को दुबई की कंपनी यूजेन ग्रुप ने आयोजित किया था और इसी कंपनी में बरहीन और मिस्र में भी इवेंट का आजोयन किया था। पाकिस्तान के कई धार्मिक नेता और खुद वहां के कार्यवाहक प्रधानमंत्री भी इस इवेंट को मूल्क के खिलाफ साजिश मान रहे हैं। सरकार ने फिलहाल मॉडल एरिका और इवेंट आयोजकों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान में विरोध के डर से इस इवेंट आयोजन मालदीव में किया गया था। एरिका के अलावा इस इवेंट में अन्य चार पाकिस्तानी मॉडल ने भी हिस्सा लिया था, जिसमें हीरा इनाम, जेसिका विल्सन, मालिका अल्वी और शबरीना वसीम का नाम शामिल है। मिस यूनिवर्स ब्यूटी पेजेंट हर साल अलग-अलग देशों में आयोजित होता है और मुख्य इवेंट से पहले हर देश में इंटरनल ब्यूटी कॉन्टेस्ट होता है। इस ब्यूटी कॉन्टेस्ट को जीतने वाली मॉडल मुख्य इवेंट में अपने देश का प्रतिनिधित्व करेगी। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान सरकार ने मिस यूनिवर्स पाकिस्तान इवेंट होने की अनुमति नहीं दी थी। इस पर अब पाकिस्तान के कार्यवाहक पीएम अनवर-उल-हक काकर ने इवेंट के आयोजकों के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। पाकिस्तान सरकार और धार्मिक नेताओं के विरोध के बाद अब एरिका को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। इस विरोध के बाद क्या अब एरिका नवंबर में होने वाले मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में हिस्सा ले पाएगी? अगर हिस्सा लेती है तो क्या वह पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व कर पाएगी?

ऐसे तमाम सवालों के बीच पाकिस्तान के मजहबी नेता ने एक बयान देते हुए कहा, 'सबसे पहले सरकार इस इवेंट के आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई करें। हम ये कभी नहीं कबूल नहीं करेंगे कि इस तरह के इवेंट्स में कोई लड़की पाकिस्तान के नाम पर शिरकत करे।' पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवर-उल-हक काकर ने खुफिया एजेंसी को इस बात का पता लगाने के लिए कहा कि इवेंट को होस्ट करने वाले आयोजक को पाकिस्तान के नाम का इस्तेमाल करने की अनुमति किसने दी।

कॉलेज जा रही छात्रा को ट्रक ने कुचला

पटना, 20 सितंबर (एजेंसियां)। पटना के परसा बाजार में बुधवार को कॉलेज जा रही एक छात्रा को तेज रफ्तार से आ रहे हाईवा (ट्रक) ने कुचल डाला। हादसे में छात्रा की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना से गुस्साए लोगों ने पटना-गया मार्ग को अवरुद्ध कर दिया और जमकर प्रदर्शन करने लगे। गुस्साए लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। मृतक की पहचान परसा बाजार के मौला बुद्धू चक निवासी जिम रानी (16) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परसा बाजार थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने बुझाने में जुट गई है। इस बीच प्रशासन को लोगों के आक्रोश का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन को भी जमकर खरी खोटी सुनाई। बताया जा रहा है कि शशि सिंह जमीन कारोबारी की बेटी जिमी रानी अपनी साइकिल से वर्षा के सुबोध महिला कॉलेज जा रही थी।

तुर्किये के राष्ट्रपति से नहीं छूट रहा पाकिस्तान मोह

संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिर उठाया कश्मीर मुद्दा

न्यूयॉर्क, 20 सितंबर (एजेंसियां)। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब अर्दोआन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाया है। न्यूयॉर्क में महासभा के 78वें सत्र में अपने भाषण के दौरान उन्होंने एक बार फिर पाकिस्तान के प्रति मोह दिखाते हुए कश्मीर पर कई बातें कही। इतना ही नहीं उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के पांच स्थायी सदस्यों पर भी निशाना साधा।

कश्मीर पर क्या बोले अर्दोआन?

तुर्किये के राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र में आम चर्चा के दौरान पाकिस्तान का एजेंडा आगे रखते हुए कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत और सहयोग से ही कश्मीर में स्थायी और न्यायपूर्ण शांति आ सकती है। दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति, स्थायित्व और समृद्धि का मार्ग स्थापित करने के लिए यह होना बेहद जरूरी है। अर्दोआन ने कहा कि तुर्किये विवाद सुलझाने के लिए अपनी तरफ से समर्थन जारी रखेगा।

हालांकि, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में बड़े बदलावों की वकालत करने लिए भारत की तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि यह गर्व का विषय है कि भारत यूएनएससी में एक अहम भूमिका निभा रहा है। इस बीच अर्दोआन ने सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों पर निशाना साधा और कहा कि वह चाहते हैं कि यूएनएससी के 15 अस्थायी सदस्यों को भी सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनाया जाए।

अर्दोआन ने कहा, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के इन 20 देशों (पांच स्थायी सदस्यों+15 अस्थायी सदस्यों) को यूएनएससी में बदल-बदलकर स्थायी सदस्यता दी जानी चाहिए। क्योंकि दुनिया इन पांच स्थायी सदस्यों से बड़ी है। हमारा कहना सिर्फ इतना है कि दुनिया महज अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन और रूस तक सीमित नहीं है। हालिया वर्षों में तुर्किये ने पाकिस्तान का साथ देते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया है। पिछले साल भी अर्दोआन ने कश्मीर पर अपना पक्ष रखा था और कहा था कि भारत-पाकिस्तान 75 साल से स्वायत्त और स्वतंत्र देश हैं, लेकिन दोनों ने एक-दूसरे के साथ शांति स्थापित नहीं की है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है और हम उम्मीद करते हैं कि कश्मीर में स्थायी शांति और समृद्धि स्थापित होगी। इससे पहले 2020 में भी उन्होंने महासभा में चर्चा के दौरान कश्मीर पर बात की थी। हालांकि, भारत ने अर्दोआन के बयानों की निंदा की थी और देश की स्वायत्ता का सम्मान करने की मांग की थी।

फर्जी कॉल के जरिए अमेरिकी नागरिकों को लगाया करोड़ों का चूना

दो भारतीयों को 41 महीने की सजा

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में दो भारतीय नागरिकों को 41 महीने की सजा सुनाई गई है। दोनों को रोबोकॉल घोटाले में दोषी करार दिया गया है। दोषियों की पीड़ितों से 1.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी कि करीब 10 करोड़ रुपए अवैध रूप से लेने में मुख्य भूमिका रही है। इस मामले में अमेरिका के एक अटॉर्नी फिलिप सेलिंगर ने बताया कि मंगलवार को अरुशोबाइक मित्रा (29) और गरबिटा मित्रा (25) को अमेरिकी जिला न्यायाधीश एस्थर सालास ने वायर धोखाधड़ी की साजिश के एक मामले में दोषी ठहराया था। दोनों दोषियों ने धमकियों का सहारा लेकर लोगों को शिकार बनाया और उन्हें पैसे भेजने के लिए मजबूर किया था। उन्होंने एक कॉल सेंटर के जरिए बुजुर्गों और अमेरिकी नागरिकों को शिकार बनाया था। मिली जानकारी के मुताबिक इन रोबोकॉल के माध्यम से पीड़ितों के साथ संपर्क स्थापित किया जाता था। इसके बाद उनसे पैसे ऐंठे जाते थे। आरोपियों ने पीड़ितों को अपने जाल में फंसाने के लिए कई तरह की योजनाओं का सहारा लिया। इसमें सामाजिक सुरक्षा प्रशासन जैसी एजेंसियों का सरकारी या एफबीआई या डीईए के कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर पैसे देने को मजबूर करते थे। अगर पीड़ित उनकी बात नहीं मानते तो उन्हें गंभीर कानूनी या वित्तीय परिणाम भुगतने की धमकी देते थे।

मेक्सिको में दिखाए एलियन कंकालों से नहीं हुई छेड़छाड़

टेस्टिंग से साबित हुआ- इन्हें जोड़-तोड़कर नहीं बनाया गया, ये कभी जीवित थे

मेक्सिको, 20 सितंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको की संसद में पिछले हफ्ते दिखाए गए कथित एलियन के शवों का लैब टेस्ट हुआ है। इसकी रिपोर्ट्स में सामने आया है कि ममी को अलग-अलग हड्डियों से जोड़कर नहीं बनाया गया है। ये पूरा एक ही कंकाल है। टेस्ट में एलियन के कंकाल से छेड़छाड़ या जोड़-तोड़ के भी कोई सबूत नहीं मिले हैं।

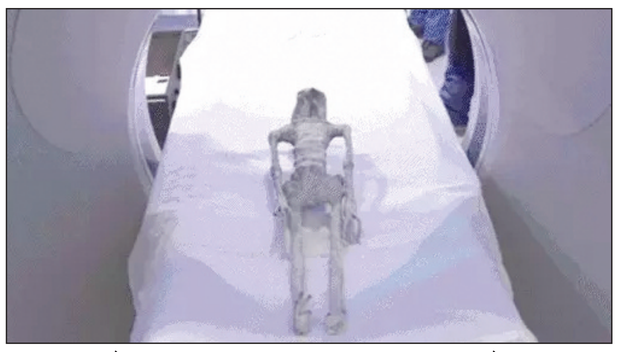

एलियन पर ये टेस्ट नेवी के फोरेंसिक डॉक्टर जोश बेनिटेज ने किया। मेक्सिकन नेवी में हेल्थ साइंस रिसर्च इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ने बताया- कंकालों की जांच से पता चलता है कि ये एक समय पर जीवित था और इनके शरीर में अंडे भी मौजूद हैं। संभावना है कि मौत से पहले ये प्रेग्नेंट था। उन्होंने ये भी कहा है कि इन शवों का इंसानों से कोई लेना-देना नहीं है। मेक्सिकन जर्नलिस्ट और यूफोलॉजिस्ट जेम मोसान ने दावा किया था कि इन कंकालों का इंसान के इवॉल्यूशन से कोई कनेक्शन नहीं है। मेक्सिको की संसद में पहली बार एलियन की ममी पेश करते हुए मोसान ने कहा था- ये शव पेरू की एक खदान से मिले थे, जो करीब 1 हजार साल पुराने हैं। मोसान के मुताबिक ये दुनिया के इतिहास में अब तक की सबसे अहम खोजों में से एक है। हालांकि कई वैज्ञानिकों ने दुनियाभर में वायरल हो रहे कथित एलियन ममी को खारिज करते हुए इसे एक क्रिमिनल स्टंट बताया था। नासा के वैज्ञानिक डॉ. डेविड स्पर्गेल ने सवाल किया था कि मोसान कथित एलियन के शवों का डेटा पब्लिक क्यों नहीं कर रहे हैं। रॉयटर्स ने मोसान के ऑफिस के एक स्टूडियो रूम में शीशे के बॉक्स में रखी इन एलियन बॉडीज की करीब से तस्वीरें खींची थी।

जेलेंस्की बोले- रूस आतंकी, बच्चों को हथियार बना रहा

इन्हें न्यूक्लियर वेपन रखने का अधिकार नहीं, अब ये यूक्रेन नहीं दुनिया की जंग

न्यूयॉर्क, 20 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को यूएन जनरल असेंबली को संबोधित किया। उन्होंने कहा- ये जंग सिर्फ यूक्रेन नहीं बल्कि पूरी दुनिया की है। इसके लिए सभी देशों को मिलकर रूस के खिलाफ लड़ना होगा। रूस पूरी दुनिया को आखिरी जंग की तरफ धकेल रही है। हम इस बात की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि रूस की इस जंग के बाद दुनिया में कोई भी देश किसी पर हमला न कर सके।

जेलेंस्की ने कहा- कोल्ड वॉर के बाद यूक्रेन नहीं रूस को अपने न्यूक्लियर वेपेन हटाने की जरूरत थी। उन जैसे आतंकवादियों को परमाणु हथियार रखने का कोई अधिकार नहीं होना चाहिए। रूस ने फूड, एनर्जी और बच्चों तक को जंग में यूक्रेन के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा- जब नफरत को एक राष्ट्र के खिलाफ हथियार बनाया जाता है, तो यह

कभी नहीं रुकती।

यूएनएससी की मीटिंग में पीस प्लान पेश करेंगे जेलेंस्की

रूस का मकसद यूक्रेन को अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और नियमों के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करना चाहता है। हमारा पीस प्लान सिर्फ यूक्रेन मे जंग रोकने के लिए बल्कि पूरी दुनिया की बेहतरी के लिए है। रूस लगातार परमाणु हमले की धमकी देता रहा है। वो भूल चुका है कि इसका पूरी दुनिया पर क्या असर होगा। जेलेंस्की ने एक पीस समिट की घोषणा की। इसमें उन्होंने सभी वर्ल्ड लीडर्स से साथ आकर जंग रोकने की कोशिश करने की अपील की। जेलेंस्की ने कहा- मैं अपने पीस प्लान से जुड़ी डीटेल्स बुधवार को यूएनएससी की मीटिंग में शेयर करूंगा। हमारा पीस प्लान सिर्फ यूक्रेन मे जंग रोकने के लिए बल्कि पूरी दुनिया की बेहतरी के लिए है। रूस लगातार परमाणु हमले की धमकी देता रहा है। वो भूल चुका है कि इसका पूरी दुनिया पर क्या असर होगा।

जेलेंस्की बोले- रूस नरसंहार कर रहा

भाषण के दौरान जेलेंस्की ने रूस पर यूक्रेनी बच्चों को किडनैप करके नरसंहार करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- वॉर क्राइम्स की सजा जरूर दी जानी चाहिए, विस्थापित हो चुके लोगों को घर आना चाहिए और जिन्होंने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है, उन्हें अपने क्षेत्र लौट जाना चाहिए।

रूस हमारे फूड एक्सपोर्ट को रोकने की कोशिश कर रहा है। इसी वजह से अफ्रीका और कई दूसरे देशों में अनाज की कमी हो रही है। जेलेंस्की के मुताबिक, रूस तेल की सप्लाई के जरिए दूसरे देशों पर दबाव बनाना चाहता है। साथ ही वो यूक्रेन के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

पुतिन पर भरोसा नहीं कर सकते, प्रिगोजिन इसका सबूत

अपने भाषण में जेलेंस्की ने वैगनर चीफ प्रिगोजिन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- पुतिन और उनके वादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। अगर ऐसा नहीं है तो हमें प्रिगोजिन से इस बारे में पूछना चाहिए। वो इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। बुराई पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

पिछले साल फरवरी में रूस के साथ जंग शुरू होने के बाद जेलेंस्की ने पहली बार यूएन जनरल असेंबली को संबोधित किया। इस दौरान कई वर्ल्ड लीडर्स भी मौजूद रहे। जेलेंस्की के भाषण से पहले बाइडेन ने भी अपनी स्पीच में रूस-यूक्रेन जंग का जिक्र किया। बाइडेन ने जंग के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया।

बाइडेन बोले- जंग के लिए सिर्फ रूस जिम्मेदार, वही इसे रोक सकते

उन्होंने कहा- सिर्फ रूस ही इस जंग को रोक सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जंग खत्म होने तक यूक्रेन की पूरी मदद करने की प्रतिबद्धता जताई। बाइडेन ने कहा- अगर हम किसी एक को खुश करने के लिए यूएन के बुनियादी सिद्धांतों को छोड़ देंगे तो यहां मौजूद कोई भी सदस्य सुरक्षित महसूस नहीं कर पाएगा।

अगर हम यूक्रेन का विभाजन होने देंगे तो किसी भी देश की स्वतंत्रता की रक्षा नहीं हो पाएगी।

पत्नी और छह माह की मासूम को जिंदा जला दिया था

कोर्ट ने आरोपी पति समेत दो को सुनाई यह सजा

दरभंगा, 20 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा में महिला और उसकी छह माह की मासूम की हत्या के मामले में कोर्ट ने आरोपी पति और उसके ससुर को दस साल का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। दरभंगा व्यवहार न्यायालय के सत्र न्यायाधीश बिनोद कुमार तिवारी की कोर्ट ने यह सजा सुनाई। साथ ही कोर्ट अदालत ने मृतिका के एक जीवित दिव्यांग पुत्री के पुनर्वास के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार को मुआवजा निर्धारित कर भुगतान का निर्णय दिया है।

बता दें कि यह मामला 9 फरवरी 2019 को सदर थाना क्षेत्र के मुरिया गांव का है। इसको लेकर मृत महिला के पिता ने सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। इसमें बताया गया था कि 21 साल की सोनी देवी और छह माह की पुत्री लक्ष्मी को जलाकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। मायके वालों ने सोनी के पति और ससुर पर हत्या का आरोप लगाया था। सोनी के पिता गोपाल महतो ने 10 फरवरी 2019 को अपने घर मधुबनी जिला के सदर थानाक्षेत्र के वार्ड नंबर एक से आकर आवेदन पत्र देकर सदर थाना भालपट्टी ओपी में प्राथमिकी दर्ज कराया था। अभियोजन पक्ष का संचालन कर रहे एपीपी चमकलाल पंडित ने बताया कि सोनी की शादी सदर थानाक्षेत्र के भालपट्टी ओपी के मुरिया गांव में घटना से दो बर्ष पूर्व संतोष महतो के साथ हुई थी। जिससे दो संतान का जन्म हुआ था। दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित कर केरोसिन छिड़ककर ब्याहता पत्नी सोनी और छः माह की अबोध पुत्री लक्ष्मी को जिन्दा जलाकर पति,ससूर और ससूराल वाले दोनों की हत्या कर घर से फरार हो गया था। इस मामले का विचारण सत्रवाद सं.317/19 के तहत की गई।अदालत ने मामले की सूनवाई पूरी कर गत 8 सितंबर को पति संतोष महतो और ससूर राम विलास महतो को भादवि की धारा 304 (b) (दहेज हत्या) में दोषी घोषित करते हुए दोनों जूर्मियों को मंडलकारा भेज दिया था। मंगलवार को दोनों पिता पुत्र को दस वर्षों का सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है।

अदालत ने मृतिका के एक जीवित बिकलांग पुत्री के पुनर्वास के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकार को मुआवजा निर्धारित कर भुगतान का निर्णय दिया है।

जर्मनी की विदेश मंत्री ने शी जिनपिंग को तानाशाह कहा

बर्लिन, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को तानाशाह कहा है। फॉक्स न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में बेयरबॉक ने कहा- अगर पुतिन यूक्रेन के खिलाफ जंग जीत जाते हैं तो ये दुनियाभर के दूसरे तानाशाहों जैसे चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग के लिए कैसा मैसेज होगा।

बेयरबॉक ने आगे कहा था- इसीलिए यूक्रेन को यह युद्ध जीतना होगा। आजादी और लोकतंत्र को जीतना ही होगा। सीएनएन के मुताबिक, विदेश मंत्री के बयान से नाराज चीन ने तुरंत अपने यहां मौजूद जर्मनी के राजदूत पैट्रीशिया फ्लोर को तलब कर दिया। उन्होंने पैट्रीशिया के सामने डिप्लोमैटिक लेवल पर विरोध जताया।

बाइडेन भी जिनपिंग को तानाशाह बोल चुके

चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा- जर्मनी की तरफ से दिया गया बयान बेतुका और चीन की राजनीतिक गरिमा का उल्लंघन है। ये बयान चीन को उकसाने के लिए दिया गया है। इससे पहले जून में अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भी शी जिनपिंग को तानाशाह कहा था।

इसके बाद बीजिंग की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई थी। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा था- ये बुनियादी तथ्यों के बिलकुल उलट है। साथ ही बाइडेन का बयान कूटनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है।

चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश में जर्मनी

जुलाई 2023 में जर्मन सरकार ने पहली बार अपनी नई चाइना पॉलिसी पेश की थी। इस दस्तावेज में जर्मनी की चीन पर निर्भरता कम करने की बात कही गई थी। इस पॉलिसी के तहत जर्मनी ने रिसर्च में सहयोग बंद करने की घोषणा की थी। 64 पेज के दस्तावेज के मुताबिक जर्मनी चीन के साथ उन परियोजनाओं से पैसा निकालना चाहता है, जिनमें नॉलेज ट्रांसफर हो सकता है।

वहीं जर्मनी की गठबंधन सरकार का कहना है कि वह पूरी तरह दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था चीन से अलग नहीं होना चाहती है। जर्मनी एक्सपोर्ट पर निर्भर अर्थव्यवस्था है और चीन उसके लिए सबसे बड़ा बाजार है।

बीजिंग के साथ तनाव का असर जर्मनी के निर्यात पर भी होगा। चीन का विदेश मंत्रालय जर्मन की न्यू चाइना पॉलिसी को नुकसान पहुंचाने वाला कदम बता चुके हैं।

सीएम गहलोत को मानहानि केस में राहत नहीं

कोर्ट ने खारिज की आरोप मुक्त करने की अर्जी, अब 25 सितंबर को सुनवाई

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से दायर किए गए मानहानि के केस में सीएम अशोक गहलोत को राहत नहीं मिली है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने गहलोत के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने आरोप मुक्त करने की अपील की थी।

सीएम अशोक गहलोत ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र लगाकर कहा था कि पिछली 3 सुनवाई से शिकायतकर्ता कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहा है, ऐसे में कानून के तहत कोर्ट आरोप मुक्त करें। गहलोत के प्रार्थना पत्र पर 14 सितंबर को कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए गहलोत के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। ऐसे में अब गहलोत पर आगे भी मानहानि का यह मुकदमा चलता रहेगा। अब 25 सितंबर को मामले की अगली सुनवाई करेगी।

गजेंद्र सिंह शेखावत ने दायर किया था मानहानि का केस

दरअसल, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सीएम अशोक गहलोत की ओर से संजीवनी घोटाले में उनको और उनके परिवार को आरोपी बताने के मामले में मानहानि का दावा किया था। इस पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने 6 जुलाई को सीएम अशोक गहलोत के खिलाफ समन जारी किया था। इसके खिलाफ गहलोत ने सेशन कोर्ट में रिवीजन फाइल की थी, लेकिन उनको वहां से राहत नहीं मिली थी। रिवीजन कोर्ट ने सीएम गहलोत को केवल वीसी के जरिए पेश होने की छूट दी थी।

गहलोत बोले- एसओजी ने जो बताया वो बोला

रिवीजन कोर्ट में 1 अगस्त 2023 को सुनवाई के दौरान सीएम अशोक गहलोत ने कहा था कि मेरे पास गृह विभाग भी है। गृहमंत्री होने के नाते एसओजी मुझे रिपोर्ट करती है। एसओजी ने केस को लेकर जो मुझे जानकारी दी, उसे मीडिया के साथ साझा किया। एसओजी को मिली शिकायत में गजेंद्र सिंह के परिवार का नाम भी है। वहीं गजेंद्र सिंह शेखावत के वकीलों ने बहस करते हुए कहा था कि हमारा किसी भी शिकायत में नाम नहीं था। मानहानि का केस दर्ज होने के बाद एसओजी ने इस मामले में कथित तथ्य जुटाए।

करीब 6 महीने पहले गहलोत ने दिया था बयान

दरअसल, गहलोत ने 21 फरवरी को सचिवालय में बजट की समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि संजीवनी घोटाले में गजेंद्र सिंह के मां-बाप, पत्नी सहित पूरा परिवार शामिल है। इस घटना से पहले भी दोनों नेताओं के बीच लगातार बयानबाजी होती आई है। करीब 5 माह पहले केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ मानहानि का दावा पेश किया था। गजेंद्र सिंह ने संजीवनी घोटाले में उनके परिवार के बारे में दिए गए अशोक गहलोत के बयान को आधार बनाया था।

केस को लेकर गहलोत ने कहा था- स्वागत है

मानहानि केस को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने भी केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह पर हमला बोला था। गहलोत ने कहा था कि पूरा घोटाला कागजों पर है। गजेंद्र सिंह के मानहानि केस का स्वागत है। कम से कम इस बहाने केस आगे तो बढ़ेगा। उन्होंने पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा था कि उन्हें गजेंद्र सिंह को अपने मंत्रिमंडल से हटाना चाहिए।

दांतारामगढ़ विधानसभा की चाबी रीटा चौधरी के पास

दिग्विजय सिंह चौटाला बोले- राजस्थान में जेजेपी- बीजेपी का गठबंधन होगा

सीकर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। जननायक जनता दल के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि सीकर के दांतारामगढ़ विधानसभा की चाबी रीटा चौधरी के पास है। रीटा चौधरी दांतारामगढ़ विधानसभा को लगा ताला खोलेगी ।

यह बात दिग्विजय सिंह चौटाला ने दांतारामगढ़ में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कही । दरअसल, महासचिव चौटाला 25 सितंबर को सीकर में चौधरी देवीलाल की जयंती पर आयोजित होने वाले किसान सम्मेलन के लिए जनसंपर्क करने दांतारामगढ़ आए थे। चौटाला ने कहा कि दांतारामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में रीटा चौधरी अन्य राजनीतिक पार्टियों से काफी मजबूत है । हम राजस्थान में भाजपा के साथ गठबंधन करके ही चुनाव लड़ेंगे । भाजपा के साथ हमारा गठबंधन हरियाणा में भी काफी मजबूत है।

वहीं रीटा चौधरी ने कहा राजस्थान में और भी काफी सारी राजनीतिक पार्टियां हैं लेकिन जेजेपी का सीकर से काफी पुराना नाता है ।

पार्टी के अजय सिंह चौटाला यहां से विधायक रहे हैं और चौधरी देवीलाल जी यहां से सांसद रहे हैं । निश्चित तौर पर सीकर सहित अनेक विधानसभा सीटों पर पार्टी जीतेगी।

असम के सीएम बोले- चुनाव से पहले गहलोत नर्वस

कहा- सनातन को कोसने के पीछे गांधी परिवार; कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को कमजोर किया

जोधपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि इस बार चुनाव लड़ने से पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत काफी नर्वस लग रहे हैं। इसीलिए हर थोड़े दिन में नई-नई घोषणा कर रहे हैं। अगर जनता का हित करना ही था तो पहले ही योजनाएं लॉन्च करते। सीएम सरमा बुधवार को जोधपुर में भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा में शामिल होने पहुंचे हैं।

जोधपुर के सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा- यह कांग्रेस की परिपाटी है कि चुनाव से पहले मोबाइल, लैपटॉप और मसाले के पैकेट बांटते हैं। मैं खुद कांग्रेस में इस परिपाटी को नजदीक से देख चुका हूं।

25 सितंबर से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जन आशीर्वाद यात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा- कितनी भी यात्राएं निकाल लें जनता अब उनको यह आशीर्वाद देगी कि घर बैठिये, आपको 5 साल अपने परिवार के साथ बिताना होगा।

सनातन धर्म को आई.एन.डी.आई.ए अलायंस के कोसने के सवाल पर उन्होंने कहा- यदि आप एकेडमिक डिबेट में भी इस्लाम के खिलाफ कुछ बोल जाते हैं तो सर तन से जुदा हो जाता है। लेकिन दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन के लोग लगातार सनातन धर्म को गालियां दे रहे हैं।

मैं भी नहीं चाहता कि कोई इस्लाम के खिलाफ बोले, लेकिन इंडिया गठबंधन के लोगों द्वारा बार-बार हिंदू धर्म के खिलाफ बयान देने पर भी कांग्रेस चुप है। राहुल गांधी कोई ऑफिशियल बयान नहीं दे रहे हैं कि जिसमें वह सनातन धर्म के खिलाफ इस बयान से अपना किनारा करें। इसका मतलब साफ है कि गांधी परिवार भी इन सबके पीछे है।

सीएम सरमा ने डीजल और पेट्रोल के भाव पर तुलना करते हुए कहा कि असम में राजस्थान की तुलना में पेट्रोल 10 रुपए सस्ता है। इसलिए अब राजस्थान के मुख्यमंत्री यहां महंगाई राहत कैंप लगाकर क्यों दिखावा कर रहे हैं।

असम में बिजली भी राजस्थान से कम है और महंगाई दर भी सिर्फ चार प्रतिशत है, जबकि राजस्थान में 8.6% है। यह नेशनल एवरेज 6.8% से भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल डीजल के जो पैसे राजस्थान सरकार ज्यादा ले रही है उसको लेकर सीएम गहलोत को माफी मांगनी चाहिए और राहत देने का यह ड्रामा बंद करना चाहिए। राजस्थान में बढ़ रहे महिला अत्याचार पर भी उन्होंने सरकार को आड़े हाथों लिया।

मणिपुर की इस हालत पर कांग्रेस जिम्मेदार

मणिपुर के हिंसा पर पूछे गए सवाल पर सीएम सरमा ने कहा- नॉर्थ ईस्ट को पूरी तरह से कमजोर करने में कांग्रेस की नीतियां ही जिम्मेदार हैं। जब कांग्रेस की सरकार थी तो नॉर्थ ईस्ट के सभी आठ राज्यों में परेशानी थी। अब एक राज्य को छोड़कर बाकी सभी 7 राज्य शांत हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोलते हैं कि पूरा देश एक है लेकिन कांग्रेस जो ट्वीट करती है उसमें नॉर्थ ईस्ट को काटकर बताया गया है।

बीजेपी की पहली परिवर्तन यात्रा का समापन

पूर्व राष्ट्रीय मंत्री बोले-मोदी ने कहा है, अभी धारा 376 समाप्त हुई हैं, अब पीओके पर भी अपना कब्ज़ा होगा

जयपुर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र शुरू हुई बीजेपी की 4 परिवर्तन यात्राओं में से आज पहली परिवर्तन यात्रा का समापन हो गया। यात्रा ने सोमवार को जयपुर जिले में प्रवेश कर लिया था। आज यात्रा शहर की 8 विधानसभाओं से गुजरते हुए रात को आदर्श नगर विधानसभा पहुंची। यहां भाटिया भवन में यात्रा की समापन सभा आय़ोजित हुई। जिसे बीजेपी के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री महेन्द्र सिंह औऱ यात्रा के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने संबोधित किया।

उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे महेन्द्र सिंह ने कहा कि पीएम मोदी ने जो कहा वो करके दिखाया। धारा 376 हटाने का वादा किया था। उसे हटाया। अब पीओके (पाक अधिकृत कश्मीर) पर भी अपना कब्ज़ा होगा।

यात्रा का शुभारंभ 2 सितम्बर को सवाईमाधोपुर के त्रिनेत्र गणेश मंदिर से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने किया था। इस यात्रा ने 18 दिन में करीब 1847 किमी का सफर तय किया हैं।

शहर में जगह-जगह हुआ यात्रा का स्वागत

जयपुर शहर में यात्रा ने भांकरोटा से प्रवेश किया हैं। भाटिया भवन पहुंचने तक यात्रा का 13 जगह स्वागत किया जा रहा हैं। जिस भी विधानसभा क्षेत्र से यात्रा गुज़री। वहां यात्रा का भव्य स्वागत हुआ।

झोटवाड़ा, सिविल लाइन विधानसभा क्षेत्र में यात्रा के स्वागत के लिए बुलडोज़र खड़े कर दिए गए। जैसे ही यात्रा इस क्षेत्र से गुज़री कार्यकर्ताओं ने बुलडोज़र से यात्रा पर फूल बरसाए। स्वागत के लिए सभी जगह स्वागत मंच भी बनाए गए थे। यहां रूककर कुछ देर के लिए नेताओं ने एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित भी किया।

47 विधानसभा सीटों से गुज़री यात्रा, भाजपा के पास केवल 8

पहली परिवर्तन यात्रा 7 जिलों की 47 विधानसभा सीटों को कवर करते हुए आज समाप्त हो रही है। इसमें से 6 जिले भरतपुर व जयपुर संभाग के हैं। यहां की 47 सीटों में से 2018 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी केवल 8 सीटें ही जीत पाई थी। जबकि 33 सीटें कांग्रेस व 6 अन्य के पास हैं।

करौली में फ्री मोबाइल नहीं मिलने से ग्रामीणों ने लगाया जाम

कर्मचारियों पर लगाया रुपए लेने का आरोप

करौली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की योजना को सरकारी कर्मचारी ही फेल कर रहे हैं। ग्रामीणों ने रुपये लेकर स्मार्टफोन बांटने के मामले की जांच करवाकर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

करौली जिले के उपखंड मुख्यालय सपोटरा में फ्री स्मार्टफोन नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने सड़क मार्ग पर जाम लगा दिया। साथ ही स्मार्टफोन वितरण करने वाले कर्मचारियों पर रुपए लेने का भी आरोप लगाया। जिस कारण राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना पर सपोटरा थाना अधिकारी यशपाल सिंह मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को शांत कराकर जाम खुलवाया।

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का आरोप है कि राजस्थान सरकार के द्वारा इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना के तहत बांटे जा रहे स्मार्टफोन पात्र लोगों को नहीं बांटे जा रहे हैं। पिछले कई दिनों से पात्र लाभार्थी सुबह कैंप जा रहे हैं, लेकिन उन्हें मोबाइल नहीं मिल रहा है। उनका आरोप है कर्मचारियों द्वारा अपने चेहते लोगों को स्मार्टफोन वितरण किए जा रहे हैं। अधिकारियों को कई बार शिकायत करने के बाद भी उनकी समस्या को नहीं सुना जा रहा है। इससे परेशान होकर उन्हें मजबूरी में जाम लगाना पड़ा।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की योजना को सरकारी कर्मचारी ही फेल कर रहे हैं। ग्रामीणों ने रुपये लेकर स्मार्टफोन बांटने के मामले की जांच करवाकर दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जल्द ही सपोटरा में स्मार्टफोन वितरण व्यवस्था को सही नहीं करवाया गया तो फिर हम धरने पर बैठेंगे।

एसीबी ने कांस्टेबल को 15 हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

बीकानेर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। 15 हजार की रिश्वत मांगने वाले एक कांस्टेबल को एसीबी की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी कांस्टेबल ने केस बंद करने के लिए पीड़ित से रिश्वत मांगी थी, जिसकी शिकायत उसने एसीबी से की थी।

बीकानेर जिले में एसीबी टीम ने एक घूसखोर कांस्टेबल को गिरफ्तार किया है। आरोपी कांस्टेबल ने एक परिवाद को निपटाने के लिए 15 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की थी। परिवादी की शिकायत पर एसीबी ने आरोपी कांस्टेबल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार एसीबी की टीम ने ट्रैप अधिकारी श्रवण कुमार के नेतृत्व में बीकानेर बज्जू थाने में तैनात कांस्टेबल बनवारी लाल को 15000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा। परिवादी मनीराम बिश्नोई ने बताया कि उसके खिलाफ बज्जू पुलिस थाने में दर्ज परिवाद को लज्जा भंग और एससी एसटी का केस बताते हुए कांस्टेबल बनवारी ने फाइल बंद करने के खर्चे के तौर पर 15000 रुपये की मांग की थी।

रिश्वत की मांग के बाद मनीराम ने एसीबी में बनवारी लाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। एसीबी ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद कांस्टेबल बनवारी लाल को ट्रैप किया। ट्रैप की कार्रवाई के दौरान राजवीर सिंह, नरेंद्र कुमार, रतन सिंह, अनिल कुमार, हरिराम मनोहर लाल और भगवानदास कांस्टेबल मौजूद रहे।

शॉर्ट सर्किट से फ्रीजर में लगी आग

शिव रोड स्थित आइसक्रीम पार्लर और रुई का गोदाम जलकर खाक

जैसलमेर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। आग आइसक्रीम पार्लर में रखे डी-फ्रीज में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से लगी। आइसक्रीम पार्लर के साथ ही अंदर रुई का गोदाम भी बना रखा था जिसमें रज़ाई और गद्दे आदि रखे थे।

जैसलमेर के शिव रोड स्थित एक आइसक्रीम पार्लर और रुई के गोदाम में आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना पर तीन फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से आइसक्रीम पार्लर में रखे 10 के करीब डी-फ्रीज, फर्नीचर, मशीनरी और रुई के गोदाम में रखे रजाई और गद्दे आदि जलकर राख हो गए। आग की सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंची। शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया जा रहा है।

नगर परिषद फायर ब्रिगेड के फायरमैन भेरुदान ने बताया कि शहर के शिव रोड स्थित कुमकुम सोफ्टी कॉर्नर में अल सुबह करीब सात बजे आग लग गई। मकान मालिक पास ही में रहता है। उसने दुकान से आग की लपटें उठती देख तुरंत फायर ब्रिगेड को जानकारी देकर मौके पर बुलाया। नगर परिषद की फायर ब्रिगेड टीम के साथ मौके पर पहुंची और आग बुझाने के प्रयास तेज किए।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग

भेरुदान ने बताया कि आग आइसक्रीम पार्लर में रखे डी-फ्रीज में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से लगी। आइसक्रीम पार्लर के साथ ही अंदर रुई का गोदाम भी बना रखा था जिसमें रज़ाई और गद्दे आदि रखे थे। रुई की वजह से आग और ज्यादा तेज हो गई। नगरपरिषद की 2 दमकल और सिविल डिफेंस की एक दमकल ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

जैसलमेर के दिनेश खत्री की कुमकुम सोफ्टी कॉर्नर में आग से करीब 10 डी-फ्रीज, फर्नीचर, मशीनरी, रज़ाई, रुई और गद्दे आदि जलकर राख हो जाने से दुकान का लाखों का नुकसान हो गया। आग बुझाने में फायर टीम के ड्राइवर सलीम ख़ान, रमेश सिंह, फायरमैन भूराराम, देवी सिंह सोढ़ा, देवीसिंह भाटी, हसन खान, भेरुदान और सिविल डिफेंस की टीम के लोग शामिल रहे।

अलवर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने निकाली शौर्य जागरण यात्रा, 24 को जयपुर में होगा समापन

अलवर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बजरंग दल के जिला संयोजक संजय पंडित ने बताया कि शौर्य जागरण यात्रा ने अलवर जिले में प्रवेश किया, जिसका विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया।

देश भर में विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से शौर्य जागरण यात्रा निकाली जा रही है। राजस्थान में 16 सितंबर से सालासर बालाजी मंदिर से शौर्य जागरण यात्रा शुरू की गई थी, जिसका 24 सितंबर को जयपुर में समापन होगा।

बजरंग दल के जिला संयोजक संजय पंडित ने बताया कि शौर्य जागरण यात्रा ने अलवर जिले में प्रवेश किया, जिसका विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया। शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई यात्रा कंपनी बाग स्थित मैदान में पहुंची, जहां सभा आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म के विरुद्ध हो रही गतिविधियों पर रोक लगाना, धर्म का प्रचार और उसकी रक्षा करना है।

इधर, शौर्य जागरण यात्रा को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी चौक चौक बंद रहा। पूरी यात्रा के साथ पुलिस का जाब्ता चलता रहा। वहीं, बड़ी संख्या में पुलिस बल सभा स्थल पर भी तैनात रहा।

भ्रष्टाचार, लाल डायरी पर परनामी ने कांग्रेस को घेरा

बोले-प्रदेश की कानून व्यवस्था सबसे खराब, अपराधी घूम रहे खुलेआम

बानसूर, 20 सितंबर (एजेंसियां)। बानसूर में परिवर्तन संकल्प यात्रा के बाद भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर निशाना साधा। बेरोजगारी, पेपर लीक, महिलाओं पर अत्याचार और कानूनी व्यवस्था को लेकर कांग्रेस सरकार को घेरा। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी, परिवर्तन यात्रा के सहसंयोजक श्रवण बागड़ी ने ये प्रेसवार्ता की।

अशोक परनामी ने कहा कि प्रदेश सरकार के मंत्री की ओर से राजस्थान सरकार के कारनामों का उजागर करने के लिए लाल डायरी का थोड़ा सा ट्रेलर आया था, उसमें सरकार पूरी हिल गई। लाल डायरी में बहुत कुछ और निकलेगा। भ्रष्टाचार का पूरा लेखा-जोखा लाल डायरी में है। प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल है। अलवर जिले में मूकबधिर बच्ची के साथ दुष्कर्म के आरोपी सरकार की नाकामी के कारण आरोपी खुले में घूम रहे हैं।

बानसूर के भूपसेड़ा सुनीता हत्याकांड और महनपुर में नाबालिग बच्चे की हत्या के मामले का पुलिस की ओर से अभी तक खुलासा नहीं किया गया है। कुछ दिन पहले ही नारायणपुर में एक व्यापारी हंसराज से लूटपाट और जान से मारने की नीयत से आंख पर चाकू मारने की घटना के आरोपियों को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है। अपनी नाकामी छिपाने के लिए निर्दोष व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया। पूरे राज्य में महिलाओं पर दुष्कर्म और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो रहा है। विधायक मंत्री अपने क्षेत्र के मनचाहे थाना अधिकारी लगाकर मनमर्जी कर रहे हैं।

क्षमा वीरों का आभूषण : साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञा जी

पर्युषण महापर्व अंतिम क्षमायाचना पर्व मनाया गया

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षमायाचना पर्व के अवसर पर अपने विशेष उद्द्बोधन में साध्वी श्री डॉ. मंगल प्रज्ञा जी ने कहा कि आज भार मुक्ति का दिन है। भार उतरने से व्यक्ति आनन्द का अनुभव करता है। जिंदगी के उबड़ खाबड़ कठिन रास्ते पर चलते-चलते फिसल जाना, गिर जाना बड़ी बात नहीं पर गिर कर संभलना श्रेयस्कर होता है। साध्वी श्री जी ने कहा क्षमायाचना का एक मात्र यह पर्व जैन समाज की मनाता है। तप-जप-त्याग ज्ञान-ध्यान-विज्ञानमय श्रुत यात्रा का यह महापर्व हमने मनाया। सम्पूर्ण समाज ने अध्यात्म की इस गंगोत्री में स्नान कर शक्ति प्राप्त की। उस प्राप्त शक्ति को सही रूप में नियोजित भी करना चाहिए। इस दिन वर्ष भर में हुई भूलो के लिए हर व्यक्ति परस्पर क्षमा का आदान-प्रदान करता है। सभी को माफ करने का यह सूत्र अपनाना चाहिए। अतीत की भूलों को भूल जाएं और आपसे जो क्षमा याचना करता है उसे क्षमा भी करें। शान्ति की गंगोत्री प्रवाहित होगी-घर परिवार और समाज का वातावरण सुरम्य बन जाएगा।

महामना गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी की अनुशासना में हम सभी साधना कर रहे। उन्होंने अपनी सहवर्तिनी साध्वियो के साथ पूज्यप्रवर, साध्वी प्रमुखा श्री जी, मुख्यमुनिप्रवर, साध्विवर्या जी एवं समस्त साधु-साध्वियों से क्षमायाचना की। श्रावक समाज द्वारा कुल 725 लोगो ने पोषध किए, जिसमें सबसे कम उम्र 3 साल के नवयम लूनिया, राघव गदैया ने उपवास और साढ़े चार साल के एकांश नौलखा ने पोषध किया। सभी संस्थाओं के पधाधिकारीयो ने समस्त समाज से खमत खामना की। शासन सेवी भीखमचंद नखत, महिला मंडल की अध्यक्षा कविता आच्छा, तेयुप अध्यक्ष निरमल दुगड़, टीपीएफ अध्यक्ष पंकज संचेती, वेलफेयर सोसायटी के चेयरमैन महेंद्र भंडारी, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष बाबुलाल बैद, पर्युषण व्यवस्था समिति से लक्ष्मीपत बैद, श्री जैन सेवा संघ के उपाध्यक्ष विनोद संचेती, ज्ञानशाला प्रभारी संगीता गोलछा, समण संस्कृति संकाय संयोजक सीमा नाहर, अणुव्रत समिति उपाध्यक्ष विजय आंचलिया, किशोर मंडल के संयोजक खुशाल भंसाली और कन्या मंडल की ओर से पूर्वा सुराणा ने समस्त श्रावक समाज से खमत खामना की और अपने विचार व्यक्त किए।

श्रावक श्राविका समाज ने साध्वीवृंद से क्षमा याचना कर पारस्परिक साधार्मिको से क्षमा याचना की। साध्विवृंद ने मैत्री गीत का सामूहिक संगान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी राजुल प्रभा जी ने किया। अंत में आभार ज्ञापन श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के मंत्री सुशील संचेती द्वारा किया गया।

बोईनपल्ली स्थित कोरेमुला सीरवी समाज बन्धुओं द्वारा बीआरएस श्रम एवं रोजगार मंत्री सी.मल्लारेड्डी, भद्रा रेड्डी, प्रीति रेड्डी को घटकेसर मंडल मे शमशान वाटिका के लिए ज्ञापन सौंपकर सम्मान करते हुए संरक्षक प्रभुराम परिहारियां, अध्यक्ष कालुराम काग, सचिव डायाराम लचेटा, चेयरमैन कोन्डल रेड्डी, सरपंच रमादेवी, रामलु गौड़, दयाकर रेड्डी व समाज बन्धु।

अलमासगुडा स्थित आईमाता बडेर में बीज महोत्सव के पावन अवसर पर पूजा-अर्चना व सांस्कृतिक कार्यक्रम व महाप्रसादी में उपस्थित समाज की महिलाएँ।

श्री रामदेव भक्त संगम भाग्यनगर, हैदराबाद के तत्वावधान में द्वरिकानाथ भगवान श्री रामदेवजी महाराज का जन्मोत्सव श्री लक्ष्मी नारायण कन्वेंशन, रामदेवरा दरबार के बाजू, शिवरामपल्ली, हैदराबाद में एक पारंपरिक रात्रि जागरण के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोशामहल विधायक टी. राजसिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रमुख भजन गायक सुशील गोपाल बजाज, मुख्य यजमान साँवरमल-श्रीमती पुष्पा अग्रवाल, उद्घाटनकर्ता अमृतकुमार-श्रीमतती मीनाक्षी जैन, समाजसेवी गोपाल-श्रीमती मंजू बल्दवा उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री रामदेव भक्त संगम के कई सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी चेतना मास समारोह का शुभारंभ

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में आज 20 सितंबर, 2023 को हिंदी चेतना मास समारोह का शुभारंभ किया गया। समारोह का शुभारंभ भाकृअनुप गान से हुआ। डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने माँ सरस्वती की वंदना तथा दीप प्रज्वलित करके समारोह के शुभारंभ की घोषणा की। डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी अधिकारी, हिंदी कक्ष ने समारोह में उपस्थित लोगों का स्वागत किया तथा हिंदी चेतना मास समारोह के दौरान आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उन्हें सफल बनाने हेतु आग्रह किया। तत्पश्चात डॉ. तारा सत्यवती के द्वारा संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा प्रतिज्ञा दिलाई गई। इस अवसर पर अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं

सहकारिता मंत्री के द्वारा हिंदी दिवस पर जारी वीडियो संदेश का प्रदर्शन किया गया, तत्पश्चात श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी एवं श्री शेख रूकमान, वित्त एवं लेखा अधिकारी ने क्रमशः नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा डॉ. हिमांशु पाठक, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग तथा महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संदेश एवं अपील का वाचन किया। उक्त हिंदी चेतना मास समारोह का उद्घाटन राजभाषा विभाग द्वारा पूणे में आयोजित हिंदी दिवस एवं तृतीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में किया गया था।

डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि आज हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कहीं भी जाएं, अपने संबोधन हिंदी में ही देते हैं और परिणाम आज हमारे समक्ष - अमेरिकन प्रवक्ता के द्वारा हिंदी में उत्तर देने के रूप में प्रस्तुत है।

उन्होंने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित किए जा रही विभिन्न प्रतियोगिताओं (आशुभाषण प्रतियोगिता, टिप्पण एवं आलेखन, निबंध लेखन, हिंदी पाठ वाचन, त्वरित हिंदी वर्ण पहचान, गायन/अंत्याक्षरी, हिंदी में पोस्टर प्रस्तुतीकरण आदि) तथा हिंदी में हस्ताक्षर अभियान के संबंध में सविस्तार जानकारी प्रदान की।

डॉ. सत्यवती ने इस अवसर पर अपने संबोधन में संस्थान के अधिकारियों को हिंदी चेतना मास समारोह के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के बाद समारोह का समापन हुआ। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय तथा संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

रामदेवरा दरबार, शिवरामपल्ली में भादवा सुदी दुज के उपलक्ष्य में रामदेव नवयुग मंडल शिवरामपल्ली द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्री रामदेव कीर्तन संगम मंदिर ट्रस्ट के धर्माराम ढाका ने सभी सहयोगी दाताओं का स्ममान किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालु।

श्री विश्वकर्मा भवन सुचित्रा में विशेष सभा में सभी समाज के बन्धुओं ने एकमत होकर मंदिर निर्माण की रूपरेखा को अंतिम निर्णय लिया, जिसमें बेंगलुरु एवं चेन्नई से पधारे हुए समाज बंधु भंवरलाल, तेजाराम, किरताराम, देवाराम ने समाज के अपना अनुभव साझा किया। श्री राजस्थानी विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष नेमीचंद देवकरण सियाराम ने उनका सम्मान किया।

गाजियाबाद दिल्ली से नगर पधारे आध्यात्मिक गुरु व शिक्षाविद पवन गुरु का सम्मान करते हुए विशिष्ट चिकित्सक डॉ. मोहन गुप्ता व अन्य।

ऋषि श्रृंग भवन पर पाली से पधारे विश्व विख्यात वास्तु शास्त्री सूर्यप्रकाश उपाध्याय के हैदराबाद आगमन पर सामाजिक विषयों पर चर्चा करते हुए रामदेव नागला, बद्रीनारायण नागला, चंद्रभान व्यास, नरेश नागला।

स्थानीय लोगों की शिकायत पर आनंद गौड़ ने लिया स्थिति का जायजा

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय लोगों ने कल रात गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ का ध्यान इस ओर दिलाया कि बेगमबाजार, गोशामहल, मुल्तानीपुरा और गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र के अन्य इलाके प्रदूषित पानी से भरे हुए हैं। आज सुबह तत्काल आनंद कुमार गौड़ जल निकाय महाप्रबंधक जॉन शरीफ एवं घोडेका कबर के प्रबंधक गुरुनाथ के साथ पदयात्रा पर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने गोशामहल की जनता की ओर से जीएम और मैनेजर को धन्यवाद दिया। इसी तरह उन्होंने कहा कि कुछ कार्यों से संबंधित प्राक्कलन कार्यों को मंत्री के संज्ञान में लाया जायेगा। इसके अलावा मुल्तानीपुरा के एक स्कूल में दूषित पानी पीने से बच्चों को बुखार हो जाने की जानकारी मिली। उन्होंने जीएम से समस्या का शीघ्र समाधान करने को कहा। उन्होंने कहा कि गोशामहल के लोगों को अगर कोई समस्या है तो उन्हें उनके ध्यान में लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे। कार्यक्रम में बस्ती के बुजुर्ग वेंकट, नंदू कुमार, किरण, नरेश गौड़, श्रीनिवास समेत अन्य शामिल हुए।

श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव निर्विरोध संपन्न

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट की साधारण सभा रविवार 1 अक्तूबर को बुलाई गई है। चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में जानकारी देते हुए बताया कि चुनाव 14 ट्रस्टियों हेतु होना था, जिसमे 20 सदस्यों को नामांकन पत्र प्रदान किए गए जिनमे अभिषेक अग्रवाल, अजीत गुप्ता, बजरंग प्रसाद गुप्ता, गोपाल चंद अग्रवाल, गोविंद गुप्ता, कैलाश चंद अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, महेश कुमार केडिया, मुकुंद लाल अग्रवाल, नरेंद्र कुमार गोयल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, संजय कुमार सिंघानिया, श्री किशन अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, विनोद अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल आदि हैं। इनमेंसे राजेश अग्रवाल ने नामांकन पत्र जमा नहीं करवाया। नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 20 सितंबर मध्याह्न 2 बजे तक थी। जिसमें किशन अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र गोयल, संजय सिंघानिया एवं कमलेश अग्रवाल ने अपने नामांकन पत्र वापस लिए जिसके फलस्वरूप 14 ट्रस्टियों के चुनाव में 14 प्रत्याशी ही चुनाव में बचे हैं। अतः निम्न 14 प्रत्याशीयों का निर्विरोध निर्वाचन हुआ। अभिषेक अग्रवाल, अजीत गुप्ता, बजरंग प्रसाद गुप्ता, गोपाल चंद अग्रवाल, गोविंद गुप्ता, कैलाश चंद अग्रवाल, महेश कुमार केडिया, मुकुंद लाल अग्रवाल, नरेंद्र कुमार गोयल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल को श्री अग्रसेन चैरिटेबल ट्रस्ट के चुनाव में निर्विरोध चुना गया।

कवाड़पल्ली स्थित श्री देवनारायण मंदिर प्लॉट पर वीर गुर्जर समाज के सान्निध्य में अर्न्तराष्ट्रीय गुर्जर दिवस एवं राजा मिहिर भोज महान की जयंती पर पुजा-अर्चना कार्यक्रम पर उपस्थित वीर गुर्जर महासभा प्रदेशाध्यक्ष बहादुर गुर्जर, कोषाध्यक्ष नाथुराम गीड़, विष्णु भावला, कल्याण कटारिया, चेनाराम चाड़, बक्साराम फारक, छोटुराम मोटर, भैराराम कवाड़ा, ओमप्रकाश लादी, देवधाम पुजारी रुघाराम हाकला व अन्य।

गांव में सेवा करने का मेरा सपना पूरा हो गया : मधुसूदन

नए स्कूल भवन का किया गया उद्घाटन

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सुमधुरा फाउंडेशन के प्रबंध ट्रस्टी गुंडा मधुसूदन ने कहा कि वह रामन्नापेट मंडल के इस्किल्ला गांव में खंडहर हो चुके मंडल परिषद प्राइमरी स्कूल को विश्वस्तरीय सुविधाओं के साथ पुनर्निर्माण करके खुश हैं। बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि जिस गांव में मेरा जन्म हुआ, उसकी सेवा करने का मेरा सपना पूरा हो गया। उन्होंने कहा कि लगभग 2 करोड़ रुपये की अत्याधुनिक लागत से निर्मित स्कूल भवन में विशाल कक्षाएँ, कंप्यूटर लैब, डिजिटल लाइब्रेरी, आंगनवाड़ी कक्ष और रसोई जैसी सभी सुविधाएँ हैं। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, छात्रों के लिए आवश्यक खेल उपकरण और नए फर्नीचर, कुर्सियाँ, टेबल आदि के साथ एक खेल का मैदान भी उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि इस महीने की 22 तारीख शुक्रवार को खोले जाने वाले नए स्कूल भवन का उद्घाटन राज्य के बिजली मंत्री जी.जगदीश रेड्डी करेंगे और स्थानीय विधायक चिरुमरथी लिंगया मुख्य अतिथि होंगे। उच्च शिक्षा के लिए पड़ोसी गाँवों में जाने वाले लड़के-लड़कियों को साइकिलें दी गईं। उन्होंने बताया कि युवाओं के उत्थान के लिए यूट्यूब, टैली और बुनियादी कंप्यूटर पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण कक्षाएं भी आयोजित की गईं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि

यह स्कूल भवन प्रत्येक छात्र के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार का प्रत्यक्ष उदाहरण है और यह स्कूल कई छात्रों के सुनहरे भविष्य के लिए एक सेतु के रूप में खड़ा होगा।

बंडलागुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में एल.बी.नगर वेल्फेयर सीरवी समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित माई के अवतरण दिवस पर पूजा-अर्चना, जागरण व महाप्रसादी कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष जगदीशप्रसाद काग, वेनाराम चोयल, प्रकाश सेपटा, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दो मुद्दों पर ...

संविधान बेंच एक अन्य मामले पर भी विचार करेगी, जिसमें यह सवाल शामिल है कि क्या कोई सांसद या विधायक सदन में भाषण देने या वोट देने के लिए क्रिमिनल केस में छूट का दावा कर सकता है।

1984 सिख दंगा ...

दिल्ली हाईकोर्ट ने 17 दिसंबर 2018 को सज्जन कुमार को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दरअसल, 1984 के सिख विरोधी दंगों के बाद दिल्ली में पांच सिखों की हत्या और गुरुद्वारा जला दिया गया था। इसी केस में सज्जन कुमार को दोषी पाया गया और उन्हें सजा सुनाई गई।

क्या वर्ल्ड कप से पहले नंबर-1 बन पाएगा भारत

पहली बार सभी फॉर्मेट की रैंकिंग में एक साथ टॉप पर आने का मौका

खेल डेस्क, , 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के पास वर्ल्ड कप में दुनिया की नंबर-1 वनडे टीम बनकर उतरने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली 3 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया यह अचीवमेंट हासिल कर सकती है। कंगारुओं के खिलाफ सीरीज जीतते ही टीम इंडिया टेस्ट, वनडे और टी-20 तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बन जाएगी।

इस स्थिति में भारत एक साथ सभी फॉर्मेट की रैंकिंग के टॉप पर पहुंचने वाला दुनिया का दूसरा देश बन जाएगा। साउथ अफ्रीका ही अब तक 2014 में यह मुकाम हासिल कर सका है।

आगे स्टोरी में हम वनडे में भारत के वर्ल्ड नंबर-1 बनने के समीकरण, वर्तमान रैंकिंग और दोनों टीमों का हेड टु हेड रिकॉर्ड जानेंगे...

सीरीज जीतने पर तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 कैसे बनेगा भारत?

वर्तमान रैंकिंग में भारतीय टीम टेस्ट और टी-20 में नंबर-1 है, लेकिन वनडे में टीम 115 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। टॉप पोजिशन पर स्थित पाकिस्तान के पास भी 115 अंक ही अंक हैं।

टीम इंडिया अगर वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हरा देती है तो 116 अंक के साथ टीम वनडे में भी नंबर-1 बन जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया पर 3-0 से क्लीन स्वीप करने की स्थिति में भारत 118 अंक के साथ वनडे की बादशाहत हासिल करेगा। आगे अलग-अलग हार-जीत की 2 स्थितियों से बनने वाले समीकरण समझते हैं...

पहली : सीरीज जीतने पर भारत वनडे में नंबर-1 होगा

3-0 से क्लीन स्वीप करने पर 3 अंक का फायदा

टीम इंडिया अगर वनडे सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 3-0 से हराकर क्लीन स्वीप कर लेती है तो टीम वनडे रैंकिंग में 118 अंक हासिल कर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएगी। जबकि पाकिस्तान 115 अंक के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 108 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहेगा।

2-1 से सीरीज जीते तो 116 अंक होंगे भारतीय टीम अगर वनडे सीरीज 2-1 से जीत लेती है तो टीम 116 अंक के साथ वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएगी। जबकि पाकिस्तान 115 अंक के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 112 अंक लेकर तीसरे नंबर पर रहेगा।

दूसरी: ऑस्ट्रेलिया के जीतने पर भारत तीसरे स्थान पर आ जाएगा

2-1 से सीरीज हारने पर पाकिस्तान को फायदा होगा ऑस्ट्रेलियाई टीम अगर भारत को वनडे सीरीज में 2-1 से हरा देती है, तो पाकिस्तान को फायदा होगा। पाकिस्तानी टीम 115 अंक रहने के बावजूद नंबर-1 पर कायम रहेगी। साथ ही ऑस्ट्रेलिया 115 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर आ जाएगा। भारत के 114 अंक होंगे और टीम तीसरे नंबर पर खिसक जाएगी।

3-0 से हारने पर ऑस्ट्रेलिया टॉप पर होगा ऑस्ट्रेलिया अगर 3-0 से सीरीज जीतता है तो टीम 118 पॉइंट्स लेकर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएगी। जबकि पाकिस्तान 115 अंक के साथ दूसरे और भारत 111 अंक के साथ से तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

ICC की वर्तमान रैंकिंग में दुनिया की टॉप-3 टीमें

टेस्ट

नंबर	टीम	पॉइंट्स	रेटिंग
1	भारत	3,434	118
2	ऑस्ट्रेलिया	3,534	118
3	इंग्लैंड	4,941	115

वनडे

नंबर	टीम	पॉइंट्स	रेटिंग
1	पाकिस्तान	3,102	115
2	भारत	4,701	115
3	ऑस्ट्रेलिया	3,166	113

टी-20

नंबर	टीम	पॉइंट्स	रेटिंग
1	भारत	15,589	264
2	इंग्लैंड	10,422	261
3	पाकिस्तान	12,719	254

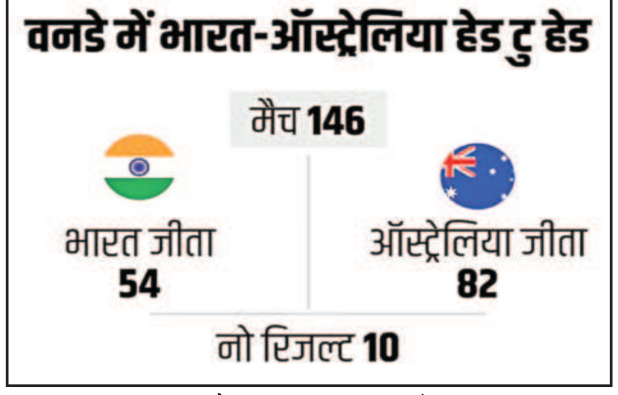

इस बार क्यों खास है नंबर-1 पोजिशन

क्योंकि, इस बार नंबर-1 बनते ही भारत क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में एक साथ नंबर-1 पोजिशन हासिल कर लेगा, जो अब तक एक ही टीम अचीव कर सकी है। क्रिकेट इतिहास में केवल साउथ अफ्रीका टीम ही यह कारनामा कर सकी है, टीम 2014 में एक साथ तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनी थी।

ऐसा नहीं है कि भारत अब तक तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 नहीं बना है। इसी साल फरवरी महीने में ऐसा हुआ है, लेकिन वो इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की गलती से हुआ, जिसे काउंसिल ने बाद में सुधार लिया था।

अभी दूसरे नंबर पर है भारत

आईसीसी की वर्तमान रैंकिंग में भारतीय टीम वनडे में दूसरे नंबर पर है, टीम के पास 115 अंक हैं। जबकि पाकिस्तान भारत के बराबर 115 अंक लेकर नंबर-1 पोजिशन पर है पाकिस्तान डेसिमल पॉइंट्स की कैलकुलेशन में भारत से आगे है। टेस्ट और टी-20 रैंकिंग में पर भारत टॉप पर है।

ओवरऑल आंकड़े ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में, भारत घर में टक्कर देता है

वनडे फॉर्मेट में हेड टु हेड आंकड़ों के जरिए हम पाते हैं कि वनडे में ऑस्ट्रेलियाई टीम मजबूत है। वह अमूमन टीम इंडिया को हर दूसरे मुकाबले में हराती है, जबकि भारत को जीतने के लिए तीन मुकाबले लगते हैं।

भारत में टीम इंडिया कंगारुओं को कड़ी टक्कर देती है, लेकिन भारतीय सिलेक्टर्स ने वर्ल्ड कप से पहले टीम के 5 सीनियर खिलाड़ियों को रेस्ट दिया है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, हार्दिक पंड्या और कुलदीप यादव को सीरीज के शुरुआती 2 मैचों से आराम दिया गया है।

इस चयन से ऐसा लगता है कि सिलेक्टर्स अभी नंबर-1 बनने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। इसका संकेत 2 फैक्ट के जरिए मिलता है। पहला, रोहित शर्मा का बयान और दूसरा, एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी सुपर-4 मैच।

रोहित बोले- हमारा फोकस बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने भी टीम का ऐलान करते हुए कहा था कि हमारा उद्देश्य वर्ल्ड कप से पहले बेंच स्ट्रेंथ को मौके देने पर है, क्योंकि पिछले एक-डेढ़ साल से टीम चोटों के दौर से गुजर रही है। वर्ल्ड कप में हमें करीब 10 से 11 मैच खेलने हैं। ऐसे में किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर नए चेहरे को बिना मैच प्रैक्टिस के सीधे वर्ल्ड कप में नहीं उतार सकते हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ 5 बदलाव एशिया कप में सुपर-4 स्टेज के आखिरी मैच से पहले ही फाइनल में पहुंच चुकी टीम इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 5 बदलाव किए और मुकाबला गंवा दिया। उस दिन भी भारत के पास बांग्लादेश को हराकर वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका था, लेकिन भारतीय टीम ने इस पर ज्यान देकर फाइनल और बेंच स्ट्रेंथ आजमाने की रणनीति पर फोकस किया। क्योंकि बांग्लादेश के खिलाफ भारत अपनी फुल स्ट्रेंथ के साथ उतरता तो जीतने के ज्यादा मौके रहते।

आईसीसी वर्ल्ड कप का ऑफिशियल थीम सॉन्ग लॉन्च

नाम- दिल जश्न बोले, मुख्य किरदार में नजर आए रणवीर सिंह

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का ऑफिशियल थीम सॉन्ग आज 20 सितंबर को लॉन्च हो गया। गाने का नाम 'दिल जश्न बोले' है। सॉन्ग के कवर पर रणवीर सिंह नजर आ रहे है। म्यूजिक डायरेक्टर प्रीतम चक्रवर्ती ने कंपोज किया है। इस वर्ल्ड कप सॉन्ग को सिंगर प्रीतम, नकाश अजीज, श्रीराम चंद्रा, अमित मिश्रा, जोनिता गांधी, अकासा और चरण ने गाया है।

पिछले महीने लॉन्च हुआ था ऑफिशियल मस्कट

आईसीसी ने वनडे वर्ल्ड कप का ऑफिशियल मस्कट 19 अगस्त को लॉन्च किया गया। मस्कट को महिला बॉलर और पुरुष बैटर की थीम पर बनाया गया है। पुरुष मस्कट के हाथ में बैट और महिला मस्कट के हाथ में बॉल दिखाई गई है। आईसीसी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर मस्कट का वीडियो भी शेयर किया, इसमें भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह नजर आए थे।

आईसीसी ने मस्कट लॉन्च इवेंट में भारत की अंडर-19 विमेंस टीम की कप्तान शेफाली वर्मा और अंडर-19 पुरुष टीम के कप्तान यश धुल भी मौजूद रहे।

वनडे वर्ल्ड कप भारत में 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक खेला जाएगा। पहला मैच पिछले वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच होगा। भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा।

भारत-पाक मुकाबला 14 अक्टूबर को

वनडे वर्ल्ड के इस 13वें संस्करण में भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को चेन्नई में होगा। जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप स्टेज का मुकाबला 14 अक्टूबर को अहमदाबाद में होना है। 15 और 16 नवंबर को सेमीफाइनल, 19 नवंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

भारतीय रोइंग दल 19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत की

मेंस - विमेंस टीम ने रोइंग के लाइटवेट डबल स्कल इवेंट में रेपेचेज राउंड पहुंची

हांगझोउ, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय रोइंग दल 19वें एशियन गेम्स में जीत से शुरुआत की है। यहां चीन के हांगझोउ शहर में चल रहे इन गेम्स में बुधवार को भारतीय मेंस और विमेंस टीम ने रोइंग के लाइटवेट डबल स्कल इवेंट में मेडल की उम्मीद को बरकरार रखा है। दोनों टीमें रेपेचेज राउंड में पहुंच गई हैं।

पुरुषों के लाइटवेट डबल स्कल में अर्जुन लाल जाट और अरविंद सिंह ने हीट में 6:27.45 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इसके अलावा सतनाम सिंह और परमिंदर सिंह ने 6:27.01 के समय के साथ अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहे। पुरुषों के दोनों ही

अब रेपेचेज राउंड में हिस्सा लेंगी। अगर रेपेचेज में शानदार प्रदर्शन रहा तो वह फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे।

पुरुषों के अलावा भारतीय लाइटवेट महिला डबल स्कल्स जोड़ी किरण और अंशिका भारती ने 7:27.57 का समय लेकर अपनी हीट में चौथा स्थान हासिल किया। ये भी रेपेचेज राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है।

वॉलीबॉल में कोरिया के साथ शाम को मैच

वॉलीबॉल में आज कोरिया साथ शाम को 4 बजे मैच है। इससे पहले भारतीय मेंस वॉलीबॉल टीम ने लीग मुकाबले में कंबोडिया 3-0 से हराया।

वॉलीबॉल: अमित ने दिलाए सबसे ज्यादा अंक

भारतीय पुरुष वॉलीबॉल टीम ने ग्रुप-सी के तीसरे मुकाबले में एकतरफा जीत हासिल की। टीम ने कंबोडिया को पहले गेम में 25-14 के अंतर से हराया। टीम ने पहला गेम 22 मिनट में जीता। इसी प्रकार दूसरा गेम 19 मिनट में 25-13 और तीसरा 19 मिनट में 25-19 से हराया।

भारतीय टीम को सबसे ज्यादा अंक जर्सी नंबर-11 अश्वराज ने दिलाए। उन्होंने 17 अंक अर्जित किए, वहीं कंबोडिया से जर्सी नंबर-15 मॉर्गन ने सबसे ज्यादा 9 अंक बटोरे।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम पाकिस्तान के साथ पूल ए में

उज्बेकिस्तान से 24 सितंबर को होगा पहला मैच

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। हरमनप्रीत सिंह भारतीय टीम के कप्तान होंगे जबकि हार्दिक उप-कप्तान बनाए गए हैं। रवानगी से पहले कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि टीम ने कड़ी तैयारियां की हैं। हाल ही में हमने चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था।

भारतीय हॉकी टीम एशियाई खेलों में प्रभावी प्रदर्शन करने का संकल्प लेकर चीन रवाना हो गई। चीन के हांगझोउ में 23 सितंबर खेलों की शुरुआत होगी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ करेगी। भारत पूल ए में पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ है। पूल बी में दक्षिण कोरिया, मलयेशिया, चीन, ओमान, थाईलैंड और इंडोनेशिया शामिल हैं। दोनों पूल से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी।

हरमनप्रीत सिंह भारतीय टीम के कप्तान होंगे जबकि हार्दिक उप-कप्तान बनाए गए हैं। रवानगी से पहले कप्तान हरमनप्रीत ने कहा कि टीम ने कड़ी तैयारियां की हैं। हाल ही में हमने चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन किया था। हम वही स्तर कायम रखने का प्रयास करेंगे। हमारे पूल में कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं लेकिन हमें पदक मंच पर पहुंचने की पूरी उम्मीद है।

भारतीय हॉकी टीम का कार्यक्रम

24 सितंबर बनाम उज्बेकिस्तान
26 सितंबर बनाम सिंगापुर
28 सितंबर बनाम जापान
30 सितंबर बनाम पाकिस्तान
02 अक्टूबर बनाम बांग्लादेश

कालीरमन पर भड़के रेसलर बजरंग पूनिया: बोले- चैलेंज एक्सेप्ट करूंगा

न देश छोड़ा और ना ही मरा हूं, तुम बृजभूषण की जय-जयकार कर रहे

पानीपत, 20 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स ट्रायल में छूट देकर बजरंग पूनिया को सीधे एंट्री कराने का मामला ठंडा नहीं पड़ा है। इस मामले में पहलवान विशाल कालीरमन के माता-पिता बुधवार को अनशन पर बैठेंगे। वहीं विशाल के भाई ने बजरंग और महिला पहलवानों को लेकर बयान दे दिया। जिससे बजरंग पूनिया भड़क उठे।

वे कांग्रेस में बैठे हुए सोशल मीडिया पर लाइव आए और विशाल के माता-पिता को कहा कि पहले उसे बोलना सिखाओ, चैलेंज की बात बाद में आएगी। रही बात चैलेंज की, तो वह एशियन गेम्स के बाद स्वीकार किया जाएगा। मैं कहीं जा नहीं रहा हूं। मैं देश छोड़कर नहीं भागा हूं। न मैं मरा हूं और न ही मेरा जमीर मरा है। तुम तो शुरू से ही बृजभूषण की जय-जयकार कर रहे हो।

विशाल के भाई ने एक इंटरव्यू में बजरंग पूनिया के साथ उनकी पहलवान पत्नी संगीता फोगाट को लेकर कई बातें कही थी। यहां तक कहा था कि बजरंग ने धरना बेच दिया। बजरंग इतने काबिल हैं तो विशाल से कुश्ती लड़ें। अगर वे जीते तो भारी कैश देंगे।

पिछले करीब 10 दिन से विशाल पहलवान, उसके परिवार और भाई ने एक मुद्दा चलाया हुआ है। उसका भाई एक वीडियो में

परिवार के बारे में गलत बोल रहा है। सबसे पहले मैं विशाल की मम्मी-पापा को रिक्वेस्ट करना चाहूंगा कि अपने बच्चों को पहले तो बोलना सिखाओ। सभी की बहन बेटी एक बराबर है, इनमें कोई फर्क नहीं है। आपके घर में भी बहन बेटी होगी। उनकी तरफ देखकर कोई बात बोलनी चाहिए।

हम धरने से उठे नहीं, बल्कि पुलिस ने हमें डंडे मारकर उठाया जो यह कहा जा रहा है कि धरना बेच दिया। धरना बेचा नहीं है, बल्कि 28 तारीख को जो फैसला लिया था वह हमारे खाप पंचायत ने फैसला लिया था। उसे पूरा करने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। हमें पुलिस ने डंडे मार कर उठाया था। हम खुद नहीं उठे थे।

मैं बहन-बेटियों की इज्जत के लिए लड़ा था। अपने निजी स्वार्थ के लिए नहीं लड़ा। इस देश में आज से पहले बृजभूषण के खिलाफ किसी ने आवाज नहीं उठाई। किसी में इतनी हिम्मत नहीं थी।

एक और शख्स खुद को अंतिम पंघाल का कोच बताते हुए कह रहे हैं कि मैं उनकी चार बातों का जवाब दे दूं। मैं, उनकी चार बातों का जवाब भी दूंगा, लेकिन अभी मैं एशियन गेम्स में बिजी हूं, यहां मेहनत कर रहा हूं। तुमने तो खाप पंचायत को भी मुर्दाबाद कह दिया। यानी कि जो तुम्हारे सपोर्ट में है, तो वह ठीक। नहीं उसे तुम मुर्दाबाद का कह दोगे।

जब पहले ही पता था कि स्टैंडबाय के लिए ट्रायल हो रहे हैं तो क्यों दिए। पहले ही कह दिया गया था कि 65 और 53 किलोग्राम वर्ग के लिए स्टैंडबाय ट्रायल होंगे, तो फिर किस बात का हंगामा किया जा रहा है।

आईसीसी रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने लगाई छलांग

मुंबई, 20 सितंबर (एजेंसियां)। आईसीसी द्वारा जारी महिला वनडे रैंकिंग रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने बड़ी छलांग लगाई है। दोनों ने महिला वनडे रैंकिंग में एक-एक स्थान ऊपर चढ़ गई हैं।

वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर ने लगाई छलांग

चीन के हांगझू में आगामी 19वें एशियाई खेलों से पहले नवीनतम वनडे रैंकिंग में स्मृति मंधाना 708 रेटिंग के साथ चौथे पायदान पर पहुंच गई हैं, जबकि हरमनप्रीत कौर 694 रेटिंग के साथ छठे स्थान पर पहुंच गईं। दोनों को आखिरी बार बांग्लादेश में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के दौरान देखा गया था। सीरीज में, मंधाना और कौर ने एक-एक अर्धशतक के साथ क्रमशः 106 और 71 रन बनाए थे।

इसी तरह शेफाली वर्मा दो स्थान सुधार के साथ 44 वें से 42 वें स्थान पर पहुंच गई। साथ ही दीप्ति शर्मा और राजेश्वरी गायकवाड़ ने अपने आप को बॉलिंग रैंकिंग में टॉप 10 में रखा है। दीप्ति 9वां तो राजेश्वरी ने अपना 10वां स्थान बरकरार रखा है।

अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो महिला वनडे बैटिंग रैंकिंग में इंग्लैंड की नेटली साइवर-ब्रंट 807 रेटिंग के साथ पहले पायदान पर मौजूद हैं। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और तीसरे पर श्रीलंका की चमारी अथापथ्यु हैं।

बैटिंग रैंकिंग के साथ-साथ बॉलिंग रैंकिंग में भी पहले स्थान पर इंग्लैंड का कब्जा है। महिला क्रिकेटर सोफी एक्लेस्टन नविनतम वनडे बॉलिंग रैंकिंग में पहले पायदान पर हैं। वहीं, दूसरे पर साउथ अफ्रीका की बॉलर शबनीम इस्माइल और तीसरे स्थान पर ऑस्ट्रेलिया की दिग्गज महिला बॉलर जेस जोनासेन हैं।

ऑलराउंडर रैंकिंग में पहले पायदान पर ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर हैं। दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज जबकि तीसरे स्थान पर इंग्लैंड की नेटली साइवर-ब्रंट हैं। भारत की दीप्ति शर्मा 312 रेटिंग के साथ महिला वनडे ऑलराउंडर की सूची में 7वें स्थान पर हैं।

वॉलीबॉल में भारतीय पुरुष टीम ने किया विजयी आगाज

पहले मैच में कंबोडिया को 3-0 से हराया

नई दिल्ली, 20 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वॉलीबॉल पुरुष टीम ने कंबोडिया को 3-0 से हराकर एशियाई खेलों में जीत के साथ आगाज किया। भारत ने पहले मैच में ही शुरू से दबदबा बनाए रखा। भारतीय टीम ने पूल-सी के मैच में निचली रैंकिंग की टीम कंबोडिया को 25-14, 25-13, 25-19 से पराजित किया।

पूल-सी में भारतीय टीम की असली परीक्षा बुधवार को होगी जब टीम विश्व की 27वें नंबर की टीम दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगी। हांगझोउ एशियाई खेलों में 19 कुल टीमें शिरकत कर रही

हैं जिसमें जापान, चीन और दक्षिण कोरिया जैसी मजबूत टीमें भी शामिल हैं।

वहीं, जापान ने इन खेलों में अभी तक पुरुष वॉलीबाल में 27 पदक जीते हैं जिसमें 16 स्वर्ण शामिल हैं। उसके बाद दूसरे स्थान पर चीन है जिसने 11 स्वर्ण जीते हैं, जबकि कोरिया 5 स्वर्ण के साथ तीसरे पायदान पर विराजमान है।

नीलोफर अस्पताल से अपहृत छह माह के बच्चे को पुलिस ने बचाया

दंपत्ति ने खुद के दो बच्चों के मरने के बाद उठाया यह कदम

पुलिस हिरासत में अपहरण के आरोपी कात्रोत ममता और

फैसल खान

शिशु के मिलने पर उनके माता-पिता खुशी से झूम उठें

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले सप्ताह नीलोफर अस्पताल से अगवा किए गए छह महीने के बच्चें को सिटी पुलिस कमिश्नर सेंट्रल जोन टास्क फोर्स की टीम ने नामपल्ली पुलिस के साथ मिलकर सकुशल बचा लिया। पुलिस टीम ने छह महीने के नवजात शिशु फैसल खान (पीड़ित) को आरोपियों के चंगुल से बुधवार को कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा से बचाया। शिशु के मिलने पर उनके माता-पिता खुशी से झूम उठें। आरोपियों की पहचान कात्रोत ममता (26) और उनके पति के कात्रोत श्रीनु (26) निवासी कोताबाद तांडा, जिला कामारेड्डी के रूप में हुई है। दंपति ने नीलोफर अस्पताल परिसर से बच्चें का अपहरण कर लिया था।

रंगारेड्डी जिले के गांधीपेट चौराहे पर रहने वाली फरीदा बेगम और उनके पति की शिकायत पर 14 सितंबर को नामपल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया था कि वह 14 सितंबर सुबह करीब 11 बजे वह अपनी मां के साथ अपने बड़े बेटे के इलाज के लिए नीलोफर अस्पताल आई थी। जबकि उसकी मां अपने बड़े बेटे के साथ थी, वह अपने छह महीने के लड़के की देखभाल कर रही थी और मरीजों के वेटिंग लाउंज में इंतजार कर रही थी। इसी बीच एक अन्य महिला आई और शिकायतकर्ता से बात करते हुए बोली कि उसका दो माह का बच्चा है जिसका इलाज चल रहा है।

बाद में लगभग 6.30 बजे, शिकायतकर्ता ने अपने बच्चे को दूध पिलाया और सो गई। दूसरी आरोपी महिला ने अपने बच्चे को जमीन पर रख दिया और शिकायतकर्ता के बच्चे के साथ चली गई। बाद में, जब शिकायतकर्ता उठी तो उसने पाया कि उसका छह महीने का बच्चा गायब था और संदिग्ध महिला भी वहां नहीं थी। निलोफर अस्पताल से बच्चे के अपहरण को ध्यान में रखते हुए, सेंट्रल जोन टास्क फोर्स की टीमें पीएस नामपल्ली और सैफाबाद के कर्मचारियों के साथ कार्रवाई में जुट गईं। टीम ने तकनीक का उपयोग किया और कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा में आरोपियों का पता लगाया और अपहृत 6 महीने के बच्चे को आरोपियों के चंगुल से सुरक्षित बचाया और शिशु को उसके माता-पिता को सौंप दिया। डीएसपी (सेंट्रल) एम. वेंकटेश्वरलू ने बताया कि आरोपी कात्रोत ममता और श्रीनिवास को पहले दो बच्चें हुए थे और आनुवंशिक बीमारी के कारण बच्चों की मृत्यु हो गई। हाल ही में 10 दिन पहले उसके पैतृक गांव में उसे एक लड़के का जन्म हुआ और डॉक्टरों ने उसे सूचित किया कि लड़का हाइपर विस्कोसिटी सिंड्रोम से पीड़ित है। आरोपियों को लगा कि इस समस्या के कारण उनका लड़का भी मर जाएगा। आरोपी दंपत्ति ने नीलोफर अस्पताल में उसके बीमार नवजात बच्चे को छोड़कर किसी बच्चे के अपहरण की योजना बनाई थी। अपनी योजना के अनुसार, 14 सितंबर को, आरोपी दंपति अपने नवजात लड़के के साथ शाम के समय नीलोफर अस्पताल आए और अपहरण के लिए एक नवजात लड़के की तलाश की। उन्होंने शिकायतकर्ता के छह महीने के लड़के को निशाना बनाया और उसका अपहरण कर लिया और अस्पताल छोड़ दिया। एक ऑटो में जेबीएस बस स्टेशन पहुंचे और निज़ामाबाद जाने वाली बस में सवार होकर अपने गांव पहुंच गए। टास्क फोर्स टीम और नामपल्ली पुलिस 20 सितंबर को तड़के बांसवाड़ा, कामारेड्डी जिले में आरोपियों को पकड़ लिया और उन्हें नामपल्ली पीएस ले आए और अपहृत बच्चे को उसके माता-पिता को सौंप दिया गया। अपहृत बच्चें को पी. राधा किशन राव, ओएसडी टास्क फोर्स, हैदराबाद सिटी, एम. वेंकटेश्वरलू, डीसीपी, सेंट्रल जोन, आर. संजय कुमार, एसीपी, सैफाबाद डिवीजन की देखरेख में बी. राजू नाइक, इंस्पेक्टर, सेंट्रल जोन, टास्क फोर्स, बी. अभिलाष, इंस्पेक्टर, नामपल्ली पीएस, ए. नागार्जुन, डीआई सैफाबाद पीएस, सीएच नवीन कुमार, एसआई, सेंट्रल जोन, टास्क फोर्स, पी. निरंजन, डीएसआई, सैफाबाद पीएस और सेंट्रल जोन टास्क की टीम के सदस्यों आदि ने आरोपियों के चंगुल से बचाया।

महिला कोटे के लिए आरक्षित हुई तो मैं अपनी सीट छोड़ने को तैयार : केटीआर

मंत्री ने इंटरनेशनल टेक पार्क हैदराबाद (आईटीपीएच) का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संसद में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए, आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामा राव ने कहा कि अगर सिरसिल्ला निर्वाचन क्षेत्र महिलाओं के लिए आरक्षित होता है तो वह अपनी विधानसभा सीट छोड़ने के लिए तैयार हैं। बुधवार को यहां माधापुर में कैपिटालैंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (सीएलआई) द्वारा विकसित इंटरनेशनल टेक पार्क हैदराबाद (आईटीपीएच) का उद्घाटन करने के बाद केटी रामाराव ने कहा कि बीआरएस पार्टी महिला आरक्षण विधेयक का पूरे दिल से समर्थन करेगी क्योंकि यह विधेयक अधिक महिलाओं को राजनीति में प्रवेश करने में सक्षम बनाएगा। उन्होंने कि हैदराबाद निवेश के लिए सबसे अच्छा गंतव्य है, केटीआर ने खुशी व्यक्त की कि राज्य की राजधानी पूरी दुनिया के लिए टीके बनाने के स्तर तक पहुंच गई है और कहा कि देश में 40 प्रतिशत से अधिक फार्मास्युटिकल उत्पाद हैदराबाद से आते हैं।

केटीआर ने कहा, "हैदराबाद में विश्व स्तरीय बिजनेस पार्क और डेटा सेंटर विकसित करने की कैपिटललैंड की प्रतिबद्धता शहर के आईटी क्षेत्र की तेजी से वृद्धि का प्रमाण है।" "हैदराबाद अग्रणी वैश्विक निगमों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनने के साथ, हम इन कंपनियों को बढ़ने और सफल होने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और समर्थन प्रदान करने के लिए समर्पित हैं।

हम हैदराबाद के व्यापार परिदृश्य के भविष्य को आकार देने के लिए सीएलआई जैसी अग्रणी कंपनियों के साथ काम करना जारी रखेंगे। एक पारिस्थितिकी तंत्र जो नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देता है। कैपिटालैंड ग्रुप (कैपिटालैंड) एशिया के सबसे बड़े विविधीकृत रियल एस्टेट समूहों में से एक है। सिंगापुर में मुख्यालय, कैपिटालैंड का पोर्टफोलियो रियल एस्टेट निवेश प्रबंधन और रियल एस्टेट विकास पर केंद्रित है, और 40 से अधिक देशों के 260 से अधिक शहरों में फैला हुआ है। कैपिटालैंड के पास भारत में लगभग 30 वर्षों का अनुभव है और यह देश में बिजनेस पार्क के अग्रदूतों में से एक है।मंत्री ने आईटीपीएच में 40 मेगावाट (मेगावाट) डेटा सेंटर के विकास के लिए आयोजित शिलान्यास समारोह में भी भाग लिया।

नई वंदे भारत ट्रेनों में कई बेहतर यात्री सुविधा शामिल

ये बदलाव यात्रियों के लिए यादगार बनेंगे

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे का गौरव-वंदे भारत एक्सप्रेस-यात्रा के अनुभव को और अधिक यादगार व आरामदायक बनाने के लिए यात्रियों द्वारा दिए गए सुझावों को ध्यान में रखते हुए लगातार सुधार और उन्नयन किया जा रहा है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वंदे भारत को यात्रा करने वाले लोगों के लिए परिवहन का पसंदीदा साधन बनाने के लिए यात्रियों द्वारा व्यक्त की जा रही पहले से ही उच्च संतुष्टि के स्तर को बनाए रखा जाए, लगातार कई तकनीकी परिवर्तन किए जा रहे हैं। वर्तमान में, भारतीय रेलवे में 25 जोड़ी वंदे भारत ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। दक्षिण मध्य रेलवे में, दो जोड़ी अर्थात्, सिकंदराबाद - तिरूपति - सिकंदराबाद और सिकंदराबाद - विशाखापत्तनम - सिकंदराबाद के बीच लगभग 120 फीसदी संरक्षण के साथ सफलतापूर्वक चल रही हैं। रेल मंत्रालय की दक्षिण मध्य रेलवे सहित भारतीय रेलवे में अतिरिक्त वंदे भारत ट्रेनें शुरू करने की योजना है। इस संबंध में रेलवे यात्रियों से लगातार सुझाव/फीडबैक लेता रहा है। अनुभव के साथ-साथ यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर, नई वंदे भारत ट्रेनों को अधिक आरामदायक, सुरक्षित, सौंदर्यपूर्ण और ऊर्जा कुशल बनाने के लिए इसमें कई सुधार शामिल किए गए हैं। यात्रियों के लिए इसे और अधिक आरामदायक बनाने के लिए सीटों का झुकाव कोण 17.31 से बढ़ाकर 19.37 कर दिया गया है। इसके साथ ही एक्जीक्यूटिव चेयर कार (ईसीसी) में सीट का रंग लाल से बदलकर सुखद नीला कर दिया गया है। सीटों के नीचे मोबाइल चार्जिंग पॉइंट की बेहतर पहुंच, ईसीसी में सीटों के लिए विस्तारित फुट रेस्टू, ईसीसी कक्षा की अंतिम सीटों के लिए मैगजीन बैग का भी प्रावधान, शौचालयों में पानी के छींटों से बचने के लिए वॉश बेसिन की गहराई बढ़ाई गई, शौचालयों में रोशनी को 1.5 वॉट से बढ़ाकर 2.5 वॉट कर दिया गया, बेहतर पकड़ के लिए शौचालय के हैंडल को अतिरिक्त मोड़,बेहतर जल प्रवाह नियंत्रण के लिए जल नल जलवाहक का प्रावधान आदि के साथ कई बदलाव किए गए है।

बीसी नेताओं ने संसद में ओबीसी बिल पेश करने की मांग की

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीसी कॉर्पोरेशन के अध्यक्षों और सरकारी आयोग के सदस्यों ने केंद्र सरकार से ओबीसी आरक्षण विधेयक संसद में पेश करने की मांग की है। बुधवार को यहां हरिता प्लाजा में एक गोलमेज बैठक करने वाले बीसी नेताओं ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से संसद और राज्य विधानमंडलों में ओबीसी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाले विधेयक को पेश करने के लिए पहल करने को कहा है।

बीसी नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र संसद के चल रहे विशेष सत्र में ओबीसी विधेयक पेश करने में विफल रहा तो वे एक कार्ययोजना तैयार करेंगे। बैठक का नेतृत्व करने वाले पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष गेलु श्रीनिवास यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य विधानमंडल ने 14 जून 2014 को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार से संसद और राज्य में ओबीसी के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने का अनुरोध किया गया। विधानमंडल लेकिन केंद्र सरकार ने ओबीसी विधेयक पेश करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। बैठक में तेलंगाना मीडिया अकादमी के अध्यक्ष अल्लम नारायण, बीसी आयोग के कृष्णमोहन राव, विभिन्न निगमों के अध्यक्ष अंजनेय गौड़, डुडीमेटला बलराजू यादव, रविंदर सिंह, आयोग के सदस्य किशोर गौड़, सुभप्रधाम पटेल, जुलुरु गौरीशंकर और अन्य ने भाग लिया।

कागज़नगर लॉरी मालिकों की हड़ताल

सिरपुर कागजनगर, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर शहर में स्थानीय जेके पेपर मिल के अड़ियल रवैये के कारण, कागजनगर लॉरी ओनर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में आज से हड़ताल होगी। राज्य भर के 155 संघों ने पहले ही अपना पूर्ण समर्थन देने की घोषणा कर दी है और पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश से भी अपने अधिकारों के लिए हड़ताल पर हैं। उन्होंने मांग की है कि जब तक उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाएगा तब तक हड़ताल खत्म नहीं होगी।

मेडिकल कॉलेज में स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायें

कुमरम भीम आसिफाबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम जिले के आसिफाबाद मंडल के अंकुसापुर ग्राम पंचायत की दलित महिलाएं आज एमएमआरपीएस एमएसपी के राष्ट्रीय नेताओं के साथ एमएमआरपीएस एमएसपी के राष्ट्रीय नेता रेगुंटा केशव मादिगा ने आसिफाबाद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक आत्रम सक्कु ज्ञापन सौंपा।अ़कुसापुर ग्राम पंचायत में बनने वाले मेडिकल कॉलेज में स्थानीय लोगों को सस्ते पद या अटेंडेंट पद उपलब्ध कराए जाएं। अंकसापुर गांव में गरीब एससी एसटी बीसी अल्पसंख्यक छात्र-छात्राएं हैं जिन्होंने डिग्री ली है और पीजी किया है, मेडिकल कॉलेज में नौकरी के अवसर हैं सबसे पहले हमारे मूलनिवासियों को मौका मिलना चाहिए साथ ही, वे पढ़ाई के बाद बिना किसी नौकरी के अवसर के या बेरोजगार घूम रहे हैं। विधायक आत्रम सक्कू को अंकुसापुर ग्राम पंचायत में जहां भी रोजगार के अवसर हैं, वहां एससी, एसटी, बीसी छात्रों को अवसर उपलब्ध कराने को कहा गया है। साथ ही सरकार की बात करें, तो अंकसापुर गांव की तरह अनुसूचित जाति की दलित महिलाओं के लिए कोई भी सरकारी योजना लागू नहीं की जा रही हैं, हमारे गांव के हर दलित परिवार को दलित बंधु गृहलक्ष्मी जैसी योजना देने के लिए हमने पहले भी कलेक्टर एवं जिला जिप अध्यक्ष को पत्र दिया है। अंकसापुर के ग्रामीणों को पहली प्राथमिकता देकर ठेकेदार ठेका लेगा, इसके बाद अन्य को मौका देने की मांग की गई।

तेलंगाना में धान के दूसरे चरण की नीलामी की प्रक्रिया जारी

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा धान की दूसरे चरण की नीलामी के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। पहले चरण की नीलामी प्रक्रिया एक लाख टन के 25 लॉट धान की बिक्री के लिए वित्तीय बोलियों को अंतिम रूप देने के साथ पूरी हो गई। उच्चतम मूल्य 1,732 रुपये प्रति क्विंटल मिला। दूसरे चरण में भी इसी प्रकार 25 लाख मीट्रिक टन की मात्रा नीलामी में आने की संभावना है। पिछले दो विपणन सत्रों के दौरान राज्य में एमएसपी पर किसानों से खरीदा गया 75 लाख टन से अधिक धान निगम के पास है। चूँकि ख़रीफ़ फ़सल का मौसम नज़दीक है और बाजारों में धान की आवक अगले नवंबर से शुरू होने की उम्मीद है, गोदाम की जगह की कमी को दूर करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में राज्य में धान के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस वर्ष ख़रीफ़ के दौरान मुख्य रूप से कृष्णा नदी परियोजनाओं-नागार्जुनसागर परियोजना और श्रीशैलम जलाशय के तहत धान के रकबे में मामूली कमी आई है, जिसमें अब तक कोई महत्वपूर्ण प्रवाह नहीं हुआ है। लेकिन प्रमुख धान उत्पादक जिले माने जाने वाले नलगोंडा और सूर्यापेट जैसे जिलों में कमी को पूरा करने के लिए गोदावरी बेसिन परियोजनाओं के तहत बंपर फसल की उम्मीद है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने खरीफ विपणन सीजन (केएमएस) 2023-24 के दौरान राज्य से 50 लाख टन चावल खरीदने की प्रतिबद्धता जताई थी। दरअसल राज्य के अधिकारी चाहते थे कि केंद्र अपनी प्रतिबद्धता को पिछले साल की 44 लाख टन खरीद से बढ़ाकर 67 लाख मीट्रिक टन कर दे। पिछले साल के मुकाबले इसमें सिर्फ 13.6 फीसदी की बढ़ोतरी पर सहमति बनी थी। चूंकि केंद्र ने गैर बासमती किस्मों के निर्यात पर अंकुश लगाने का विकल्प चुना है, इसलिए खरीदार राज्य द्वारा रखे गए धान के स्टॉक की नीलामी के कदम पर बहुत सावधानी से प्रतिक्रिया दे रहे हैं। इसके साथ ही उबले चावल पर भी 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया गया। धान उगाने वाले राज्यों के बढ़ते दबाव को देखते हुए, 16 अक्टूबर के बाद उबले हुए चावल पर निर्यात शुल्क हटाए जाने की संभावना है। चूंकि तेलंगाना उबले हुए चावल के प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक है, इसलिए इसे 20 प्रतिशत से लाभ हो सकता है। सेंट निर्यात शुल्क समाप्त कर दिया गया।

कांग्रेस ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर पुलिस लाठीचार्ज की निंदा की

कामारेड्डी, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री मोहम्मद अली शब्बीर ने बुधवार को कामारेड्डी कलक्ट्रेट में धरना दे रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर पुलिस लाठीचार्ज की कड़ी निंदा की है। शब्बीर अली ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि पुलिस ने क्रूर लाठीचार्ज किया जिसमें कई महिला कार्यकर्ता घायल हो गईं। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता न्यूनतम वेतन, नौकरी की सुरक्षा और दुर्घटना बीमा की मांग को लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रही थीं, लेकिन पुलिस ने बिना किसी उकसावे के उनके विरोध को विफल करने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया। प्रदर्शन में शामिल शब्बीर अली ने पुलिस लाठीचार्ज में घायल कई आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने पुलिस के रवैये की कड़ी निंदा की और वहीं से फोन पर मानवाधिकार आयोग और महिला आयोग से शिकायत की। उन्होंने कहा कि वह पीड़ितों को लेकर गुरुवार को महिला आयोग और एसएचआरसी में शिकायत दर्ज कराएंगे। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शब्बीर अली ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता निष्पक्ष हड़ताल कर रही थीं और उन पर लाठीचार्ज करना अमानवीय था।

गांजे के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद कमिश्नर की टास्कफोर्स (दक्षिण) टीम ने बुधवार को कथित तौर पर गांजा रखने वाले दो लोगों को पकड़ा और उनके पास से 1.17 किलोग्राम गांजा जब्त किया। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, टीम ने मदन्नापेट के इमरान खान (29) और सैयद फिरोज अली (25) को पकड़ा। पुलिस टीम को उनके पास से 1.17 किलोग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने कहा कि वे कथित तौर पर इसे भवानीनगर में अपने ग्राहकों को बेचने की योजना बना रहे थे। जब्त संपत्ति के साथ दोनों व्यक्तियों को आगे की कार्रवाई के लिए भवानीनगर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कार्डियक अरेस्ट के बावजूद स्कूल बस ड्राइवर ने 40 छात्रों को बचाया

अमरावती, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिस बस में वे यात्रा कर रहे थे, उसके ड्राइवर को दिल का दौरा पड़ने से 40 से अधिक स्कूली बच्चे बाल-बाल बच गए। बस बुधवार को आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में छात्र को ले जा रही थी। यह घटना तब हुई जब ड्राइवर, 53 वर्षीय गुर्राला एडुकोंडालू बस को मायलावरम, उप्पलापाडु और वेम्पारा गांवों से होते हुए अडांकी शहर में एक निजी स्कूल की बस तक ले जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, उप्पलपाडु से आगे बढ़ने के बाद ड्राइवर को दिल का दौरा पड़ा, लेकिन बेहोश होने से पहले, सेकंड के एक अंश में, उन्होंने वाहन रोक दिया, जिससे हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। छात्रों को उसी बस में दूसरे ड्राइवर द्वारा स्कूल ले जाया गया। पुलिस ने मामले को जांच में ले लिया है।

वेमुला ने पदगल में 2बीएचके घरों का उद्घाटन किया

निज़ामाबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने बुधवार को बालकोंडा निर्वाचन क्षेत्र के वेलपुर मंडल के पदगल गांव में नवनिर्मित दो बेडरूम वाले घर परिसर का उद्घाटन किया। उन्होंने लाभार्थियों को मकानों के दस्तावेज भी सौंपे।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि 6.29 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित परिसर में सभी सुविधाओं के साथ 96 डबल बेडरूम फ्लैट हैं। उन्होंने कहा कि उसी परिसर में उपलब्ध जगह पर जल्द ही लगभग 32 और 2बीएचके घर बनाए जाएंगे, उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र में जल्द ही 62 लोगों में से प्रत्येक को अपनी जमीन पर घर बनाने के लिए 3 लाख रुपये जारी किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वादे को पूरा करने में कुछ देरी के बावजूद गरीबों को सभी सुविधाओं से युक्त डबल बेडरूम मकान उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि अगर अभी भी कोई योग्य लोग हैं, तो उन्हें भी घर मुहैया कराए जाएंगे।

विजयादशमी से वैजाग से काम करेंगे सीएम जगन

ताडेपल्ली, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी इस विजयादशमी की शुरुआत विशाखापत्तनम से करेंगे। उन्होंने बुधवार को यहां हुई कैबिनेट बैठक में विशाखापत्तनम को कार्यकारी राजधानी बनाने के फैसले का जिक्र करते हुए यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि तब तक सभी कार्यालयों को स्थानांतरित किया जा सकता है और उन्होंने कार्यालयों का चयन करने और उनका पता लगाने के लिए एक समिति गठित करने का निर्देश दिया। जगन ने यह भी कहा कि पार्टी मध्यावधि चुनाव और लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के संबंध में केंद्र के फैसले का पालन करेगी।

महिला ने पति की हत्या कर दी

हैदराबाद, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के कोत्तुर में मंगलवार रात अपने घर पर झगड़े के बाद एक महिला ने कथित तौर पर मूसल से वार करके अपने पति की हत्या कर दी। दंपत्ति, पी नरसिम्हुलु (50) और उनकी पत्नी पी नरसम्मा (43) कोत्तुर मंडल के पंजेरला गांव में रहते थे और खेत मजदूर के रूप में काम करते थे। मंगलवार की रात, दंपत्ति ने शराब पी और किसी घरेलू मुद्दे पर बहस करने लगे। कोत्तुर पुलिस थाने के प्रभारी के. शंकर रेड्डी ने कहा कि महिला ने नरसिम्हुलु पर मूसल से हमला किया और उसके सिर पर पत्थर से बार-बार वार किया जिससे व्यक्ति की मौत हो गई। शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल के शवगृह में स्थानांतरित कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला को हिरासत में ले लिया है।

आंप्र के स्कूलों में आईबी पाठ्यक्रम एक ऐतिहासिक निर्णय : मंत्री

गुंटूर, 20 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री सी. वेणुगोपाला कृष्णा ने बुधवार को यहां कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों में इंटरनेशनल बैकलॉरिएट (आईबी) पाठ्यक्रम शुरू करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। कैबिनेट बैठक के बाद मीडियाकर्मियों को जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि शैक्षिक मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने के लिए यह निर्णय लिया गया है। हम आईबी पाठ्यक्रम की ओर बढ़ रहे हैं जो अमेरिका में प्रचलित है। इसे यहां पेश करने से छात्रों को उनके बचपन से लाभ मिलेगा। उस दिन कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णयों का खुलासा करते हुए, मंत्री ने कहा कि सेवा अनुबंध कर्मचारियों को नियमित करने का निर्णय लिया गया, जिससे 10,115 अनुबंध कर्मचारियों और एपीवीपी के 11,630 कर्मचारियों को लाभ होगा। उन्होंने बताया कि इसके अलावा, प्रत्येक सरकारी कर्मचारी को सेवानिवृत्त होने तक एक घर उपलब्ध कराने और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों के बच्चों को आरोग्य श्री और शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ देने का भी निर्णय लिया गया। मंत्री ने बताया कि यूपीएससी परीक्षाओं में शामिल होने वालों के लिए एक नई योजना-जगनन्ना सिविल सेवा प्रोत्साहनम्- शुरू की जाएगी, जिसके तहत उम्मीदवारों को 50,000 रुपये से 1 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाएगी। अन्य निर्णयों में विशाखापत्तनम में पांच एकड़ में एक विशाल कन्वेंशन सेंटर का निर्माण और काकीनाडा थोक दवा परियोजना को नक्कापल्ली में स्थानांतरित करना शामिल है जो सरकारी भूमि पर स्थापित किया जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.